परम पूज्य श्री आदि शक्ति माताजी श्री निर्मला देवी
के पावन चरणों में सादर समर्पित

सहज गीत

ई-सहज गीत

"All Sahaj Yogis are equal; no one is higher or lower."
"You must love each other as much as I love you."

Jai Shri Mataji

जय श्री माताजी प्रस्तुत है **"ई – सहज गीत"**

सहज गीत कोटा के सहज योगियों द्वारा संकलित भजन संग्रह है। इसे अब मोबाइल में उपयोग करने हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसमें मूल सहज गीत की पृष्ठ संख्या में 10 जोड़कर उस मुद्रित भजन पर पहुँचा जा सकता है। जैसे किसी भजन का मूल सहज गीत में पेज नं 48 है, तो ई–सहज गीत में आप मूल सहज गीत के पृष्ठ सं 48+10= यानि 58, पेज नं 83 है तो 83+10= यानि 93 पर उस भजन को पायेंगें। प्रत्येक भजन के शीर्षक के साथ उस भजन की मूल सहज गीत की पृष्ठ संख्या भी दी गई है।

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
A	आदिगुरू जनक लाओत्से सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई	1	144
2	आदि शक्ति माताजी तेरे चरणों में आया हूँ मैं	175	New
3	आज बणौ तम् म्हारा पावणा श्री माँ जी पधारो म्हारा ३	1	147
4	आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू नाच रहे शिवजी	2	94
5	आज है आज है पूजन माँ का	3	82
6	आकर्षणों के दर्पण में आकाश सी सीमाएँ हैं	3	96
7	आना अम्बे माँ	4	54
8	आरती कीजे शैल सुता की	4	2
9	आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी	5	154
10	आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार	5	128
11	आया माता का पूजन आया	6	148
12	आया शुभ दिन है आया	6	3
13	आई आई आज दीवाली है ये आई	7	112
14	अम्बे के भवन में आओ रे मेरी मैया की जोत जलाओ	8	97
15	अपने हृदय के सारे द्वार खोल	9	149
16	अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन	9	150
B	बाजे रे मुरलिया बाजे	10	60
18	बादशाह हो गये देखते देखते	10	28
19	बजौ मुरली कृष्ण बजौ मुरली	11	122
20	बजता है गीत प्रकृति का	12	59

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
21	बस नाम श्री माँ का तू जपना	13	162
22	भज मन माँ का नाम सुखदाई	13	102
23	भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ	14	122
24	भवन में आ जाओ मैया शेराँ वाली	170	New
25	भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई है	176	New
26	बोलो रे सहजी जयकारा निर्मल मैया का द्वारा आ गय	14	114
27	बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम	15	29
28	बरतिया ले के आये गयो रे बम बम भोला	16	28
29	बृज से आई मस्ती में सहजी की यह टोली	16	151
C	चदरिया झीनी रे झीनी	17	55
31	चली सहज की नैया ओ मैया पार करा दो	17	110
32	चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है	18	124
33	चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम	18	69
34	चन्द्रमा ललाट सोहे	19	80
35	चरणों में माँ चरणों में	20	11
36	छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल	21	12
37	छिन्दवाड़ा में जन्म हुआ हमारी निर्मल माँ का	21	126
38	चित्त को चैतन्या में लीन करना है	22	70
D	डम डम डम डम डमरू बाजे	23	55
40	डम डम डम डमरू बजाये शिवशंकर कैलाशपति	25	12
41	दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त	26	21
42	दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अखियाँ प्यासी	27	21
43	दर्शन दो निर्मल दर्शन दो	27	155
44	ढोल नगाड़े तांसे बजे	29	158
45	ध्यान करने से तर जायेगा	29	23
46	दूर होंगे सारे कष्ट, होगे सारे काम	30	103
E	ऐ मन गुरू शरण में रहियो	31	83
48	ऐ मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में	31	97
49	ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ	140	New
50	ऐसा दो हमें ज्ञान रहे तेरे चरणों में ध्यान	32	95
51	ऐसा वरदान दे दो हमें माँ	32	83

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
52	इक बार माँ के द्वार पर सर झुका के देख	33	102
53	एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के	34	69
F	फागुन के दिन चार रे	35	27
G	गा मेरे मन श्री माँ के भजन	36	10
56	गणेश प्रथम स्मरणम् प्रणम्य शिरसा देवम्	36	55
57	गणपति बप्पा हर लो सहजी की पीर	37	8
58	गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम	37	9
59	गणपति राखो मोरी लाज पूरण किजीयो हमरे काज	38	135
60	गौरां जी के नन्दन श्री गणेश	39	86
61	गोकुल में बजत बधाई	39	145
62	गुल से तेरे चेहरे पे	40	85
63	गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में	41	10
64	गुरू माऊली तू निर्मल मनाची	42	147
65	गुरूओं की गुरू तारों में ध्रुव मेरी हे कल्याणी मात	43	115
H	हम हैं बिटवा तुहार माँ जी	43	155
67	हम हैं तेरे गणेश श्री माँ	170	New
68	हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने	44	45
69	हमरे जीवन में आई बहार माता रानी तेरे हैं उपकार	45	126
70	हर देश में तू हर वेश में तू	45	46
71	हर पल हर क्षण गाते रहें हम माँ निर्मल के गीत	46	117
72	हर पल विचारों में विचरती आदि माँ वो आप हैं	46	152
73	हर साँस में हो सुमिरन तेरा	47	47
74	हे गजानना गणनायका सुन लो अरज हमारी	128	New
75	हे भवानी भगवती माँ तुझ नमो तुझ नमो	47	104
76	हे माँ दे भक्ति का दान	48	78
77	हे प्रभो तू ज्ञानरूपे	48	53
78	होरी खेलत आज सहजयोगी होली खेलत	49	124
79	हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है	49	45
I	इक बार तू आकर देख ले निर्मल माता की शरण में	50	143
81	एक गणपति एक ईसा दोनों ने आदि माँ को ध्याया	51	146
82	इतना प्यार करेगा कौन, जितना श्री माँ करते हैं	52	5

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
83	इतनी शक्ति हमें देना दाता	52	6
J	जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ	53	109
85	जब से हम सहजयोगी बने	54	71
86	जब से माँ का नाम लिया मेरे सब दुखः दूर हुये	55	116
87	जागो दुर्गा तुमि जागो	56	16
88	जागो मोहन प्यारे जागो	56	17
89	जाई विधि राखे माँ ताही विधि रहिये	57	17
90	जय शंकर भोले जय शिव शंकर जय शंकर भोले	57	119
91	जय श्री माँ की गाये जा माँ की ज्योत जगाये जा	58	131
92	जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का	59	133
93	जरा गणपति पुले आ के देखो आदिशक्ति माँ निर्मल	59	113
94	जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी	60	58
95	जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी	60	15
96	जय गणेश जय गणेश प्यारे	61	101
97	जय गणपति जी महाराज	61	14
98	जय भोले बम बम भोले	62	15
99	जय जय गणपति जयति गणेश	62	14
100	जय जय गणेश मंगलकारी	177	New
101	जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन सुखदाई	63	110
102	जय–जय शिवनन्दन गणेश जी	63	152
103	जय श्री माताजी सबसे कहिये	64	13
104	झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा	64	58
105	झीनी झीनी रे बीनी चदरिया	65	18
106	झूम झूम के नाचे ये संसार माँ	66	132
107	जिक्र निर्मल तेरा पाक ओ निर्मल है तू	66	90
108	जिन आँखों से बहता है, करूणा का वो दरिया	68	16
109	जिनके मन निर्मल माँ बसी	68	104
110	जिसकी जुबाँ पे माँ निर्मल का नाम आ गया	69	169
K	कभी राम बनके कभी श्याम बनके	70	7
112	कबीर के दोहे	173	New
113	कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे	70	123

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
114	करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला	71	66
115	करूणामयी माँ आपका हमको सदा आधार हो	72	81
116	कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम	73	160
117	कोई माने या ना माने	73	164
118	कृष्ण जिनका नाम है गोकुल जिनका धाम है	76	8
L	लाल लाल चुनरी सितारों वाली	76	119
120	लाल पीली नीली रंगी	77	39
121	लल्ला की पैंजनिया बाजे रे प्यारे की पैंजनिया बाजे रे	78	125
122	लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे	78	40
M	माँ बिन करूणा कौन करे	79	31
124	माँ का जन्म दिन आया कि हिल मिल मंगल गाओ रे	80	149
125	माँ का नाम अति मीठा है	80	30
126	माँ की शरण में रहना सहजी जीवन की चतुराई	81	148
127	माँ निर्मल भोली भाली मेरा सहारा तुम ही हो	82	167
128	माँ निर्मल तेरे योगी हम	82	163
129	माँ निर्मला हमें तुम अपनी कृपा का वर दो	83	159
130	माँ राम हैं, माँ रहीम हैं	84	32
131	माँ हे माँ सहत्रार स्वामिनी माँ	181	New
132	मैं नाचूँ तोरे अंगना में	84	106
133	मैया आदि मिला दे परम प्यारा	95	New
134	मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो	85	34
135	मैया तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाये	87	33
136	मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो	88	35
137	ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे	88	60
138	मन चाहे वर दे	89	162
139	मन तुम नाहक द्वन्द मचाये	89	30
140	मनवा निर्मल निर्मल बोल भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले	90	98
141	माता जी आई अंगना रे	91	121
142	माता मेरी हे निर्मल माई	91	157
143	माता मेरी निर्मला तेरा गूँजे जय जयकारा	92	99
144	माता जी माता जी मेरे हृदय में आओ जी	93	158

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
145	माताजी माताजी कव्वाली	93	61
146	मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है	94	84
147	मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे	95	32
148	मेरा मन तो रंगा माँ के रंग में	173	
149	मेरी दुनिया है माँ तेरे इन चरणों में	95	125
150	मेरी माँ पूनम का चाँद	96	62
151	मेरी माता का करम है	97	91
152	म्हारो बेड़ो लगादी जो पार	100	170
153	मोह लेई मनवा हमार माँ तोरी लाल बिंदिया	101	73
154	मोहे देखत आवे हाँसी, पानी में मीन प्यासी	101	36
155	मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की	102	137
156	Mother We Belong to You	102	66
157	मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना	103	113
N	नाम ना जाने, धाम ना जाने	104	23
159	नाशिकवा जोगवा, जगदंबेचा जोगवा माँगते	104	54
160	नव दुर्गा की जोत जगाओ रे	105	128
161	निर्मल चादर ओढ़ सहज की शरण में माँ की आये	106	105
162	निर्मल चरण तेरी ही शरण तर्ज	106	171
163	निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये	107	71
164	निर्मल माँ ने प्यार दिया	108	86
165	निर्मल माँ निर्मल प्राण करो	108	24
166	निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी	110	170
167	निर्मल माता रावा	110	52
168	निर्मल मैया मेरी दे दो चैतन्य अनमोल	171	New
169	निर्मल नाम तू ले मनवा	176	New
170	निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं माँ तेरा ही ध्यान धरूँ	111	111
171	निर्मला निर्मला बोलो अरे निर्मला निर्मला निर्मला बोल	112	121
172	नित मंगल होरी खेलो नित बंसत नित फाग	112	151
O	ओ जगत की माँ निर्मल माँ	113	5
174	ओ निर्मल माँ हम तेरे दरबार में आये	113	4
175	ओम् महालक्ष्मी तुम्हें प्रणाम	178	New

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
176	ओम् शिवाया नमो नमः	114	3
P	पहन के चोला लाल	114	25
178	परमेश्वरी भगवती निर्मला हमें तेरी ममता का आश्रय	115	150
179	पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो	116	127
180	पिंजड़ा दिन दिन होये पुराना	117	130
181	प्रथम ध्यान धरो तिहारो	117	101
182	प्रतिबिम्ब देवी माँ का	118	27
183	पूजा करे संसार मैया तेरी पूजा करे	118	72
184	पूर्ण समर्पण हो आत्मदर्शन हो	119	26
R	राधे राधे जपो चले आयेंगें बिहारी	120	38
186	रहीम के दोहे	174	New
187	रंग झीनी हरि माँ के रंग में काया	121	37
188	रे सहजी झूम झूम के नाचे आज	121	137
189	रूद्राष्टकम्	122	80
S	सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई	123	142
191	सबके दिल में बसी है निर्मला	124	88
192	सब तेरी शरण आये माँ	126	96
193	सबसे प्यारी निर्मला आयी	127	78
194	साधो सो सत्गुरू मोहे भावे	127	144
195	सफल हुआ है उन्हीं का जीवन	128	161
196	सहज दोहे	128	135
197	सहज दोहे–निर्मल भजन –दीपक वर्मा	129	133
198	सहज दोहे–निर्मल प्रेम – डा.राजेश	129	134
199	सहज ही निर्मल भक्ति सहज ही निर्मल गीता	130	107
200	सहज में आकर ध्यान धरे ना	131	42
201	सहज में दिया सहज का ज्ञान	132	44
202	सहज नाम की बस्ती में	132	64
203	सहजी हमें बनाया	133	43
204	सहजी नैना खोल रे तोहे निर्मल मिलेंगे	133	168
205	सहजी पुकार रहे आज	134	64
206	सहजी ठाढे थारे द्वार, म्हारी निर्मल माँ	135	100

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
207	सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे	136	65
208	सहस्त्र कमल उजागर है	182	New
209	सहस्त्रार चक्र में रूप सहज ध्याये	183	New
210	सदगुरू है मेरी माँ मोपे सहज रंग डारा	179	New
211	सलमा सितारों वाली चुनरी माँ की लाल	136	136
212	सन्तों सहज समाधी भली	137	117
213	सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया,	138	166
214	सोचता है तू क्या	141	New
215	शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी	139	63
216	शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला	139	130
Sh.	श्री गणेश अथर्वशीर्ष	172	1
218	श्री गणपति दाता नमो नमः	141	139
219	श्री माँ देवों के कारण	142	48
220	श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी	143	49
221	श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें	143	48
222	श्री माँ की भक्ति का पाया ऐसा जगमग हीरा	144	131
223	श्री माँ तेरा नाम मुझे और ना कोई काम	144	47
224	श्री माँ तुम्हारे प्यार ने जीना सिखा दिया	145	79
225	श्री माताजी की महिमा है अचरज भरी	146	139
226	श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया	148	161
227	श्री माता जी वन्दु तव चरणा	149	49
228	शुभ मंगलमय दिवस है आया	149	77
229	सोई हुई रूहों में खुदी जाग उठी है	150	44
230	सुमिरन करले निर्मल माँ का	150	87
231	स्वागतम् माँ स्वागतम् माँ स्वागतम	151	168
232	स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन	151	107
233	श्वांसा दी माला	152	42
T	तन मन धन सब अर्पण होगा	177	New
235	तेरे चरण कमल में रहने वाले	153	20
236	तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ	153	20
237	तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये	154	159

क्र.सं.	भजन का नाम	पेज नं.	पु.स.गीत
238	तेरी महिमा जो भी गाता सुख पाता दुखः सारे भगाता	155	136
239	तेरी शरण में हे निर्मल माँ सुख का किया अहसास	155	108
240	तेरी चैतन्य लहरों का कोई पार ना पाया है	180	New
241	ठुमक चलत रामचन्द्र	156	60
242	तिमि माता पिता गुरू बन्धु सखा	157	123
243	तू है दाता विश्व विधाता निर्मल माता	157	87
244	तू ही जगत पिता तू ही परम पिता	158	146
245	तू ही श्री देवी परमोदारा	158	18
246	तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा	159	138
247	तुझे रूप पाहुनिया मी दंग झालो	160	51
248	तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ करता सारा जग वन्द	160	118
249	तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया	161	19
U	ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल	162	68
V	वैष्णव जन तो तेने जो कहिये जे पीर पराई जाने रे	163	41
252	वन्दे मातरम्	163	41
253	वन्दना, सब करो वन्दना	164	63
254	विजयी निर्मल शारदे	175	New
255	विघ्न हरण गजवदन	164	147
256	विनरो विनरो विनरो माताजी	164	52
257	वो प्यार देने को मजबूर तू प्यार पाने से मजबूर	165	75
Y	ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार	167	74
259	ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है	168	36
260	ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है	169	129
261	युग आज एक नया देखो सजाये हैं	184	

इस **ई–सहज गीत** में कोई भी त्रुटि हो या संशोधन की आवश्यकता हो तो कृपया **sykota@gmail.com** या **9413349746** पर सूचित करें।

जय श्री माताजी

आदिगुरू जनक लाओत्से सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई 1

आदि गुरू जनक लाओत्से ...2, सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ...,
नानक मोहम्मद इब्राहीम ...2, नानक मोहम्मद इब्राहीम ...,
मूसा मोहम्मद इब्राहीम ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस, "आदि गुरू जनक लाओत्से ...3,
सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ...,"नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3, मूसा .....,
भवसागर में कुण्डलिनी माँ, आदि गुरू बन गंभीरा/रमरीणा ...3,
हो भव पार करे ... भव पार SS करे, "भव पार करे, दिलाये ...3
गुरू पद दायिनी निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3,
मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस, ओ "आदिगुरू जनक लाओत्से ...3,
सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...2, नानक ...
हो SS धन्य धन्य भाग्य हमारे मिली हमें आत्म ज्ञान से मात कृपा ...3,
हो विश्व निर्मला ... निर्मला SS निर्मला, "विश्व निर्मला धर्म सिखाये ...3
योग दायिनी निर्मला माई ..., "नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3, मूसा ... ...,
हो ब्रह्मा विष्णु महेश की, अबोधिता है आदि गुरू ...3,
दत्तात्रेय है माँ के याहे,दत्तात्रेय है माँ के याहे, त्रिगुणात्मिका निर्मला माई...
नानक मोहम्मद इब्राहीम ...3, मूसा जरथुस्ट्र कन्फ्यूसियस,
ओ "आदिगुरू जनक लाओत्से ...3, सॉक्रेटिस् साँई निर्मला माई ...,
"नानक मोहम्मद इब्राहीम...2,नानक..."नानक मोहम्मद इब्राहीम...2,नानक ...

आज बणौ तम् म्हारा पावणा श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा 1

"आज बणौ तम् म्हारा पावणा, ओ आज बणौ तम् म्हारा पावणा ...,
श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा, श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा" ...2,
प्रेम भगती की गादी बिछाऊँ ...2, ताके ऊपर थाने झूलाऊँ ...2,
प्रेम भगती की गादी बिछाऊँ ..., "ताके ऊपर थाने झूलाऊँ ...2,
बाँध के रेशम डोर पालणा, ओ बाँध के...,"श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा...2,
श्री माँ जी धरती पे पधारे ...2, धरती का सब भार उतारे ...2,
श्री माँ जी धरती पे पधारे ..., "धरती का सब भार उतारे ...2,
हम सब को सहस्त्रार से जणा, ओ हम सब..., "श्री माँ जी पधारो म्हारा ...2,

त्रेता में तमने फल फूल खायो ...2, द्वापर में तमने माखन चुरायो...2,
त्रेता में तमने फल फूल खायो ...,"द्वापर में तमने माखन चुरायो ...2,
कलजुग में भोग लाग्यो चना, ओ कलजुग...,"श्री माँ जी पधारो म्हारा ...2,
निस दिन हम सब ध्यान लगायें...2,ध्यान में माँ जी तुम को ही पायें...2,
निस दिन हम सब ध्यान लगायें... , ध्यान में माँ जी तुम को ही पायें... 2,
नमन करूँ नमन करूँ रे नमन करूँ हम सहजी जणा, ओ नमन करूँ ... जणा... ,
श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा...2, आज बणौ...3, ओ आज बणौ तम्...पावणा ,
श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा... 2, श्री माँ जी पधारो म्हारा आँगणा.....

आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू नाच रहे शिवजी 2

आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू ...2,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,
गणपति जी आये, संग रिद्धि सिद्धि लाये ...2,
ब्रह्मा जी आये, संग सरस्वती को लाये ...2,
विष्णु जी आये, संग लक्ष्मी जी को लाये ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,"पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू ...2,
आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू...2,,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,
शिव जी भी आये, संग पार्वती को लाये ...2,
जगदम्बा भी आई, संग शक्ति को लाई ...2,
राम जी भी आये, संग सीता जी को लाये ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,"पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,
आज भी कैलाश में बाज रहे घुँघरू...2,नाच रहे शिवजी बजाये रहे डमरू...2,
टेड़ी मेड़ी चाल है, मदन गोपाल है ...2,
टेड़ो ये रंगीलो देखो, यशोदा को लाल है ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2, नाच रहे शिवजी...2,
माता मैरी आई, संग ज़ीस़स को लाई ...2,
वीणा बजाते हुये नारद मुनि आये ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2, नाच रहे शिवजी...2,
श्री माता जी आये, संग सहजी भी आये ...2,
भक्तों की देखो सारी टोली भी आई ...2,
पाँव में बाज रहे छननन घुँघरू...2,"आज भी कैलाश...2, नाच रहे शिवजी...2,

आज है आज है पूजन माँ का 3

आज है आज है पूजन माँ का ...2, पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2,
आज है आज है पूजन माँ का ...2,

निर्मल माँ का ध्यान धरे जो ...3, तन मन धन से वो सुख पाता ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,

अपना जीवन कर ले निर्मल ...3, हो जा संत इस तू जन्म का ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,

श्रृद्धा से जो नाम ले माँ का ...3, सच्चा योगी वो बन जाता ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...2,
पाओ सखी री दर्शन माँ का ...2, आज है आज है पूजन माँ का ...4,

आकर्षणों के दर्पण में आकाश सी सीमायें हैं 3

आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,
भटके हैं जो दर बदर ...2, अरमानों में उलझाये हैं ...,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,

आकाश के आगोश में आशायें हैं ..., अभिलाषायें हैं ...,
चेतना बन अर्न्तमुखी ...2, अस्तित्व को जगाये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,

इस नवयुग को आबाद कर ...2, यही सहज दर्शाये हैं ...2,
निर्मल माँ की शक्ति में ...2, आयाम नये जग आये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,

आनन्द दे आल्हाद दे S यही आत्म बोध कहलाये हैं ...2,
कुण्डलिनी के जागरण से ...2, सचित्तानन्द समाये हैं ...2,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,
भटके हैं जो दर बदर ...2, अरमानों में उलझाये हैं ...,
आकर्षणों के दर्पण में S आकाश सी सीमायें हैं ...2,

आना अम्बे माँ 4

आना अम्बे माँ हमारे हृदय में ...2, हमारे हृदय में, हमारे हृदय में ...2

आप भी आना, संग गणपति को लाना ...2,
लड्डुओं का भोग लगाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे ...2

आप भी आना, संग शिव जी को लाना ...2,
डमरू की नाद सुनाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे ...2

आप भी आना, संग ब्रह्मा जी को लाना ...2,
आत्मज्ञान सुनाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे हृदय ...2

आप भी आना, संग विष्णु जी को लाना ...2,
प्रेम की जोत जलाना हृदय में ...2, आना अम्बे माँ हमारे हृदय ...2

आरती कीजे शैल सुता की 4

आरती कीजे शैल सुता की ... 2, जगदम्बा की आरती कीजे ...2
जगदम्बा की आरती कीजे ...2, स्नेह सुधा सुख सुन्दर लीजे ...2
जिनके नाम लेत दुख भीजे ...2, ऐसी वो माता वसुधा की...
जगदम्बा की आरती कीजे, आरती कीजे शैल सुता की...
जगदम्बा की आरती कीजे ...2

पाप विनाशिनी कलिमल हारिणी, पाप विनाशिनी ...ऽऽ
दयामयी भवसागर तारिणी ...2, शस्त्र धारिणी शैल विहारिणी ...2
बुधिराशि गणपति माता की ..., जगदम्बा की आरती कीजे ...2

तुम वाहिनी मात भवानी ...2, गौरव गान करे जग प्राणी ...
गौरव गान ऽऽऽ ....., शिव के हृदयासन की रानी ...,
करें आरती मिल जुल साथी ..., जगदम्बा की आरती कीजे
आरती कीजे शैल सुता की ...2, जगदम्बा की आरती कीजे...2...

आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी 5

आओ जी आओ म्हारे हृदय श्री माता जी ...3
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

हृदय में माँ जी आप पधारें, सब सहजन का मान बढायें ...2
गम की खाई आप मिटायें, आत्म ज्ञान है आप दिलायें ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

नाम तिहारा मंगलकारी, महिमा है तेरी सबसे ही न्यारी ...2
कुण्डलिनी को जागृत करके, सोई शक्ति जगा देती हो ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

आदिशक्ति तुम धरती पे आई माँ, सहज ज्ञान सबको सिखलाये माँ ...2
जग अंधियारा मिटाने आई, मन में ज्योति जला दे माई ...2
तुमको पुकारें आज सारे सहजी ...2

आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार 5

"आया दीपों का त्यौहार, पाया माँ से पावन प्यार, जगमग करता है संसार,
आओ आओ रे सारे हिलमिल के स्वागत गाओ रे" ...2,

आओ माँ का दर्शन पाओ ...2, आ के श्रृद्धा सुमन चढ़ाओ ...2,
सारे श्री चरणों के दास ...2, रखो माता पर विश्वास ...2,
पूरी होगी सबकी आस ...2, आओ आओ ..... गाओ रे,

ओ दिल सहजी का मुस्काया ...2, जागे भाग ये शुभ दिन आया ...2,
धारकर सहजयोगी का वेश ...2, मगन है भक्ति में मेरा देश ...2,
धर्म में लीन है धर्मेश ...2, आओ आओ ..... गाओ रे,

माता आई, जागी आशा ...2, सहजी की ये अभिलाषा ...2,
बने सब भारत वासी नेक ...2, अनेकों होकर भी हो एक ...2,
बदल दे हम किस्मत के लेख ...2, आओ आओ ..... गाओ रे,

आया माता का पूजन आया 6

"श्रृद्धा भक्ति, ज्ञान कर्म सब, माँ चरणों में रख दो ...,
शिवशक्ति रूपी मात भवानी, तव चरणों में शरण दो, माँ तव चरणों में शरण दो...2,
आया माता का पूजन ये आया, शिवरात्री का आनन्द छाया ... " ...2,

"महाराज्ञी भक्तिप्रिया की महिमा, सकल ब्रह्माण्ड गाये ...,
विश्व कुण्डलिनी जागृत कर्ता, माँ निर्मल कहलाये ... " ...2,
निरानन्द दायिनी, मुक्ति दायिनी, माँ निर्मल को संवारो ...
माँ त्रिगुणात्मिका, मात अम्बिका, तेरी जय जयकार हो,"माँ तेरी जय जयकार हो.2
आया माता का पूजन ये आया, शिवरात्री का आनन्द छाया ...2,

"आदि शक्ति माँ कल्की का पावन, अवतार कलियुग संहारे ...,
सहजयोग की माता अकुला, नवयुग सतयुग जगाये ... " ...2
हे ज्ञान दायिनी, भक्ति दायिनी, माँ निर्मल को संवारो ...
हे नित्या मुक्ता क्षमात्मिका, हे महादेवी जय हो,"माँ हे महादेवी जय हो...2,
आया माता का पूजन ये आया, शिवरात्री का आनन्द छाया ...2,

श्रृद्धा भक्ति, ज्ञान कर्म सब, माँ चरणों में रख दो
शिवशक्ति रूपी मात भवानी, तव चरणों में शरण दो, माँ तव चरणों में शरण दो...2,
आया माता का पूजन ये आया, "शिवरात्री का आनन्द छाया ...7,

आया शुभ दिन है आया 6

आया शुभ दिन है आया ...., कैसा मंगल है छाया ...2
जय हो गजानन तेरी.., जय हो चतुरानन तेरी ..., आया शुभ दिन है आया....

आदि शक्ति की आँखों के तारे हो तुम ....
तीनो लोकों के देवों से न्यारे हो तुम 2
हो के मूषक सवार, बैठे गौरी के द्वार ...
तेरी कृपा बिना, कोई होता ना पार ...2
डम डम डम डमरू बाजे, शिवजी के सब गण नाचे ...
जय हो गजानन तेरी..., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

जय हो निर्मल गणेश, देना बुद्धि विवेक ...
कर दो पावन हमें, रिद्धि सिद्धि पति ...2
निर्मल माँ के चरणों में, रहे मेरा मन ...
ऐसा वरदान देना गणाधिपति ...2
सब मिलकर मंगल गाओ, मोदक के थाल सजाओ ...
जय हो गजानन तेरी .., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

मूलाधार पे पावन बनाना हमें ...2,
निर्मल ज्ञान सहज का सिखाना हमें ...2
जीसस बनके क्षमा तू सिखाना हमें ...2
अपने जैसा चतुर ही बनाना हमें ...2
सारे चक्रों पे आओ, कुण्डलिनी पार उठाओ ...
जय हो गजानन तेरी .., जय हो चतुरानन तेरी.., आया शुभ दिन है आया

तेरी ममता मिली, तेरा आँचल मिला ...
ऐसा लागे माँ, सारा जहाँ मिल गया ...2
तेरे उपकार से, साक्षात्कार से ...
मेरे सूने हृदय का, कमल खिल गया ...2
गणपति हैं लाल तुम्हारे, हम सबके भी हैं प्यारे ...2
जय हो गजानन तेरी.., जय हो चतुरानन तेरी .., आया शुभ दिन है आया

आई आई आज दीवाली है ये आई 7

"आई आई आई आज दीवाली है ये आई,
ऐसे शुभ अवसर पर हम, पूजें महालक्ष्मी " ...2,
सब देवी देवता आप ही को पूजें, निर्मल माँ ओ मैया निर्मल माँ ...,
ओ छिन्दवाड़ा वाली माँ लक्ष्मी माताजी ...2,
हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...,

हे माँ काली महा गौरी, तू अपनी आप है जौहरी ...,
तेरी कीमत तू ही जाने, तू बुरा भला पहचाने ...,
ये कहते दिन और रातें, तेरी लिखी न जाये बातें ...,
कोई माने या ना माने, हम भक्त तेरे दीवाने ...2,
तेरे पाँव सारी दुनिया पखारती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ....

हे कृपाशाली महालक्ष्मी, हे जगत आदि भवानी ...,
हे सुनन्दा हे आनन्दी, तेरा चोला रंग बासंती...,
हे सुखपंचा सुखदाती, हमें सुख देना दिन राती ...,
जो तेरी महिमा गाये, मुँह माँगी मुरादें पाये ...2,
हर आँख तेरी ओर निहारती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...

हे महालक्ष्मी महाशक्ति, हम तेरे हैं श्री माँ जी ...,
हे जगजननी महामाया, है तू ही तू भव छाया ...,
तू अमृताजल अविनाशी, तू अनमित पूरनमासी ...,
सब करके दूर अंधेरे, हमें बख्शो नये सवेरे ...2,
तू तो भक्तों की बिगड़ी सवाँरती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई...

"हे धनधान्य धन लक्ष्मी, हे दयावान राज लक्ष्मी
हे विश्व प्रिय रचनामयी, हे सहजयोग दायिनी" ...,
ये सूरज चाँद सितारे, सब तेरे ही गुण गाते ...2,
तू ही शान्तिरूप शांतिनी, हमें देना विश्व शान्ति ...2,
तू तो चैतन्य की गंगा बहाती, हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...
हाँ आई आई आज दीवाली है ये आई ...2, ...

अम्बे के भवन में आओ रे मेरी मैया की जोत जलाओ रे 8

अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे,
ऐ अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे ...4,

अष्ट सिद्धी नव निधी की दात्री ...2, दीनों के बिगड़े काज बनाती ...2,
अष्ट सिद्धी नव निधी की दात्री, दीनों के बिगड़े काम बनाती,
सब आ के, जय हो ...2, सब आ के शीश झुकाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

सच्चे मन से जो भी ध्याये ...2, मन वांछित फल वो ही पाये ...2,
सच्चे मन से जो भी ध्याये, मन वांछित फल वो ही पाये,
सोने का, जय हो ...2, सोने का छतर चढ़ाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

सब देवों की माँ है शक्ति ...2, दर्शन कर लो करके भक्ति ...2,
सब देवों की माँ है शक्ति, दर्शन कर लो करके भक्ति,
हृदय में, जय हो ...2, हृदय में ज्ञान जगाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

घर घर में अब करो मनादी ...2, बोलो भक्तों जय माता जी ...2,
घर घर में अब करो मनादी, बोलो भक्तों जय माता जी,
सभी मिल के, जय हो ...2, सभी मिल के भजन सुनाओ रे,
मेरी मैया की जोत जलाओ रे, "हे अम्बे के भवन में ..., मेरी मैया की ...2,

ऐ अम्बे के भवन में आओ रे, मेरी मैया की जोत जलाओ रे ...4,

अपने हृदय के सारे द्वार खोल 9

अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...2
प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल...2, अपने हृदय के सारे द्वार खोल...,

निर्मल माँ को जिसने जाना, उसका ही हित होने वाला ...2,
जीवन में अमृत रस घोल ...2, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल,
अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...

जाग बावरे, खुद को जान...2, अपनी ही शक्ति पहचान
जागृत करके वो पथ खोल ...2, निरानंद निरानंद झरे अनमोल ...2
अपने हृदय के सारे द्वार खोल, प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल ...

सोई आत्मा में स्वानन्द जागा, ब्रह्मानन्द का राग समाया ...2
लीलानंद में जीवन तोल...2, निरानंद निरानंद झरे अनमोल...2,
अपने हृदय के सारे द्वार खोल,"प्रेमदायिनी माँ की हो कृपा अनमोल...3, निरानंद

अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन 9

"अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,
जन्म दिन ये तेरा, करें तेरा अर्चन" ...2,
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,

अहो भाग्य सबके, पधारी स्वयं माँ...3,
त्रिलोक की स्वामिनी, ममता की प्रतिमा..2,
आँखों में करूणा, क्षमा दिल में भरकर...2,
प्रगटा है निर्गुण, सगुण रूप लेकर...2,
अर्पण ये तन मन तेरे चरणन...2,

हे आदि शक्ति करें तेरी भक्ति...3,
जाने स्वयं को, तो मिल जाये मुक्ति...2,
कृपा तेरी ही से, सहज ज्ञान पाया...2,
अंधेरा ये मन का, तुम्हीं ने मिटाया...2,
अर्पण ये तन मन तेरे चरणन...2,

बना दो जगत को, निर्मल रूप अपना...3,
हो पूरा हे माँ तेरे,नयनों का सपना..2,
सहज विश्व हो जाये, सहजी हर इक जन...2,
खिलें फूल निर्मल, महक जाये गुलशन...2,
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,
जन्म दिन ये तेरा, करें तेरा अर्चन ...
अर्पण ये तन मन श्री माँ तेरे चरणन...2,

बाजे रे मुरलिया बाजे 10

बाजे रे मुरलिया बाजे अधर धरे मोहन मुरली पर ...3
होंठ पर माया विराजे ...

हरी हरी बाँस की बनी मुरलिया, मरम मरम को छुये अंगुरिया ...
चंचल चतुर अंगुरिया, जिस पर तन कंमुडलिया साजे, बाजे रे मुरलिया ...

पीली मुंदरी अंगुरी शाम, मुंदरी पर राधा का नाम ...
आँखन देखें सुने मधुर स्वर, राधा गौरी नाचे, बाजे रे मुरलिया ...

भूल गयी राधा भरी गगरिया, भूल गये गोवर्धन को साँवरिया
जाने न जाने ये वो जाने, जाने अब आगे जाने, बाजे रे मुरलिया ...

बादशाह हो गये देखते देखते 10

रंगत ऐसी चढ़ी, रंग तुम्हारा लेकर,
क्या से क्या हो गये, नाम तुम्हारा लेकर
रोतों को हँसा देती हैं माँ, सहजी बना देती हैं माँ
ऐसी लीला है आदिशक्ति की, क्या से क्या बना देती हैं
निर्मल माँ क्या से क्या बना देती हैं मेरी निर्मला माँ

तेरी रहमत के सदके ये सहजी तेरे ...2,
क्या से क्या हो गये देखते देखते ...2
कल जिनके मुकद्दर में कुछ भी ना था ...2
बादशाह हो गये देखते देखते ...2, तेरी रहमत के सदके ये सहजी तेरे

तेरी नजरे करम जिस सर पर पड़ी ...2,
वो सर ना झुके फिर कहीं भी कभी ...2
तेरी शक्ति की जिसने भी तौहीन की SS ...3
वो फना हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

तेरे कदमों पे रखके जो, सर रो दिया...2,
अपनी ममता से उसकी खता बक्श दी ...2
जिसके अन्दर से मैं मैं की बू ना गई ...3
वो तबाह हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

ऋषि मुनियों ने, देवी देवताओं ने भी ...2,
माँ को ढूंढा, मगर माँ भरम ही रहीं ...2
माँ के घर का पता खोजने वाले खुद SS ...3
लापता हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

सहजी बच्चों पे जब कभी मुश्किल पड़ी...2,
माँ ही दुर्गा महाकाली चण्डी बनी...2
तेरे खण्डे की धारा से दुश्मन सभी ...3
सब सफ़ा हो गये देखते देखते ...2, कल जिनके मुकद्दर में ...

कल जिनके मुकद्दर में कुछ भी ना था...2. बादशाह हो गये देखते देखते ...2,

बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली 11

बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली ...2, मुरली को धुन में नाचत सहजी ...2,
देवकी को नन्दन, यशोदा को लाल ...2,
रास रचई भूमि, इनि बदलो चाल ...2, बजौ मुरली ...2, मुरली की धुन...2,
पहले राधा पहले मीरा, पहले गोपी नी ...2,
पहले हमरो यो चो हमरो बालो भाली तिन छोनी ...2, बजौ मुरली ...2,
गीत गौनी मोक्ष पौनी मार्ग बतायो ...2,
निर्मल माँ को रूप लेई दर्शन दिखायो ...2, बजौ मुरली...2, मुरली को ...2,
कोई भजत कृष्णा कृष्णा, कोई राधेश्याम ...2,
हमीं भजो निर्मल कृष्णा, जग माँ एको ही नाम ...2, बजौ मुरली ...2,
पूजा घर में बेला भायो अमीं सहजी ...2,
स्वीकार करो पूजा हमरो निर्मल माता जी ...2, बजौ मुरली ...2,
दर्शन कोई मथुरा चा कोई चार धाम ...2,
हमीं गायो छौ निर्मल नगरी, ये हो हमरो धाम ...2,
बजौ मुरली कृष्णा बजौ मुरली ...2,मुरली को धुन में नाचत सहजी ...2,

बजता है गीत प्रकृति का 12

हो हो ओSSS..2, ओ बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ...2
बजता है हो ओ बजता है गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ ...

झुकती है कली जैसे, सुबह की ओस में भीगकर S ओ माँ ...2
झुकते हैं दिल ऐसे, तेरे प्यार में भीगकर S ...2
बजता है गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ बजता है ...

बदले है नदी जैसे, हर पत्थर को अपनी धार से S... ओ माँझी रे SS ओ माँझी रे माँझी
रे ओ बदले है नदी जैसे, हर पत्थर को अपनी धार से S ओ माँ
बदला है हमको भी कुण्डलिनी माँ ने प्यार से S ...2
बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है ...

गाते है भंवरे जैसे, आकर फूल उपवन में S ओ माँ ...2
गाते है सहजी ऐसे अनुपम अर्न्तमन में S ...2
बजता है हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है ...
हो ओ गीत प्रकृति का, तेरे ही संगीत पर माँ, बजता है, "हो ओ बजता है ...4

बस नाम श्री माँ का तू जपना 1 3

बस नाम श्री माँ का तू जपना–दिन और रात मनवा ...2
नित ध्यान सुबह उठ करना ...2, माँ की अरदास मनवा ...2
हो SS दिन और रात मनवा – दिन और रात मनवा।

ये अवसर बार–बार नहीं मिलना, "माँ से लगन लगाले बन्दे ...2
कुण्डिलिनी में चित्त रमाले, छोड के जग के गोरख धन्धे ...2
हर साँस में तू माँ को सुमरना ...2, दिन और रात मनवा ...2
हो SS दिन और रात मनवा – दिन और रात मनवा।

धन माया और नाते रिश्ते, जग ये सारा खेल तमाशा ...2
वाहे गुरू है निर्मल माता, जगदम्बा वो मोक्ष की दाता
आदिशक्ति है निर्मल माता, जगदम्बा वो मोक्ष की दाता
इन चरणो की कर ले तू वंदना ...2 दिन और रात मनवा ...2
हो SS दिन और रात मनवा – दिन और रात मनवा।

जब भी भटके चित्त तेरा तो, खींच के उसको मध्य में लाना ...2
चैतन्य में लीन रहे चित्त, गूंजे मन में सहज तराना ...2
माँ के सपने को सच तू करना ...2 दिन और रात मनवा ...2

भज मन माँ का नाम सुखदाई 1 3

भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ... 7,

माँ के नाम, प्रभाव की महिमा, सब सद् ग्रन्थन् गाई ...2,
ऋषि मुनि हारे, संत थके सब ...2, कर कर नाम बढ़ाई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ... 7,

जिन मुँह नाम बसो माँ पावन, ते भव उतरे भाई ... 2,
जन्म जन्म व्याधि छूटी ... 2, अभय मोक्ष पद पाई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

दुविधा मिटे होवे सब सुविधा, चिन्ता रहे ना राई ...2,
क्लेश ना शेष रहे कृपा हो ...2, विचरे राम रजाई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

देश काल कोई हो प्यारे, पल भर ना विसराई ...2,
दोषी या निर्दोष हो कोई ...2, सबकी सम बन आई,
भज मन माँ का नाम सुखदाई, भज मन माँ का नाम सुखदाई ...4,

भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ 14

भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ ...3,
मेरी निर्मल माँ ...2, "भर दे ज्ञान से गगरिया, मेरी निर्मल माँ ...2,

मैं बालक नादान, ज्ञान का पान, प्रेम से पीलूँ ...2, + 2,
लेकर तेरा नाम जगत में, हर्षित मन से जी लूँ ..., तेरी प्यारी है,
तेरी प्यारी है नगरिया, मेरी निर्मल माँ ...2, मेरी निर्मल माँ ...2,"भर दे...

मान की मूरत, ज्ञान की सूरत, अज़ब़ नेह दर्शाती ...2, + 2,
सोम तीर्थ सा जल आँखों में, अमृत सा बरसाती ..., इसमें बीते,
इसमें बीते मेरी उमरिया, मेरी निर्मल माँ ...2, मेरी निर्मल माँ...2,भर दे...

अगन गगन जल पृथ्वी ऊपर, माँ की महिमा न्यारी ...2 + 2,
जीव लोक आनन्द दायिनी, सकल लोक हितकारी ..., न्यारी जग में,
न्यारी जग में तेरी डगरिया,मेरी निर्मल माँ ...2, मेरी निर्मल माँ...2,"भर...

भ्रमित मन से मूरखता में, कितना समय बिताया ...2 + 2,
भटका राही, सतपथ ग्राही, तेरी शरण में आया ..., रंग ली भक्ति में,
रंग ली भक्ति में चुनरिया, मेरी निर्मल माँ...2, मेरी निर्मल माँ...2,"भर दे...

बोलो रे सहजी जयकारा निर्मल मैया का द्वारा आ गया 14

"बोलो रे सहजी जयकारा, जयकारा,

निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी ...,निर्मल मैया का द्वारा आ गया"...2,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया ...2, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया...,

मैया का आसन सजा SSS,"प्यारे फूलों से मन्दिर सजाया हुआ ...2,
ज्योति नूरानी जले, "सबने मैया को दिल में बसाया हुआ ...2,

देखा धरती पे प्यारा नजारा है ...2, माँ ने मन्दिर में स्वर्ग उतारा है ...2,
माँ के कदमों में, जय हो ...2, माँ के कदमों में झुकता जग सारा, जग सारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

मेरी मैया है पूनम का चाँद, "प्यारे सहजी गगन में हैं तारे जड़े ...2,
गण फूलों की बरसा करें, "देव गन्धर्व सभी हाथ जोड़े खड़े ...2,
आदि शक्ति भवानी की पूजा करें...2, भवसागर से मैया जी पार करें...2,
बहे चरणों में, जय हो ...2, बहे चरणों में अमृत की धारा, की धारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा ...

ममता की मूरत हैं माँ, "अपने आँचल में सबको समाये हुये ...2,
सारे जग की हैं जननी माँ, "खेल सृष्टि के अनुपम रचाये हुये ...2,
भोली भाली है माँ प्यारी प्यारी है ...2, माँ करती सिंह सवारी है ...2,
माँ की सेवा में, जय हो ...2, माँ की सेवा में गणपत सुत प्यारा, सुत प्यारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,

भक्ति में शक्ति बही, "माँ की सेवा में सहजी दीवाने हैं ...2,
झूम झूम गायें सभी, "बहे हाथों में चैतन्य सुहाने हैं ...2,
बजे चिमटा ताल मृदंगा है ...2, बहे भजनों में भक्ति की गंगा है ...2,
जगे कुण्डलिनी, जय हो ...2, जगे कुण्डलिनी हो जाये निस्तारा, निस्तारा
निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा आ गया,
मैया के मन्दिर में चैतन्य सुहाना छा गया, ओ बोलो रे सहजी जयकारा,
जयकारा, निर्मल मैया का द्वारा आ गया जी, निर्मल मैया का द्वारा ... ...,

बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम 15

बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम ...4,
अरे गाओ रे, ये नाम हरदम ...2, जब तक है भाई दम में दम ...2,
बोलो शिव शिव शम्भू, बम बम बम ...2

हे प्रलयंकर, भीमयंकर, "हे प्रभूशंकर स्वामी ...2,
हे विश्वेश्वर, हे परमेश्वर "ईश्वर अन्तरयामी ...2,
ये गुण है "उत्तम अनुपम ...2, सारे जग के "यही पिता परम ...2

शिव काम है, दया धाम है, "शिव का नाम है संयम ...2,
शिवजी है मुक्ति, शिवजी है शक्ति, "शिवजी हैं भक्ति का संगम ...2,
शिव महिमा, "मत समझो कम ...2, मिट जायेगें, "दुनिया के गम ...2,
बोलो शिव शिव शम्भू बम बम बम ...2

बरतिया ले के आय गयो रे बम बम भोला 16

अद्भुत रूप बनाईके S S S, शिव शंकर S S त्रिपुरारी ...
गौरा को ब्याहने चले, चले हिमाचल द्वार, बम बम भोले ...4,
बरतिया ले के आय गयो रे बम बम भोला ...4,
अरे डम डम डमरू बाजे ...2, पिये भंग का गोला रे ...,
बरतिया ले के, आय बरतिया ले के, आय गयो रे बम बम भोला ...

"दुखी हुई मन रानी मैना ...2, नृप से बोली भरकर नैना" ...2,
जोगी को बेटी ना दूंगी ...3, दूंगी फूंक मैं चोला रे ...,
बरतिया ले के, आय बरतिया ले के, आय गयो रे बम बम भोला ...

"नृप ने मैना को समझाया ...2, मन का भ्रम सब दूर कराया" ...2,
जग के पालन हार हैं आये ...3, हर हर महादेव SSS, जग के पालन हार हैं आये
रूप धरे अनमोला रे, "बरतिया ले के ...2, आय गयो रे बम बम भोला ...

"शिव दुल्हा गौरा दुल्हन है ...2, बंधा प्रीत का ये बंधन है" ...2,
जय जयकार करे नर नारी ...3, जय भोले ... , बोले बम बम भोला...
बरतिया ले के आय, बरतिया ले के आय गयो रे बम बम भोला ...

बृज से आई मस्ती में सहजी की यह टोली 16

बृज से आई मस्ती में...2, सहजी की यह टोली...2,
कृष्ण/कन्हैया के रूप में मैया से...2,खेलने रंगीन होली...2,बृज से आई...
अबीर गुलाल क्या लाल नीला...2, रंगों से भरी है झोली...2,
ढ़ोल मंजीरे पे झूमकर...2, गोपियाँ बजायें ताली...2, बृज से आई मस्ती में ...
प्यार दुलारा है रंग माँ का...2, है प्यारी प्यारी बोली...2,
धानी रंग का घाघरा है...2,हरे रंग की चोली...2, बृज से आई मस्ती में, सहजी...

चदरिया झीनी रे झीनी 17

चदरिया झीनी रे झीनी, राम नाम रस बीनी चदरिया ....

काहे का ताना, काहे की भरनी, कौन तार से बीनी चदरिया ...
इंगला पिंगला ताना भरनी, सुखमन तार से बीनी चदरिया ...

जब मोरी चादर घर बुनी आई, रंग रेज़ को दीनी चदरिया ...
ऐसा रंग रंगा रंग रेज ने, लाल लाल कर दीनी चदरिया ..., झीनी रे झीनी ...

चादर ओढ़ शंका मत करियो, ये दो दिन तुमको दीनी चदरिया ...
मूरख लोग भेद नहीं जाने, दिन दिन मैली कीनी चदरिया ...

ध्रुव, प्रहलाद, सुदामा ने ओढ़ी, सुख देव ने निर्मल कीनी चदरिया ...
दास कबीर ने ऐसी ओढ़ी, ज्यूँ की त्यूँ धर दीनी चदरिया ...
झीनी रे झीनी चदरिया ...

चली सहज की नैया ओ मैया पार करा दो 17

ओ ऽ ऽ ..., ओ ऽ ऽ ..., ओ ऽ ऽ ..., ओ ऽ ऽ ...,
"ओ चली सहज की नैया ...2, ओ मैया पार करा दो, पार करा दो,
चले सहजी दर तेरे मैया, ओ चले ..., ओ मैया पार करा दो, पार करा दो,

"तुम बिन मेरा कोई ना दूजा, ऐ श्री निर्मल माँ,
देख लिया ये सब जग झूठा, ऐ श्री निर्मल माँ " ...2,
ज्ञान ध्यान की पूँजी दिया अब ...2, जीवन सफल करा दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,

"कण कण में माँ तू है समाई, तू है आदि शक्ति,
तेरा दिया है, सब कुछ हमको, तू है महा शक्ति " ...2,
अपनी निर्मल वाणी से माँ ...2, प्रेम का दीप जला दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,

"दीन दुखियों को, गम के भँवर से, तूने पार उतारा,
भटक रहे थे, झूठे जग में, तूने दिया सहारा " ...2,
सहजी आये दर पर तेरे ...2, अब तो दरस दिखा दो ...2,
चली सहज की नैया, ओ चली सहज की नैया, ओ मैया "पार करा दो...2,
ओ "चले सहजी दर तेरे मैया ...2, ओ मैया "पार करा दो ...5,

चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है 18

चलो सहज के मार्ग, नया युग आने वाला है ...2,
हुआ है नवप्रभात, अन्धेरा जाने वाला है ...2, चलो सहज के मार्ग ...

जिसने किया प्रेम श्री माँ से, उसने ही ये जाना ...2,
वो ही चले हैं सहज मार्ग पर, लाने नया जमाना ...2,
बदलो अपनी चाल, कि सतयुग आने वाला है ...2,"हुआ है नवप्रभात ...

जागो खुद और सबको जगाओ, सोना है नादानी ...2,
आओ करें हम सहजयोग और सतयुग की अगवानी ...2,
जो समझे माँ की बात, वो सब कुछ पाने वाला है ...2,"हुआ है नवप्रभात...

चारों ओर घनघोर अन्धेरा, छाया इस धरती पर ...2,
झूठ फरेब और बेईमानी, भरी है इस धरती पर ...2,
अब मिटेगा भ्रटाचार, उजाला छाने वाला है ...2,"हुआ है नवप्रभात...,
अन्धेरा जाने वाला है ...2,"चलो सहज के मार्ग, नया युग आने ...2,

चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम 18

चलो रे चलो रे चलो निर्मल धाम ...4,
सहजियों ने पुण्य किया है, माँ का कहना है ...2,
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

युगों युगों से दर दर भटके, "पल पल ठोकर खाई ...2,
अब आये हम माँ की शरण में, "नयी रोशनी पाई ...2,
हमने तन मन को सहज में कर दिया है दान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

माँ का ये दरबार देखो, "सात रंग का दरिया ...2,
इस रंगों में मन को धो लें, "और ना कोई जरिया ...2,
आओ सब हम मिलके गायें, माँ का ये गुण गान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

अब ना कोई दुखी रहेगा, "तेरे ये संसार में ...2,
खुल गयी हैं मन की आँखें, "तेरे ही आसार में ...2,
सोच समझ ले, पार उतर ले, माँ का है सब काम ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

सहजियों ने पुण्य किया है, माँ का कहना है, निर्मल माँ का कहना है
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2, "ये है पावन धाम ...2

चन्द्रमा ललाट सोहे 19

चन्द्रमा ललाट सोहे ...4, जटा जूट गंगा सोहे ...2,
गले सोहे मुंड माल ...2, सोहे अंग बाघम्बर ...,, चन्द्रमा ललाट सोहे ...

भाल लोचन अति उज्जवल ...4, गौर वर्ण बदन सोहे ...2,
अंग भभूत सोहे ...2, अति सोहे त्रिशूल कर ...,, चन्द्रमा ललाट सोहे ...

ब्रह्मा गणेश शेष ...4, नारायण नारद मुनि ...2,
जपत नाम स्तुति गाये .2, जय हर हर हर शिव शंकर .., चन्द्रमा ललाट सोहे ..

निरतत ताँडव शिव ...4, कैलाश पति महेश ...2,
डमरू नाद अति गंभीर ...2, शब्द बजत हर हर ... , , चन्द्रमा ललाट सोहे ..

चरणों में माँ चरणों में 20

चरणों में माँ चरणों में, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
हमने रख दिया मन को हमारे निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
आनन्द स्वर्ग का पा लिया हमने ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

छोड़ के हम जग सारा आये ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
थोड़ी सी जगह हमें भी मिल जाये ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

देखा हमने ब्रह्माण्ड सारा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
सूरज का तेज चन्दा प्यारा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

पूजा करेगें फूल सजा कर ...2, बेला ऽऽ गुलाबी ऽऽ चम्पा ऽऽ चमेली ...2
बेला ऽ गुलाबी ऽ चम्पा ऽ चमेली ...2, बेला गुलाबी चम्पा चमेली ...2,
चमेली ऽ चमेली ऽ चमेली पूजा करेगें फूल सजा कर,
निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2,
ध्यान करेगें मन को लगाकर ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

ऋषि मुनि सारे गुण गाते हैं ...2, सा ऽऽ निनिसा ध ध नि प प ध
ममप ग म ग म प नि सा ... ऋषि मुनि सारे गुण गाते हैं ...
निर्मल माँ तेरे चरणों ...2
सहज योगी सब फलते फूलते ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

मिलता है सच्चा सुख केवल ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...2
विनती यही रहे ध्यान हमेशा ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
हमने रख दिया मन को हमारे निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
आनन्द स्वर्ग का पा लिया हमने ...2, निर्मल माँ तेरे चरणों में ...
चरणों में माँ चरणों में ..., निर्मल माँ तेरे चरणों में ...

छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल 21

छुप छुप आये श्याम ले के ग्वाल बाल है,
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाल है,

"ग्वालों को संग ले के घर में जो आ गये,
माखन को खाये मेरी मटकी गिरा गये ...2" ...2
अँगूठा दिखाये चले टेड़ी मेड़ी चाल रे ...2,
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाल है ...

"देखरी यशोदा श्याम तेरो बड़ो रारी रे,
डगर चलत मोरी गगरी उतारी रे ...2" ...2
और दिखाये मोहे आँखें लाल लाल रे ...2,
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाल है ...

"मौसे कहे आज तू तो घूँघट उतार दे,
बार बार दौड़ के तू श्याम की बलाई ले ...2" ...2
मारीयो ना श्याम को, गरीबनी को लाल है ...2
ऐसो री यशोदा मैया तेरो नन्दलाल है ...

छिन्दवाड़ा में जन्म हुआ हमारी निर्मल माँ का 21

छिन्दवाड़ा में S जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
इस घोर कलयुग में जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
हम सबकी रक्षा करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

निर्मल नाम से हम भक्तन के, सब दुख दूर होते हैं हाँ सब दुख दूर होते हैं
निर्मल ध्यान करने से हमको, "निर्मल ज्ञान मिलता है ...2,
सत्य युग को प्रारम्भ करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में.....

जन्म दिवस के इस अवसर में, मंगल गीत गाओ बजाओ ...2,
दीप जलाओ, फूल सजाओ, सब मिलकर खुशियाँ मनाओ ...2,
भवसागर को पार कराने ...2,जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

लक्ष्मी कहो या सरस्वती माता, या उनको कहो दुर्गा माता ...2,
ध्यान में बैठ के उनको देखें, रूप कई दिखते जाते ...2,
हम सबको मोक्ष दिलाने ...2,जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

हम तो बड़े किस्मत वाले हैं, हमको को माँ ने चुन ही लिया है ...2,
सेवा में माँ के रहेगें हरदम, यही हमारा वादा है ...2,
कई जन्मों के फल देने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

नाम है निर्मल, काम है निर्मल, सोच है निर्मल, ध्यान है निर्मल ...2,
विद्या निर्मल, ज्ञान है निर्मल, मन निर्मल और तन निर्मल ...2,
निर्मल जग निर्मल युग बनाने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा ....

छिन्दवाड़ा में S जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
इस घोर कलयुग में जन्म हुआ, हमारी निर्मल माँ का ...2,
हम सबकी रक्षा करने ...2, जन्म हुआ श्री माँ का ...2, छिन्दवाड़ा में .....

चित्त को चैतन्या में लीन करना है 22

चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...3,
श्री माँ जैसा चाहे, वैसा बनना है ...2,
चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...2,

आनन्द चित्त में धरना है ...2, बहे चैतन्य जैसे झरना है ...2,
नकली जग को त्यागना है ...,
चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...2,

बागों की हैं कलियाँ हम, हमें फूल बनना है ...2,
और भी हृदय खोलना है ...2,
माँ का प्यार हमें, पाना है ...2, सहज में हमको रमना है ...2,
इस पे रहना और चलना है, "चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...,

श्री माँ जैसा चाहे, वैसा बनना है ...2,
चित्त को चैतन्या में लीन करना है ...3,

डम डम डम डम डमरू बाजे 23

"डम डम डम डम डमरू बाजे ...2, अरे भोले नाथ शिव शम्भू नाचे
अरे गौरीनाथ शिव शम्भौ नाचे" ...2, घन घन घन घन घण्टा बाजे ...2
आदि माँ को देख कुण्डलिनी जागे, जग माँ को देख सहस्त्रार खुले
डम डम डम डम डमरू बाजे..., अरे गौरीनाथ..... नाचे

श्री शिव रूपी माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री शंकर रूपी माँ बोलो ..., श्री स्वयंभू माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री पशुपति रूपी माँ बोलो ..., श्री क्षमाक्षेत्र माँ बोलो ...,
श्री प्रिय भक्त माँ बोलो ..., श्री कामदेव माँ बोलो ...,
श्री साधुसाध्य माँ बोलो ..., श्री हृत्पुण्डरीकासीन माँ बोलो ...,
श्री जगद् हितैषिन रूपी माँ बोलो ..., श्री व्याघ्रकोमल माँ बोलो ...,
श्री वत्सल रूपी माँ बोलो ..., श्री देवासुर गुरु बोलो जय श्री माता जी,
श्री शम्भू रूपी माँ बोलो ..., श्री लोकोत्तर सुखालय जय श्री माता जी,
श्री सर्वसह माँ बोलो ..., श्री स्वधृत माँ बोलो ...,
श्री एक नायक माँ बोलो ..., श्री वत्सला माँ बोलो ...,
श्री शुभद्रा रूपी माँ बोलो ..., श्री सर्वसत्वावलम्बन जय श्री माता जी,
श्री शर्वरीपति माँ बोलो जय श्री माता जी,
डम डम डम डम डमरू बाजे, अरे भोले ..... नाचे, घन ..... घण्टा बाजे

श्री वरद रूपी माँ बोलो ..., श्री वायुवाहन माँ बोलो ...,
श्री कमण्डलुधर बोलो ..., श्री नंदीश्वर माँ बोलो ...,
श्री प्रसदस्व माँ बोलो ..., श्री सुखानिल माँ बोलो ...,
श्री नागभूषण माँ बोलो ..., श्री कैलाश शिखर वासिन् बोलो ...
श्री त्रिलोचन माँ बोलो ..., श्री पिनाक पानी माँ बोलो ...,
श्री श्रमण रूपी माँ बोलो ..., श्री अचलेश्वर माँ बोलो ...,
श्री व्याघ्र चर्माम्बर जय श्री माता जी, श्री उन्मत्तवेष माँ बोलो ...,
श्री प्रेतचारिन् माँ बोलो ..., श्री हर रूपी माँ बोलो जय श्री माता जी,

श्री रुद्र रूपी माँ बोलो ..., श्री भीम पराक्रम बोलो ...,
श्री नटेश्वर माँ बोलो ..., श्री नटराज रूपी माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बाजे, अरे भोले ..... नाचे, घन ..... घण्टा बाजे

श्री ईश्वर रूपी माँ बोलो ..., श्री परमशिव माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री परमात्मा माँ बोलो ..., श्री परमेश्वर माँ बोलो ...,
श्री वीरेश्वर माँ बोलो ..., श्री सर्वेश्वर माँ बोलो ...,
श्री कामेश्वर माँ बोलो ..., श्री विश्वसाक्षिणे माँ बोलो ...,
श्री नित्यनृत्याय माँ बोलो ..., श्री सर्ववास माँ बोलो ...,
श्री महायोगी माँ बोलो ..., श्री सद्योगी माँ बोलो ...,
श्री सदाशिव माँ बोलो ..., श्री आत्मा रूपी माँ बोलो ...,
श्री आनन्द रूपी माँ बोलो ..., श्री चन्द्रमौलि माँ बोलो ...,
श्री महेश्वर माँ बोलो ..., श्री सुधापति माँ बोलो ...,
श्री अमृतपा माँ बोलो ..., श्री अमृतमय माँ बोलो ...,
श्री प्रणतात्मक माँ बोलो ..., श्री पुरुष रूपी माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बाजे, अरे भोले ..... नाचे, घन ..... घण्टा बाजे

श्री प्रच्छन रूपी माँ बोलो ..., श्री सूक्ष्म रूपी माँ बोलो ...,
श्री कर्णिकाप्रिय बोलो ..., श्री कवि रूपी माँ बोलो ...,
श्री अमोघदण्ड माँ बोलो ..., श्री नीलकण्ठ माँ बोलो ...,
श्री जटिन् रूपी माँ बोलो ..., श्री पुष्प लोचन माँ बोलो ...,
श्री ध्यानाधार माँ बोलो ..., श्री ब्रह्माण्डहृत माँ बोलो ...,
श्री कामशासन माँ बोलो ..., श्री जितकाम माँ बोलो ...,
श्री जितेन्द्रिय माँ बोलो ..., श्री अतीन्द्रिय माँ बोलो ...,
श्री नक्षत्रमालिन माँ बोलो ..., श्री अनाद्यन्त माँ बोलो ...,
श्री आत्मयोनि माँ बोलो ..., श्री नभयोनि माँ बोलो ...,
श्री करूणासागर बोलो ..., श्री शूलिन् रूपी माँ बोलो ...,
श्री महेष्वासः माँ बोलो ..., श्री निष्कलंक माँ बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बाजे, अरे भोले ..... नाचे, घन ..... घण्टा बाजे

श्री नित्यसुन्दर माँ बोलो ..., श्री अर्धनारीश्वर जय श्री माता जी,
श्री उमापति माँ बोलो ..., श्री रसदा माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री उग्र रूपी माँ बोलो ..., श्री महाकाल माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री कालकाल माँ बोलो ..., श्री वैयाघ्रघुर्य माँ बोलो ...,
श्री शत्रुप्रमथिन् बोलो ..., श्री सर्वाचार्य माँ बोलो ...,
श्री सम रूपी माँ बोलो ..., श्री आत्मप्रसन्ना माँ बोलो जय श्री माता जी,
श्री नरनारायणप्रिय जय श्री माता जी ..., श्री रसज्ञ रूपी माँ बोलो ...,
श्री भक्तिकाय माँ बोलो ..., श्री लोक विराग्रणी बोलो ...,
श्री चिरन्तन माँ बोलो ..., श्री विश्वम्भरेश्वर बोलो ...,
श्री नवात्मन् माँ बोलो ..., श्री नवयेरूसलमेश्वर जय श्री माता जी ...,
श्री आदिनिर्मलात्मा बोलो ..., श्री सहजयोगीप्रियः बोलो ...,
डम डम डम डम डमरू बाजे, अरे भोले ..... नाचे, घन ..... घण्टा बाजे

डम डम डम डमरू बजाये शिवशंकर कैलाशपति 25

डम डम डम डमरू बजाये, शिवशंकर कैलाशपति
युग युग सोया जीव जगाये, शिवशंकर कैलाशपति
ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय, डम डम डमरू ..

माथे ऊपर तिलक चन्द्रमा, पहने नाग की माला ...2,
डमरू की घड़कन पे नाचे, सृष्टि का रखवाला ...2,
नित भक्तन के कष्ट मिटाये, शिवशंकर कैलाशपति, "युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू ...

जटा जूट से बहती गंगा, सबके पाप मिटाती ...2
धरती और प्यासे जीवों की, मैया प्यास बुझाती ...2,
नित कृपा जग पे बरसाये, शिवशंकर कैलाशपति, "युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...2, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू ...

मंगल कारी नाम है उनका, वो हैं शक्ति दाता ...2
भव सागर से तर जाये वो, जो शिव नाम है ध्याता ...2,
मोह माया से मन को छुड़ाये, शिवशंकर कैलाशपति, "युग युग सोया ...2,
"ॐ नमः शिवाय ...3, बोलो ॐ नमः शिवाय" ...2, डम डम डमरू

दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त 26

आ S S S S S

दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...2, मेरा विरद है दम दम अली अली ...2,
सखि लाल कलन्दर, मस्त मस्त ...2, झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ...2
दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...3,

एक विरद है दम दम अली अली ...2, सखि लाल कलन्दर, मस्त मस्त
झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

अखि जा मलिंगा सांची, आपि मन लेणगें ...2
आज नीं ते कल सारे अली अली केणगें ...
मस्त मस्त ...4, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
नि सा ग म प नि सा – S, सा S, नि ध प सा नि सा नि
सा नि ध प़ नि S ध पम नि ध् निध् निध् प म, ध S प म ग प S म
ग रे म S ग रे सा, म ग रे सा ...3, नि नि सा

मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
माँ ने किन्ने श्यान बनाये ...2, बेकरमा ते करम कमाये ...2,
जेड़ा वी निर्मल दर पे आवे, वो न कदीं बी खाली जाए ...
मेरा विरद है दम दम अली अली...2,सखि लाल कलन्दर,मस्त मस्त ...2,
झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

"प म, ग म प, प म प ग म ग रे सा" ...2, प म, ग म प नि,
ध प, म प, ग म, ग रे सा–S नि रे सा सा पनि धप मप गम गरे
सा–S, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...2

शानाँ ऊँचियाँ तेरीयाँ पीराँ ...2, होवण दूर हनेरिया पीराँ ...2,
आंसाँ है बथेरियाँ पीराँ, सुन अरजाँ अजतेरीयाँ पीराँ
मेरा विरद है दम दम अली अली...2,सखि लाल कलन्दर, मस्त मस्त...2,
झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,
अखि जाओ सहजीयों, निर्मल निर्मल अखि जाओ सहजीयों,

अखि जाओ सारे सच, आपि मण लेणगें ...2,
आज नीं ते कल सारे निर्मल कहणगें ...
मस्त मस्त ...4, दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

अली मोहम्मद माँ तेणू ध्यावण ...2, चरणां दे विच शीश झुकावण ...
हिन्दु मुस्लिम तेरे दर ते आवण, सिख ईसाई गुण तेरे गावण
मेरा विरदे है दम दम अली अली...2, सखि लाल कलन्दर,मस्त मस्त...2,
झूले लाल कलन्दर, मस्त मस्त ..., दम मस्त कलन्दर, मस्त मस्त ...4,

नि सा ग म प, प म प, ग म ग रे सा ...2, पम ग म प, प म प, ग म ग रे सा, प म ग म प नि ध प म प ग म ग रे सा नि रे सा सा, प नि ध प म प ग म ग रे सा नि रे रे सा

दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अंखियाँ प्यासी 27

दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अंखियाँ प्यासी, प्यासी रे

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम स्वर में गूंगा बोले
अंधा देखे लंगड़ा चलकर, पहुँचे काशी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अंखियाँ प्यासी ...

मंदिर मंदिर मूरत तेरी, फिर भी न दीखे सूरत तेरी
युग बीते न आयी मिलन की, पूरणमासी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अंखियाँ प्यासी ...

पानी पी कर प्यास बुझाऊँ, नैनन को कैसे समझाऊँ
आँख मिचौली छोड़ो अब तो, घट के वासी रे ...
दर्शन दो घनश्याम नाथ मोरी अंखियाँ प्यासी ...

दर्शन दो 27

आये सब हम सहजी तेरे द्वार, निर्मल दर्शन दो।
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

आदिशक्ति हे निर्मल माता, सहजन की तुम भाग्य विधाता।
गणेश रूप में बैठी मूलाधार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

ब्रह्मदेव और सरस्वती माता, स्वाधिष्ठान विराजे माता ।
शुद्ध इच्छा का किया संचार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

सन्तुष्टी हम सबको देती, नाभि चक्र में आप हैं बैठी।
लक्ष्मी–नारायण रूप अवतार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

आदिगुरू दत्तात्रेय तुम हो गुरू स्वयं का बना गये हो।
करो हमें भवसागर पार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

हृदय में आओ माँ जगदम्बा, सीता–राम की हो अनुकम्पा।
शिव पार्वती दें करूणा प्यार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

दोषी को निर्दोष बनाये, राधा–कृष्ण विशुद्धि में आये।
अल्लाह अकबर करके पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥ निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

क्षमा सिखाये क्षमा की दाता, आप ही येशु – मैरी माता ।
क्षमा मात्र से मिटे अहंकार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो ... दर्शन दो ... दर्शन दो ...
मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

सहस्त्रार का भेद बताया, कलयुग में इसे सहज बनाया।
सारे सहजी हो गये पार, निर्मल दर्शन दो ॥
दर्शन दो... 3, मैया सुनले तू हमरी पुकार, निर्मल दर्शन दो ॥

ढोल नगाड़े तांसे बजे 29

ढोल नगाड़े तांसे बजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2

छिंदवाडा को धन्य किया है, माँ निर्मल ने जनम लिया है ...2
वन्दनवार घर-घर में सजें ...2, निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2
ढोल नगाड़े तांसे बजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2

आज है शुभ दिन पावन बेला, निर्मल नगरी में लगा है मेला ...2
मंगल गीत चहुं ओर गजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2
ढोल नगाड़े तांसे बजें ...2, निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2

धरती पर है आप पधारी, हम हैं माँ तेरे आभारी ...2
चहुँ दिश चैतन्य रस बरसे ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2
ढोल नगाड़े तांसे बजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2

कोई कहे अल्लाह कोई भजे राम, कोई जपे येशु नानक नाम ...2
हम तो हर पल निर्मल भजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2
ढोल नगाड़े तांसे बजें ...2 निर्मल तेरे अंगना में सहजी नचें ...2

ध्यान करने से तर जायेगा 29

ध्यान करने से तर जायेगा ...2, तेरा जीवन संवर जायेगा ...2
ध्यान करने से तर जायेगा ...2,

होगा चर्चा तेरा उस गली ...4, जिस गली से गुजर जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

अपना दामन फैलायेगा जो ...4, वो फैलाते ही भर जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

सहजयोग है माँ ने दिया ...4, योग से क्षेम हो जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

जो ना जाना श्री माँ को तूने ...4, खाली जग से चला जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

निर्विचार जो हो जायेगा ...4, निर्मल माता को पा जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

चैतन्य मयी हैं श्री माँ ...4, चैतन्य से भर जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2

आदिशक्ति का ध्यान तू कर ...4, तुझे मोक्ष भी मिल जायेगा ...2
तेरा जीवन संवर जायेगा ...2, ध्यान करने से तर जायेगा ...2
निर्मल कहने से तर जायेगा ..., तेरा जीवन संवर जायेगा ...2,

दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम 30

दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम, होंगे सारे काम ...,
माता महिमा श्री ने कहा है, माँ आदि और अंति माँ हैं ...2,

माता तेरे चरणों में है, मेरे चारों धाम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम, होंगे सारे काम ...,

माता तेरा नाम है प्यारा, सहजियों को तेरा सहारा ...2,
छट जायें सब गम के बादल, हो जायें सब काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम, होंगे सारे काम ...,

कुण्डलिनी को जागृत कर दे, मन की इच्छा पूरी कर दे ...2,
प्रेमानन्द से जीवन को माँ, कर दे मंगल धाम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम ...2,
प्रेम मुदित मन से ले ...2, माँ निर्मल का नाम ...2,
दूर होंगे सारे कष्ट, होंगे सारे काम, होंगे सारे काम ...,

ऐ मन गुरू शरण में रहियो 31

ऐ मन गुरू शरण में रहियो, रहियो ..., ऐ मन माँ की शरण में रहियो ...,
हर पल निर्मल निर्मल कहियो ...2, ऐ मन गुरू...2, ऐ मन माँ...2, ऐ मन

गुरू हमारी आदि शक्ति ...2, कर ले ऐ मन इनकी भक्ति ...2,
इनके ही गुण गईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू होत है ज्ञान की पूँजी ...2, मोक्ष द्वार की है वो कुँजी ...2,
चरणन पकड़ खुल वईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू हमारी प्रेम का सागर ...2, भर ले बन्दे अपनी गागर ...2,
आनन्द में ही रहियो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

गुरू होत है नाथ अनाथा ...2, इन चरणों में रख दे माथा ...2,
आशीष इनका पईयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

करदे कश्ती माँ के हवाले ...2, श्वांस श्वांस माँ आप संभाले ...2,
इनकी कृपा तर जइयो ...2, ऐ मन गुरू ...2, ऐ मन माँ ...2, ऐ मन

कर ले विनती माँ निर्मल से ...2, काट के बन्धन सब जीवों से ...2,
निर्मल का वर पईयो ...2, ऐ मन गुरू ..., ऐ मन माँ ...2, हर पल ...,

ऐ मन हो जा दीवानो रे निर्मल माँ के चरणों में 31

ऐ मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...4,

अष्ट सिद्धी नव निधी की है दात्री ...2, दीनों के बिगड़े काज बनाती ...2,
अष्ट सिद्धी नव निधी की है दात्री, दीनों के बिगड़े काज बनाती,
सारा झुकता जय हो, "सारा झुकता जमाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

सहजयोग में जो भी आते ...2, उनके दुख निकट नहीं आते ...2,
सहजयोग में जो भी आते, उनके दुख निकट नहीं आते,
सभी ध्यान जय हो, "सभी ध्यान लगाना रे, निर्मल माँ के चरणों में...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

कलियुग में अवतार है माँ का ...2, जीवन देना काम है माँ का ...2,
कलियुग में अवतार है माँ का, जीवन देना काम है माँ का,
मेरी विनती जय हो, "मेरी विनती सुनाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...,

कुण्डलिनी निर्मल है माता ...2, सहस्त्रार की निर्मल दाता ...2,
कुण्डलिनी निर्मल है माता, सहस्त्रार निर्मल दाता,
सारा झुकता, जय हो,"सारा झुकता जमाना रे, निर्मल माँ के चरणों में ...2,
हे माँ, हे माँ, हे माँ, बोलो रे, हे माँ, हे माँ, हे माँ, हे माँ,
मन हो जा दीवानो रे, निर्मल माँ के चरणों में ...3,

ऐसा दो हमें ज्ञान रहे तेरे चरणों में ध्यान 32

ऐसा दो हमें ज्ञान, रहे तेरे चरणों में ध्यान, मात निर्मला देवी ...4,
शक्ति गम्या माताजी, भक्ति ज्ञान सिखा देना ...2,
मात मेरी निर्मला देवी, निर्मल धर्म सिखा देना ...2,
हमें,"अपनी शरण में ले लो माता...2, दास खड़े अज्ञान, मात..., ऐसा दो...

गुरू मूर्ति आदि शक्ति, रक्षाकारी माता जी ...2,
मैं बालक हूँ तेरा माता, आप हैं मेरी विधाता जी ...2,
तुम,"सारे विश्व की ज्ञाता माता...2, देना हमको ज्ञान, मात..., ऐसा दो...,

मानव को तारण के खातिर, कलयुग में अवतार लिया ...2,
वेद शास्त्र सब बता दिये, कुण्डलिनी को जगा दिया ...2,
तूने,"दिया सहारा सभी को माता...2,निर्धन या धनवान,मात..., ऐसा दो...

माँ जगदम्बा एकाकिनी, महामाया माँ सुखप्रदा ...2,
चैतन्य लहरी भर दो मुझमें, हे मेरी माता वरदा ...2,
मैं,"आप बिना क्या कर सकता...2,दे दो भक्ति का ज्ञान,मात ..., ऐसा दो ...,

ऐसा वरदान दे दो हमें माँ 32

ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...2,

हो सके तो करें हम भलाई ...2, हर बुराई से बचते रहें हम ...2,
नेक राहों में आये जो मुसीबत, हंसते हंसते ही उसको सहें हम ...2,
हर बेगाने को कर ले जो अपना ...2, मधुर वाणी हमेशा ही बोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...,

हमको कुन्दन बना दो श्री माँ जी...2, लाख चाहे पड़े क्यूँ ना तपना ...2,
कुछ भुगतान हो जाये पिछला, "कुछ अगला सँवर जाये अपना ...2,
तेरी करूणा की गंगा में निर्मल...2, काले करमों की हम मैल धोलें...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...,

तेरी इच्छा बिना कुछ ना होता ...2, तेरे हाथों में सृष्टि की डोरी ...2,
तुझसे क्या श्री माँ रखें छुपाके, "तुझसे किस बात की फिर है चोरी ...2,
किस पटारी में क्या है तू जाने ...2, इसको खोलें कि या हम ना खोलें ...2,
अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...2,

अपने अन्दर ही खुद झाँक कर हम, गलतियाँ अपनी खुद ही टटोलें..2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ, सुख में उछलें ना हम दुख में डोलें ...2,
ऐसा वरदान दे दो हमें माँ ...4,

इक बार माँ के द्वार पर सर झुका के देख 33

इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,
सब भाग दौड़ छोड़ दे ...2, मन को लगा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

मन्दिर या मस्ज़िदों में अब, मिलती नहीं है माँ ...2,
अपने ही दिल में ढूंढ़ ले ...2, दीपक जला के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

तंग आ चुका है तू अगर, सुबह शाम शोर से ...2,
चुपचाप मौन भाव से ...2, नजदीक आ के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

माँ मुक्त कर दे पाप से, त्रिताप से हमें ...2,
मन बुद्धि माँ को सौंप कर ...2, विश्वास ला के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

फल फूल भाव जो भी दे, स्वीकार है उन्हे ...2,
श्रृद्धा से प्रेम भाव से ...2, कुछ भी चढ़ा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

दो दिन में साथ छोड़ दें, ऐसी नहीं है माँ ...2,
हाथों में हाथ दे अरे ...2, साथी बना के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

प्यारे समय को मत गँवा, माँ की शरण में आ ...2,
माँ की दया को देख फिर ...2, माँ की कृपा को देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,
सब भाग दौड़ छोड़ दे ...2, मन को लगा के देख ...,
इक बार माँ के द्वार पर, सर को झुका के देख ...2,

एक है सबका माली फूल हैं सब इक डाल के 34

एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,
धरम के नाम पे मत उन्हें लूटो ...2, मिथ्या भरम में ड़ाल के
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

सब एक ही प्रभू के अंग हैं, सबमें समाई उसकी खुशबू,
सबमें उसी के रंग हैं, सब एक ही प्रभू के अंग हैं,
सब फूलों से प्यार करे वो SS ...2, सबको रखे सम्भाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

यहाँ फैली हुई हैं कुरीतियाँ, धर्म ज्ञान व्यवसाय बनाके,
करते लोग अनीतियाँ, वो यहाँ फैली हुई हैं कुरीतियाँ,
प्रभू के पन्थ से भटकाते हैं ...2, अपने पन्थ निकाल के ...,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

मत दोष लगाओ धर्म को, स्वयं को जाँचो स्वयं को परखो,
परखों अपने कर्म को, मत दोष लगाओ धर्म को,
श्री माता जी से अनुभव लो ...2, सहज का अमृत डाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

जब स्वयं से लौ लग जायेगी, ज्ञान की जोत अखंड जलेगी,
कुण्डलिनी जग जायेगी, जब स्वयं से लौ लग जायेगी,
अपने घट में दर्शन होंगें ...2, परमेश्वर प्रतिपाल के,
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

धरम के नाम पे मत उन्हें लूटो ...2, कृपा भरम में डाल के
एक है सबका माली, फूल हैं सब इक डाल के ...2,

फागुन के दिन चार रे 35

फागुन के दिन चार रे ... होरी खेल मना ...3

बिन करताल पखावज बाजे ...2, अनहद की झँकार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

बिन स्वर राग छतीसों गावे ...2, रोम रोम झंकार
रे ...SS होरी खेल मना ...2, फागुन के दिन चार रे ...2

शील संतोष की केसर घोली ...2, प्रेम प्रीत पिचकार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

उड़त गुलाल लाल भयो अम्बर ...2, दीखत ज्योति अपार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

घट के सब पट खोल दिये हैं ...2, श्री माँ रही निहार
रे ...SS होरी खेल मना ...2, फागुन के दिन चार रे ...2

सहजी घर में फाग मच्यो है ...2, बार बार बलिहार
रे ...SS होरी खेल मना ..., फागुन के दिन चार रे ...2

गा मेरे मन श्री माँ के भजन 36

गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...
सागर में डूब साक्षी स्वरूप ...2, लहरों को छू, पर साहिल ना बन ...
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

माँ से सहज साक्षात्कार माँग ...2, सत्य समझ, झूठा अहंकार भगा ...2
तू सहजी बन, महायोगी बन ...2, माँ निर्मला को कोटि नमन ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

करले मेरे मन तू जन जन से प्यार ...2, बहती निरन्तर चैतन्य धार ...2
श्रृद्धा बढ़े, भक्ति बढ़े ...2, होता है जब माँ से अन्तर मिलन ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

प्रभू शक्ति का तू आह्वान कर ..2, परा शक्ति का तू नित ध्यान कर...2
चिन्ता हरण, हे मंगल करण ...2, भव तारण है श्री माँ के चरण ...2
गा मेरे मन श्री माँ के भजन ...2, हो जा मगन तू हो जा मगन ...2,

गणेश प्रथम स्मरणम् 37

प्रणम्य शिरसा देवम्, गौरी पुत्रम् विनायकम् ...2,
भक्ता वासम् स्मरे नित्यमायुष्कामार्थ सिद्धये, प्रणम्य शिरसा देवम्, गौरी ...

प्रथमम् वक्रतुण्डं च, एकदंतम् द्वितीयकम् ...2,
तृतीयम् कृष्णपिड्गक्षं, गजवक्त्रम् चतुर्थकम्, प्रणम्य शिरसा ...

लम्बोदरम् पंचमम् च, षष्ठमम् विकटमेव च. ...2,
सप्तमम् विध्न राजेन्द्रं, धूम्र वर्णम् तथाष्टकम्, प्रणम्य शिरसा देवम्, गौरी...

नवमम् भाल चन्द्रम् च, दशमम् तू विनायकम् ...2,
एकादशम् गणपतिम्, द्वादशम् तू गजाननम्, प्रणम्य शिरसा देवम्...

गणपति बप्पा हर लो सहजी की पीर 37

गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर...,
हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,

प्रथम करे जो गणपति वंदन ...2, हो दुख दूर छूटे बन्धन ...2,
चरणों में आये तेरे ओ ...SS चरणों में आये तेरे
हरो जग की पीर ..., हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

अष्टविनायक मंगल दाता ...2, बन्धु सखा भाई तुम सुख दाता ...2
गज का है शीश सोहे ओ ...SS गज का है शीश सोहे
हो परमवीर, हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

सुन्दर पावन नाम तुम्हारा ...2,
सा रे ग, सा रे, सानि सा सा निध निनि धप धमप ग म रे रे ग सा रे नि
नि सा रे ग म प ध प म प ग म धनि
सारे गरे सारे नि सारे सा प नि सा म धनि म प ध प

सुन्दर पावन नाम तुम्हारा ...2, गणपति पुले में है स्थान तुम्हारा ...2,
लाल वहाँ की मिट्टी ...SS, लाल वहाँ की मिट्टी, जैसे अबीर,
हर बरस आयेंगें हम ... सागर के तीर,
गणपति बप्पा हर लो ...2, सहजी की पीर,

गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम 37

गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2,
दीन मैं, तुम हो ... दयालु ...2, दाता कृपा निधान तुम ...,
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...

ब्रह्मा विष्णु और सदाशिव अर्चना करते तेरी ...2,
ज्ञान का प्रकाश भर दो, हम गायें महिमा तेरी ...2,
क्या कमी उसको है रहती ...2, जिस पे हो दयावान तुम ...
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

स्नेह मयी माँ के हो प्यारे, निर्मल माँ के लाल हो ...2,
शीश गजानन मूषक वाहन, भक्तों के प्रतिपाल हो ...2,
नत मस्तक हो तुम्हें पुकारें ...2, हो बुद्धि की खान तुम ...
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

मूलाधार में तुम हो विराजे, करो कृपा तुम आन कर ...2,
अपने गुण हम सबमें भर दो, अपना बालक जानकर ...2,
महका दो मन का बगीचा ...2, निर्मल माँ के लाल तुम ...
गणपति मुझ दीन की विनती करो परवान तुम ...2, दीन मैं तुम हो ...2,

गणपति राखो मोरी लाज पूरण कीजियो हमरे काज 38

"गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...2,"...2,
सदा रहे खुशहाल गणपति लाल ..., "जो प्रथमे तुम्हें ध्याये ...2,
रिद्धि सिद्धि के दाता, ओ भाग्य विधाता ..., "वो तुझसे सब कुछ पाये ...2,
विनती सुनलो, मोरी आज ...2, पूरण कीजियो, हमरे काज ...2,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो, हमरे काज ...

मूरख को दे ज्ञान, सभा में मान ..., "हो निर्बल भी बलशाली ...2,
निर्मल माँ के प्यारे, जगत से न्यारे ..., "है तुमरी शान निराली ...2,
तीनों लोक में तुमरा राज ...2, विनती सुनलो, मोरी आज ...,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...

जिसके सिर पे हाथ, तेरा हो नाथ ..., "तो उसको डर कैसा ...2,
ध्याये जो तेरा नाम, सुबह और शाम ..., "तो उसका मान बढ़ाता ...2,
सब देवों के तुम सरताज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...,
गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...
"गणपति राखो मोरी लाज ...2, पूरण कीजियो हमरे काज ...2," ...2,

गौरां जी के नन्दन श्री गणेश 39

"गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ...2, गौरां जी के नन्दन ...

पुतला बनाया गौरां, चैतन्य समेट के ...2,
पुतले में प्राण भरे, दिव्य शक्ति से ...2,
करना स्नान है, तू निगेहबान है ...2,
अन्दर ना आये कोई, इन्कार कीजिये ...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

भोला भंडारी आये, दूर से ध्यान लगाये ...2,
कौन है तू नन्हा बच्चा, किस कारण यहाँ पे आये ...2,
अन्दर न जाने दिया, बालक इन्कार किया ...2,
मार त्रिशूल भोले, शीश को उतार दिया ...2,
आई गौरां महारानी, आँखों में छाया पानी ...2,
बालक को जीवित कर दो, होगी बड़ी मेहरबानी ...2,
जंगल में जाय के, गज शीश लाये के ...2,
उठो गजराज, अमृत जल पीजिये ...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

जो भी ध्यावे पहले, गणपत गणेश को ...2,
सभी दुख दूर करे, काटे कलेश को ...2,
सुत महेश है, नाम गणेश है ...2, श्री माँ के लाड़ले का, नित नाम लीजिये...,
गौरां जी के नन्दन श्री गणेश को प्रणाम कीजिये ...,
निर्मल माँ के बेटे का नाम लीजिये ..., गौरां जी के नन्दन ...

गोकुल में बजत बधाई 39

गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...,

मात जसोदा बलि बलि जाये ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

द्वारे भीड़ गोप गोपीयन की ...2,
रत्न भूमि जब छाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

नाचत वृद्ध तरूण अरू बालक ...2,
रत्न भूमि सब धाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

झाँझर मृदंग, मजीरा बाजे ...2,
और बाजत शहनाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

अति आनन्द होत गोकुल में ...2,
महिमा वर्णिन न जाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

सूरदास स्वामी सुख सागर ...2,
सुन्दर श्याम कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई....2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

मात जसोदा बलि बलि जाये ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई मैं सुनके आई ...2,
प्रकटे हैं कृष्ण कन्हाई, ऐ री माई ..., गोकुल में बजत बधाई, ऐ री माई...,

गुल से तेरे चेहरे पे 40

गुल से तेरे चेहरे पे ..., गुल से तेरे चेहरे पे, झलके है वो नूरानी,
वजूदे खुदाई की है, जो रूबरू कहानी, इक वक्त से सींचा था ...,
इक वक्त से सींचा था, जिस ताकते ने हमको,
जाना है तेरे कदमों से बहता है वही पानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

नज़रें हैं तेरी निर्मल, "हो जाये बयाँ कैसे ...2,
शबनम सी तेरी फितरत, "हो जाये बयाँ कैसे ...2,
नज़रें हैं तेरी निर्मल, हो जाये बयाँ कैसे ...,
शबनम सी तेरी फितरत, हो जाये बयाँ कैसे ...2, हो जाये बयाँ कैसे ..
करता बयाँ लब्ज जो ...2, लगता है वो बेमानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

""तेरे कदमों की आहट पे, "झुकते हैं जहाँ दोनों ...2,
तेरे साँसों की संदल से, "महके हैं जहाँ दोनों ...2,"" ...2,
तेरे प्यार के नगमों पे, "झूमे हैं जहाँ दोनों ...2,
बहती हरेक दस्त से ...2, है रोशनी रूहानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,
आँचल की तेरी खुशबू, "हर बागे बहारां में ...2,
आँखों की तेरी शोखी, "हर फूले नजारां में ...2,

आँचल की तेरी खुशबू, हर बागे बहारां में ...,
आँखों की तेरी शोखी, हर फूले नजारां में ...2,
हर फूले नजारां में ..., "माता तेरी तवज्जो ... 2,
दें साँसें इन्सानी, वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी,

गुल से तेरे चेहरे पे ..., गुल से तेरे चेहरे पे, झलके है वो नूरानी,
गुल से तेरे चेहरे पे, झलके है वो नूरानी,
वजूदे खुदाई की है जो रूबरू कहानी, इक वक्त से सींचा था ...,
इक वक्त से सींचा था, जिस ताकत ने हमको,
ज़ाना है तेरे कदमों से बहता है वही पानी, गुल से तेरे चेहरे पे ...,

गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में 41

गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2

माँ का ध्यान करे मन निर्मल ...2, निर्मल भक्ति है पुण्यों का फल ...2,
करती है ... करती है ..., "करती है श्री माँ निवास ओ SS
अपने बच्चों के मन में " ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...
संकट से माँ सदा उबारे ...2, दर्शन देकर भाग्य संवारे ...2,
श्री माँ जी की ... श्री माँ जी की ...2 "श्री माँ जी की महिमा अपार
हो हम गायें सब मिलकर" ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में...2
कुण्डलिनी आदिशक्ति माँ ...2, सहज दायिनी पराशक्ति माँ ...2,
करती है, करती है ..."करती है भव से पार, चलो माँ की शरण में ...2,
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में...2

सुख कर्ता, दुख हर्ता माता ...2, आदि अन्त की माँ निर्माता ...2,
कलयुग में ... कलयुग में ... हो "कलयुग में अवतार
है जग आया चरण में" ...2, गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में...2
हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2,
"जय जय माँ ...3, जय माँ" ...5
गूँजे सदा जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2
हो रही जय जयकार श्री माँ जी के भवन में ...2, गूँजे सदा जयकार .....

गुरू माऊली तू निर्मल मनाची 42

गुरू माऊली तू निर्मल मनाची ..., गुरू कृपा जशी दयासागराची ...2,
सहज तुझी क्रातिंए तुझी भव्य मूर्ति ...,भक्तांची कैवारी अशी तुझी किर्ती ...
तुझ्या लेकरांना धर्म झाले तुझी कृति ...2,समर्पणाच्या निर्गुणात दिसे तुझी आकृति
तुझे नाम मंत्र मुखी तुझे गायन ...2, निरपेक्ष भक्ति चरणी अप्रण ...
समूल जागृति इच्छा लेकराची ...2, तुझ्या ठायी देखिली शक्ति ईश्वराची ...

गुरूओं की गुरू तारों में ध्रुव मेरी हे कल्याणी मात 43

"गुरूओं की गुरू, तारों में ध्रुव, मेरी हे कल्याणी मात,
तुझको नमन करें दिन रात" ...2,

गुरूनानक या कहें मोहम्मद, इसी रूप में पाती हो ...2,
आदिगुरू दत्तात्रेय जग में, माँ जीस़स़ कहलाती हो ...2,
हे जग भर्ता, पालन कर्ता और कर्ता दीनानाथ ...,
तुझको नमन करें दिन रात, गुरूओ की गुरू, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

आत्मज्ञान का बोध करा, हमें गुरू स्वयं का बना दिया ...2,
गुरू तत्व हीरा जीवन का, गुरू आपने जना दिया ...2,
है जनम नया, अन्धकार गया, हुआ जीवन में प्रभात ...,
तुझको नमन करें दिन रात, गुरूओं की गुरू, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

जग तारण को गुरू रूप में, गोविन्द आप पधारे हैं ...2,
सहज योग से ध्यान कराके, कितने पार उतारे हैं ...2,
है हर्षित मन, बहा सुख चैतन्य, थी हमको जिसकी चाह ...,
तुझको नमन करें दिन रात..2, गुरूओं की गुरू, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

जगत गुरू हे जननी माँ, तेरे पूजन को बेताब हुये ...2,
क्षमा की देवी, देख तुझे ये नयन आबरू आप हुये ...2,
है मन में मगन, मिला सहज का जल, की श्री माँ ने बरसात ...,
तुझको नमन करें दिन रात..2, गुरूओं की गुरू, तारों में ध्रुव,
मेरी हे कल्याणी मात, तुझको नमन करें दिन रात ...

हम हैं बिटवा तुहार माँ जी 43

हम हैं बिटवा तुहार माँ जी बिटवा तुहार ...2
बहुत दिनन के भूले भटके, दे दो हमको प्यार ...2, हम है बिटवा तुहार 2

नैनवा में निर्मल माता, मात को बिठाइके, नैनवा में आ आ sss री नैनवा
नैनवा में निर्मल माता, मात को बिठाइके
दर्शनों को प्यासे आये तोहरे ललन मैया ...2
पार करो अम्मा, हमरी जीवन की नैया ...2
हमको भी दे दो माँ जी हो, ओ.. ओ.., हमको भी दे दो माँजी, अपना दुलार
हम हैं बिटवा तुहार माँ जी बिटवा तुहार ...2

भूल जो भी हुई अम्मा, माफ हमका कर दे, हे ! माँ ssss री माँ ssss
भूल जो भी हुई अम्मा, माफ हमका कर दे, "
जीवन ये अर्पण तुमका, जो चाहे माँ कर दे ...2
आस मोरी टूटे नहीं हो ssss विनती ये ही हमार।
हम हैं बिटवा तुहार माँ जी बिटवा तुहार ...2
बहुत दिनन के भूले भटके, दे दो हमको प्यार ...2, हम हैं बिटवा तुहार 2

हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने 44

हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...3,
माँ के चरणों में होये, होये माँ के चरणों में जाये बलिहार ...,
दुनिया क्या जाने, मुझे मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...

तन भी है माँ का, मन भी माँ का, रोम रोम में गुँजन माँ का ...2,
मेरी मैया का सब संसार, दुनिया क्या जाने ...2, **हमें मिल गया माँ ...,**

निर्मल माँ से हैत लगाया, जीवन अपना सफल बनाया ...2,
किये भव सागर से पार, दुनिया क्या जाने ...2, **हमें मिल गया माँ ...,**

कुण्डलिनी शक्ति महामाया, आत्मज्ञान का दीप जलाया ...2,
माँ कलियुग की अवतार, दुनिया क्या जाने ...2, **हमें मिल गया माँ ...,**

दो दिन की जिन्दगी है तेरी, छोड़ दे बन्दे मेरा मेरी ...2,
फिर होवे ना अंधकार, दुनिया क्या जाने ...2, **मुझे मिल गया माँ का प्यार...**
माँ के चरणों में जाऊँ बलिहार, दुनिया क्या जाने ...2, **हमें मिल गया माँ ..,**
हमें मिल गया माँ का प्यार दुनिया क्या जाने ...,

हमरे जीवन में आई बहार माता रानी तेरे हैं उपकार 45

हमरे जीवन में, हमरे जीवन में आई बहार ...2,माता रानी तेरे हैं उपकार ...,
जन्मों जन्मों की, जन्मों जन्मों की सुन ली पुकार, शेरां वाली तू अपरम्पार...2,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ., शेरां वाली .....

तू है सीता श्री राम जी का प्यार, तू है राधा श्री कृष्ण आधार ...2,
तू है येशु की मैया अपार, तू है गंगा तू शिव जी का सार ...2,
तू है दुर्गा माँ, तू है दुर्गा तेरे रूप हजार, सारे दुष्टों का करे तू संहार ...,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार., शेरां वाली.....

तेरी शक्ति दे जीवन सुधार, तेरी भक्ति से नैया हो पार ...2,
हमरा कण कण है तुझपे निसार, तेरी महिमा को गाये संसार ...2,
तेरी रचना माँ, तेरी रचना दे सृष्टि निखार, तू विराजे है माँ सहस्त्रार ...,
हमरे जीवन में हमरे जीवन में आई बहार..., माता रानी तेरे हैं उपकार ...,
जन्मों जन्मों की जन्मों जन्मों की सुन ली पुकार, शेरां वाली तू अपरम्पार ...2,
हमरे जीवन में आई बहार ., माता रानी तेरे हैं उपकार ., शेरां वाली .....

हर देश में तू हर वेश में तू 45

हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

सागर से उठा बादल बनकर, बादल से बहा है जल बनकर ...2
फिर नहर बनी नदिया गहरी ...2, तेरे भिन्न स्वरूप तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ..., तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

मिट्टी से अणु परमाणु बना, फिर दिव्य जगत का रूप लिया ...2
फिर पर्वत विश्व विशाल बना ...2, सौन्दर्य तेरा तू एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ..., तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

वो दृश्य दिखाया है जिसने, ये है श्री माँ की पूर्ण कृपा ...2
तुकड्या कहे तू अब और ना दिखा ...2, ये मैं और तू सब एक ही है ...2
हर देश में तू, हर वेश में तू ...2, तेरे नाम अनेक तू एक ही है ...

हर पल हर क्षण गाते रहें हम माँ निर्मल के गीत 46

हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ...,
माँ निर्मल ही माता पिता है, "माँ ही बन्धु मीत ...3, हर पल ...,
चित्त रहे श्री माँ चरणों में, हम करें कुछ भी काज ...2,
दो कर जोड़े, वर ये मांगें, माँ निर्मल से आज ...2,
भक्ति में मन गाता रहे, "सहज नवाकर शीश ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...
सहज मिले हमें आत्म बोध गर, माँ की हो अनुकम्पा ...2,
सत्य असत्य का भेद मिले जब, मिट जाये सब शंका ...2,
सहज संवारा जीवन अपना, "भँवर से लायी माँ खींच ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...,
प्रेम का सागर माँ निर्मल है, माँ है बहुत महान ...2,
सारे जगत में सबसे ऊँची, माँ निर्मल की शान ...2,
सारे जगत में सबसे गहरी, "माँ निर्मल से प्रीत ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...,
दर्शन पायें हर पल माँ का, मन में है अभिलाषा ...2,
पा के झलक जिनकी मन मेरा, झूम झूम के गाता ...2,
दे के झलक इस मन बगिया को, "जाती है माँ सींच ...4,
हर पल हर क्षण गाते रहें हम, माँ निर्मल के गीत ..., माँ निर्मल ही ...

हर पल विचारों में विचरती आदि माँ वो आप हैं 46

"हर पल विचारों में विचरती, आदि माँ वो आप हैं...
अब यहाँ तो अब वहाँ, मुझे भासती ही आप हैं..." ...2
दूरियों में आप हैं...2, नजदीकियों में आप हैं...
मेरे हृदय में बैठ कर, मेरी खुद का नाप हैं...,"हर पल...भासती ही आप हैं...2,
नन्हा सा कतरा बन नजारा...2, कर रहा हूँ आपका...
कतरे की मै है मिट गयी, बस आप ही आप हैं..., "हर पल आप हैं...2,
ना रही बुलबुल, ना रहा...2, है वो कफस का शोरगुल...
लख्ते जिगर रोशन हुआ, वो रोशनी आप हैं..., "हर पल... ही आप हैं...2,

हर साँस में हो सुमिरन तेरा 47

हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2, यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2
तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ..., हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2

तेरे मन को प्यारा है, वो मेरे मन को प्यारा है ...2,
जो तेरे सर का ताज, मेरी अँखियों का तारा है ...2
मिट जाये भेद ये तेरा मेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

नैनों की खिड़की से हरदम तुझको निहारूँ ...2,
हृदय में बिठाऊँ तेरी आरती उतारूँ ...2, देखा करूँ मैं तेरा रूप सुनहरा ...2
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

निर्मल माँ मैं तेरे दर पे काटूँ जिन्दगानी ...2,
हे माँ कर दो मुझपे अपनी इतनी मेहरबानी ...2,
डाले रहूँ मैं तेरे चरणों में डेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ..., हर साँस में हो सुमिरन तेरा ...2,
यूँ बीत जाये जीवन मेरा ...2, तेरी पूजा तेरी सेवा साँझ सवेरा ...

हे भवानी भगवती माँ तुझ नमोः 47

हे भवानी भगवती माँ, तुझ नमोः तुझ नमोः ...2,
हे दयानि आदि शक्ति माँ, तुझ नमोः तुझ नमोः ...2,

हे जगदानन्द कारिणी, हे भव भय भंजन हारिणी ...2,
तुझ नमोः तुझ नमोः ..., हे भवानी भगवती..., हे दयानी आदि शक्ति माँ ...,

हे आदिशक्ति माँ ब्रह्मस्वरूपा, हे अनुपमा हे माँ अनुपा ...2,
तुझ नमोः तुझ नमोः ..., हे भवानी भगवती ..., हे दयानी आदि शक्ति माँ...,

हे सान्द्रकरूणा हे माँ सुखप्रदा, हे मंगलकारिणी हे माँ वरदा ...2,
तुझ नमोः तुझ नमोः ...,हे भवानी भगवती..., हे दयानी आदि शक्ति माँ...2,

हे माँ दे भक्ति का दान 48

हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...2
तेरा प्रेम ही वेद पुराणों का ज्ञान, वेद पुराणों का ज्ञान, **हे माँ दे भक्ति...,**

"सब की थी जो अभिलाषायें, कर दी पूरी वही धारायें,
चरणों में तेरे शीश नवाकर, हृदय से फूटी प्रार्थनायें," ...2
ब्रह्माण्ड की है तू ही जननी ...2, स्नेहमयी तू अनुपमा ..., **हे माँ दे भक्ति...,**

पूजा तेरी देती अमृत, इस धरती पर सब लोकों में ...2,
तेरी इच्छा से है बहता, मधुरस बच्चों में पुष्पों में ...2,
तेरी कृपा से है ये अम्बर ...2, धरती बनी है तुझ से माँ ...,**हे माँ दे भक्ति...,**

"क्षमाशील तू, है वो झरना, ज्ञान की देवी माँ तू करूणा,
आदि अनादि तू ही भवानी, सहज दायिनी तू निर्मल माँ,
मोक्ष है मिलता तब चरणन् में ...2, करके केवल प्रार्थना...,**हे माँ दे भक्ति...,**

हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...
तेरा प्रेम ही वेद पुराणों का ज्ञान, वेद पुराणों का ज्ञान,
हे माँ दे भक्ति का दान, दे भक्ति का दान ...2

हे प्रभो तू ज्ञानरूपे 48

"हे प्रभो तू ज्ञानरूपे कल्पवृक्षा लाविले।
बहरल्य शाखात यांच्या चिन्तनी मन रंगले। ... विश्व हे सामावले" ...2
या पदासि आकलिली सूर्य चन्द्रा सी प्रभा ...2
भेदनी या ब्रह्मरंध्र "व्यापिले अवध्या नभा ...2
मंथूनिया सप्तसिन्धु गगन ते जे व्यापिले ...2 विश्व हे सामावले ॥
संस्कृति गंगौध वाहे त्या मध्ये अवगावूनी ...2
शोघण्या शिव – सप्तसुन्दर "दिव्य श्रृद्धा होऊनी ...2
चालले पथ साधनेचा गुरूपदा ते पावले ...2 विश्व हे सामावले ॥
ज्ञानरूपा हे विराटा अणु अणुत – तुल पाहु दे ...2
शक्ति युक्ति नम्रता दे "शील शुभ संकल्प दे ...2
आत्मज्ञाने निश्चये मन चेतनामय जाहले ....2 विश्व हे सामावले ॥

होरी खेलत आज सहजयोगी होली खेलत 49

होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,
उड़त गुलाल, चहुँ दिश छायो ...2, समझ पड़े न कोई ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

ढ़प अनेक महा धुन बाजत ...2, गावत गीत दुहुन ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

बाल गोपाल सहजी सब हर्षित ...2, डारत रंग कुम कुम ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...4,

सहजी कहे माँ तुम्हरे दरस की ...2, वरणी न जाये छवि ओरी ...,
होरी खेलत आज, सहजयोगी होली खेलत, हाँ होरी खेलत ...7,

हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है 49

हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है ...4
स्वर्ग से भी ऊँचा मैया, ओ ... स्वर्ग से भी ऊँचा तेरा इक द्वारा है
हमको तो SS जय हो जय हो, हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है ...

मंदिर मंदिर जा के मैंने अलख जगाई थी ...2,
करूण कहानी मैया सबको सुनाई थी ...3,
सबके दर से हार मैया S S ...2, ओ S S तुझको पुकारा है,
हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

निर्मल मैया तेरे बिना कोई ना संसार में ...2,
कहीं भी ना सुख मिला जो सुख तेरे प्यार में ...3,
हमको भी लगादो पार हो ओ ...2, लाखों को उबारा है
हमकों तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

तू ही गौरा तू ही अम्बे, सीता और सावित्री है ...2,
लक्ष्मी है सरस्वती गंगा और गायत्री है ...3,
साक्षात कुण्डलिनी ओ SS साक्षात कुण्डलिनी सत्य उजियारा है ...,
हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2,

शब्द तेरे शास्त्र और धर्म का भंडार है ...2,
वाणी तेरी रामायण का और गीता का सार है ...3,
हर इक सहजयोगी मैया ओ SS हर सहजयोगी तेरी आँख का ही तारा है
हमको तो SS जय हो जय हो,"हमको तो निर्मल मैया तेरा ही सहारा है...2

इक बार तू आकर देख ले निर्मल माता की शरण में 50

इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...2,
कुण्डलिनी जगाकर देख ले...2, निर्मल माँ के वन्दन में..., इक बार...

झूठे रिश्ते झूठी काया, झूठा जग झूठी मोह माया ...,
जितने जतन करे, सुख ना पाया, जीवन को इक बोझ बनाया ...,
खाली आवन जावन करके, जीवन काहे व्यर्थ गंवाया ...,
तुझको इसका ज्ञान नहीं है, क्या करना है क्या कर आया ...,
अज्ञान मिटाकर देख ले ...2, जो सुख चाहे जीवन में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में,

पाप किया या पुण्य किया है, लूटा है या दान दिया है ...,
दीन धर्म की बीन बजाकर, आडम्बर अभिमान किया है ...,
जिसने सबको क्षमा कराकर, औरों को क्षमा दान दिया है ...,
जीवन उसका सफल हो गया, माँ ने जिसे/उसे वरदान दिया है ...2,
दुनिया को भुलाकर देख ले ...2, बंध जा सम के बंधन में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,

भूत काल मुड़कर नहीं आता, कोई भविष्य जान ना पाता ...,
वर्तमान को सुन्दर करले, वर्तमान है कल का दाता ...,
परम चैतन्य में बाँध के रख ले, तन मन वचन कर्म का नाता ...,
हो जाता है शांत सुखी वो, आत्म ज्ञान जिस को मिल जाता ...2,
जीवन का बनाकर के देख ले ...2, जीले हर पल नूतन में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,

धर्म यही है ज्ञान यही है, गीता यही है कुरान यहीं है ...,
बाईबल की आन यही है, ग्रंथ साहिब का मान यही है ...,
आत्मज्ञान से स्वयं को जानो, जीवन का कल्याण यही है ...,
सब अवतार हैं मानव तन में, सचमानो/पहचानो भगवान यही है ...2,
चैतन्य जगाकर देख ले ...2, निर्मल माँ है कण कण में ...,
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...,
कुण्डलिनी जगाकर देख ले...2, निर्मल माँ के वन्दन में,"इक बार ...शरण में"
इक बार तू आकर देख ले, निर्मल माता की शरण में ...2,

एक गणपति एक ईसा दोनों ने आदि माँ को ध्याया 51

"एक गणपति एक ईसा ..., दोनों ने आदि माँ को ध्याया...,
अंतर क्या दोनों की शक्ति में बोलो ...2,
एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ..., " ...3
गणपति तो हैं मूलाधारी, ईसा हैं विश्वाधारी ...2,
गणेश अबोधिता की है सूरत ...2, ईसा क्षमा की मूरत ...,
एक बालक एक राजा, दोनों ने अहंकार को त्यागा ...,
अंतर क्या दोनों की कीर्ति में बोलो ...2, एक जागृति दिलाये,एक पार कराये ...2,
एक गौरी के दूलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,
नरक के द्वार खड़े लम्बोदर ..., मर्यादायें दिखाये ...2,
स्वर्ग के द्वार, बने खुद ईसा ...2, निर्मल हमको बनायें ...
एक शासक एक तारक, दोनों ही निर्मला माँ के बालक ...
अंतर क्या दोनों की तृप्ति में बोलो ...2,एक नर्क छुड़ाये, एक स्वर्ग दिलाये ...2,
एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,
गणपति ने अवतार लिया इक, ईसा में खुद को समाया ...2,
स्वर्ग का मार्ग सहज दर्शाया ...2, पुर्नरूत्थान दिलाया ...
एक आदि एक अंति, दोनों में है ओम् की शक्ति ...
अंतर क्या दोनों की भक्ति में बोलो, एक मातृ पुजारी, एक पितृ पुजारी ...
एक गौरी के दुलारे, एक राधा जी के प्यारे ...2,
"एक गणपति ...,दोनों ने...,अंतर क्या...,एक गौरी के दुलारे, एक राधाजी ...,

इतना प्यार करेगा कौन जितना श्री माँ करते हैं 52

इतना प्यार करेगा कौन, जितना श्री माँ करते हैं ...2
जो भी माँ का ध्यान लगाये, जो भी माँ का ध्यान लगाये,
भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ऽऽ

कुण्डलिनी जागृत करते हैं, सोई शक्ति जगा देते हैं ...2
ब्रह्मरंध्र तब खुल जाता है, श्री माँ जब कृपा करते हैं ...2
ऐसे दुख हरेगा कौन, जैसे श्री माँ हरते हैं ...2

जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ऽऽ

सोये भाग जगाये माँ ने, बिगड़े काम बनाये माँ ने ...2
सारे जग की खुशियाँ दे दी, निर्मल माया कोई ना जाने ...2
इतना ध्यान रखेगा कौन, जितना श्री माँ रखते हैं ...2

जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ऽऽ

निर्मल माँ ने हर सहजी को रंक से राजा बना दिया ...2
आत्मज्ञान सभी को देकर, सहजियों को पार किया है ...2
ऐसे पार करेगा कौन, जैसे श्री माँ करते हैं ...2

जो भी माँ का ध्यान लगाये ...2, भक्ति माँ देते हैं, पार माँ करते हैं ...ऽऽ

इतनी शक्ति हमें देना दाता 52

इतनी शक्ति हमें देना दाता ..., मन का विश्वास कमजोर हो ना ...2
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...2
इतनी शक्ति हमें देना दाता ...

दूर अज्ञान के हों अंधेरे ..., तू हमें ज्ञान की रोशनी दे ...2,
हर बुराई से बचते रहें हम ..., जितनी भी दे भली जिन्दगी दे ...
बैर हो ना किसी का किसी से ..., भावना मन में बदले की हो ना ...
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...2

हम ना सोचें, हमें क्या मिला है ..., हम ये सोचें किया क्या है अर्पण ...2,
फूल खुशियों के बाटें सभी को ..., सबका जीवन भी बन जाये मधुबन ...
अपनी करूणा का जल तू बहा कर ..., कर दे पावन हर एक मन का कोना...
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे ..., भूल कर भी कोई भूल हो ना ...

जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ 53

जब जब तुझको याद करूँ माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरा ध्यान धरूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरे गुण को गाऊँ, तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

ना कोई है ऊँचा, ना कोई है नीचा, प्यार से तूने ...
"सारे जग को सींचा ...2, भटका हुआ था ये जग सारा,
निर्मल माँ ने दिखाई,"दुनिया को सच्ची दिशा...2,
निर्मल माँ का भजन सुनाकर सहजी को बहलाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

दुःख और दर्द को भूल गये हम, जबसे आये माँ "तेरे शरण में हम ...2,
सुख और प्रेम का पाठ पढ़ाया, जबसे सहजयोगी "हो गये हैं हम ...2,
निर्मल माँ का जपन कर, मैं जीवन को बिताऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,
इस धरती के कण कण में, माँ तेरा रूप ही सच्चा,

इस संसार में, माँ "तेरा रूप ही सच्चा ...2,
तेरे दरस की आशा लेकर सब सहजी आते हैं,
हे निर्मल माँ जग उद्धारक "तेरा नाम ही साँचा ...2,
नमन करूँ मैं, नमन करूँ मैं, तेरा वचन निभाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ ...2,

जब जब तुझको याद करूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरा ध्यान धरूँ, माँ तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जब जब तेरे गुण को गाऊँ, तेरा दर्शन पाऊँ ...2,
जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ,
बोलो जय बोलो जय बोलो, जय बोलो श्री निर्मल माँ...4,"निर्मल माँ...4,

जब से हम सहजयोगी बने 54

जब से हम ...2, जब से हम सहजयोगी बने ...,
सच्चे सुख का ज्ञान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...2,

सहजयोग की सहज शक्ति, ऐसा जादू कर गई ...2,
भेद के सातों चक्र कुण्डलिनी, सात समन्दर तर गई ...,
हृदय कमल समान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ..., "जब से हम सहजयोगी बने ...2,

अरे इस मिलन के कारण, सूर हो उठा अधीरा ...,
सुना जिस मोह मिलन में, रच गया दास कबीरा,
राज सुख छोड़ के सारे, दीवानी हो गई मीरा ...,
सहज हमें निर्मल माँ ने, दिया उस मिलन का हीरा ...,
महावीर और बुद्ध ने गाये निराकार के गीत ...,
संत मिले पूरब पश्चिम के, ज्यों पुराने मीत ...,
विश्व मिलन आसान हुआ, जीवन एक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...2,

सहजयोग है सहज जीवन, बात समझ ये आ गयी ...,
दुलर्भ हो गया सुलभ, आत्मा अपनी मंजिल पा गई ...,
अपने पर अभिमान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...,
सच्चे सुख का ज्ञान हुआ, जीवन इक वरदान हुआ ...,
जब से हम ...2, "जब से हम सहजयोगी बने ...2,

जब से माँ का नाम लिया मेरे सब दुख दूर हुये 55

जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुख दूर हुये ...2,
जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ...2,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुख दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया ...

तारों में ढूँढ़ा तुमको, माँ चन्दा पे पाये हो ...2,
छोटी छोटी किरणों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुख दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुख दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

बागों में ढूँढ़ा तुमको, माँ फूलों में पाये हो ...2,
छोटी छोटी कलियों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुख दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुख दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

गंगा पे ढूँढा तुमको, माँ जमुना पे पाये हो ...2,
ठंडी ठंड़ी लहरों में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुख दूर हुये ...,
जब से माँ का नाम लिया,मेरे सब दुख दूर हुये...,जब से माँ का नाम लिया...

मन्दिर में ढूँढ़ा तुमको, माँ सहजिन में पाये हो ...2,
सहजी की आत्मा में ...2, मेरी मैया का ठिकाना है ...,
जब से माँ का नाम लिया, मेरे सब दुख दूर हुये ...2,
जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ...2,
जब से तेरी लगन लगी, मन हो गया दीवाना है ..., जब से माँ का नाम लिया...

जागो दुर्गा तुमि जागो 56

जागो तुमि जागो, जागो दुर्गा जागो, दश प्रहरधारिणी,
अभया लक्ष्मी, बॉलो प्रदायिनी तुमि जागो,
विजया, वरदा, विमला योगदा, महापातक नाशिनी, क्षिप्र प्रसादिनी,
जागो माँ आदिशक्ति तुमि जागो, जागो माँ, जागो महारति तुमि जागो ...

निगुर्णा निर्मदा नित्या निर्मला ...2,
सहजयोग दायिनी, लीला विनोदिनी जागो माँ
पुण्यलभ्या तुमि जागो, जागो माँ ...
जागो एकाकिनी, तुमि जागो, जागो माँ, तुमि जागो ...ऽऽ

जागो मोहन प्यारे जागो 56

जग उजियारा छाये, मन का अंधेरा जाये
किरणों की रानी गाये, जागो हे मेरे मनमोहन प्यारे

जागो मोहन प्यारे जागो, नवयुग लाये चैतन्य धारे
जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

जागो रे, जागो रे सब सहजी जागो, नगर नगर में चैतन्य ला दो
जागो रे, जागो रे जग रे, जागो जागो रे, जग रे

जिसने माँ को चित्त में बसाया, भवसागर को उसने तारा
मत रहना दुनिया के सहारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

पूर्ण समर्पित जो भी आया, ममता का आँचल उसने पाया
जैसे कान्हा यशोदा के प्यारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

माँ निर्मल चैतन्य बरसाये, मोक्ष का प्यासा प्यास बुझाये
फूल बने मन के अंगारे, जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ
जागो मोहन प्यारे जागो ...ऽऽ

जाई विधि राखे माँ ताही विधि रहिये 57

निर्मल मैया, निर्मल मैया, निर्मल मैया कहिये
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

मुख में हो निर्मल नाम, सहज सेवा हाथ में ...
तू अकेला नहीं है सहजी, मैया तेरे साथ में ...
विधि का विधान जान, साक्षी भाव से देखिये ...
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

ध्यान में रहेगा माँ का प्यार तू ही पायेगा ...
होगा सहजी वही, जो श्री माताजी को भायेगा ...
फल की आशा त्याग, सहज काम करते रहिये.., जाई विधि राखे माँ, ताही... 2

जिन्दगी की डोर सौंप, हाथ निर्मल मैया के ...
महलों में राखे चाहे, झोंपड़ी में वास दे ...
आदि शक्ति मैया जी का निर्मल नाम रटिये ...
जाई विधि राखे माँ, ताही विधि रहिये ...2

आशा एक निर्मल माँ से, दूजी आशा छोड़ के ...
नाता एक निर्मल माँ से, दूजा नाता तोड़ दे ...
सहज रंग निर्मल रंग, अंग अंग रंगीये..., जाई विधि राखे माँ, ताही... 2

जय शंकर भोले जय शिव शंकर जय शंकर भोले 57

"जय शंकर भोले...2, जय शिव शंकर...2, जय शंकर भोले" ...2,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...2,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले,
भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ..., जय शंकर भोले ...

महादेव तुमने ही तो, सब देवों का सन्ताप हरा ...2,
सागर मन्थन में निकला विष, तुमने अपने कंठ भरा ...2,
इसीलिये हर प्राणी तुमको ...2, नील कंठ बोले ...,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,

तेरे नाम अनेकों बाबा, तेरी महिमा न्यारी है ...2,
तेरे भेद अनोखे बाबा, जाने क्या संसारी ये ...2,
तुम ही हो कैलाशपति शिव ...2, पर्वत पर डोले ...,
जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,

शीश तुम्हारे गंगा मैया, चन्द्र शिखर पर सोहे ...2,
तन पे सर्प विचरते रहते, भक्तों के मन को मोहे ...2,
उसको कष्ट जगत में कैसा ...2, नाम जो तेरा ले ...,

जय शंकर भोले ...2, जय शिव शंकर ...2, जय शंकर भोले ...,
सब देवों में देव निराले ...2, जय शंकर भोले ...3, जय शिव शंकर ...2,
जय शंकर भोले ..., भोले भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ भोलेनाथ ...,
ॐ नमः शिवाय ॐ नमः शिवाय ...7, जय शंकर भोले ...2, जय शिव ...

जय श्री माँ की गाये जा माँ की ज्योत जगाये जा 58

जय श्री माँ की गाये जा ..., माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ..., सच्ची राह तू पाये जा ...2, जय श्री माँ की ...,

जग माँ के चरणों की है छाया, कण कण माँ का रूप समाया ...2,
धरती और आकाश पाताल ने, सबने ही माँ का गुण गाया ...2,
इक यही दरबार है सच्चा ..., यहाँ शीश झुकाये जा ..., इस ज्योत ... जा,
जय श्री माँ की गाये जा ..., माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

कष्ट हारिणी कष्ट हरे है, बच्चों को भव से पार करे है ...2,
महिमा अपरम्पार है माँ की, माँ गागर में सागर भरे है ...2,
फूल श्रृद्धा के इस दर पे .., दिन रात चढ़ाये जा .., इस ज्योत ..... जा,
जय श्री माँ की गाये जा .., माँ की ज्योत जगाये जा ..,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

आज नहीं तो करेगा कब रे, सोच भला किस बात की अब रे ...2,
माँ का माँ को कर दे अर्पण, माँ का दिया तुझको सब रे ...2,
हो के मुक्त हर बन्धन से ..., माँ से लौ लगाये जा ..., इस ज्योत .... जा,
जय श्री माँ की गाये जा ..., माँ की ज्योत जगाये जा ...,
इस ज्योत नूरानी से ., सच्ची राह तू पाये जा ., जय श्री माँ की गाये जा .,

जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का 59

जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा, माँ निर्मल का ...2,
माँ निर्मल का ...3, जप लो जप लो...2, जप लो नाम है प्यारा माँ...2,

श्री माँ नज़र महर की करती ..., "कष्ट जगत के पल में हरतीं ...2, ...2,
ऐसा सुन्दर द्वारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

हम सब माँ, तेरे दर पे आये ..., "सहयोग की भक्ति पाये ...2,...2,
प्रेम है सबसे न्यारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

दर्शन माँ के सबने पाये ...3, हम सबके माँ दिल में समाये ...2,...2,
खेल है जग ये सारा माँ निर्मल का ...2, माँ निर्मल का ...3,
जप लो जप लो ...2, जप लो नाम है प्यारा माँ निर्मल का ...2,

जरा गणपति पुले आ के देखो आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें 59

जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,
आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...3,

ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,
गणपति का है स्वयंभू यहाँ पर ...4, गणपति भी यहाँ पर मिलेंगें ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

देवी देव यहाँ पर मिलेंगें ...4, सारे गण भी यहाँ पर मिलेंगे ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

पूरब पश्चिम के सन्त मिलेंगें ...4, सहज योगी यहाँ पर मिलेंगें ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

ब्रह्मा विष्णु यहाँ पर आते ...4, निर्मल माँ की महिमा हैं गाते ...2,
ओ "जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,
आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...3,
ओ जरा गणपति पुले आ के देखो, आदिशक्ति माँ निर्मल मिलेंगें ...2,

जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी 60

"जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी ..." ...2
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2,
निश दिन तेरा ध्यान धरें हम, सिमरें मंत्र तिहारा ...2,
हे शिव शंकर मंत्र जगाओ, होवे घट उजियारा ...2,
नमामि शंकर नमामि शंकर ...2, कृपा करो त्रिपुरारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2
शंख नाद से शब्द जगाकर, स्वर संगीत बहाया ...2
युग युग से ये सृष्टि नाचे, ऐसा डमरू बजाया ...2
शिव का नाम जपे से जग में ...2, सुख पावे संसारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2
तीनों ताप हरण कर लेता, ये त्रिशूल तिहारा ...2
शिव का नाम जपे से जग में, मिलता मुक्ति द्वारा ...2
महा देव पर ब्रह्म विधाता ...2, आये शरण तिहारी ...
जय भोला भंडारी शिव हर जय भोला भंडारी ...2
जय कैलाश पति शिवशंकर ...2, सब जग के हितकारी, जय भोला ...2

जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी 60

जय दुर्गेदुर्गति परिहारिणी ...2, शुम्भ विदारिणी मात भवानी ...2
जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...
आदि शक्ति पर ब्रह्म स्वरूपिणी ...2, जगत जननी चहुँ वेद बखानी...,जय दुर्गे...
ब्रह्मा शिव हरि है रचन कीनो...2, ध्यान धरत सुर नर मुनि ज्ञानी...,जय दुर्गे ...
अष्ट भुजा कर खड्ग विराजे ...2, सिंह सवार सकल वरदानी ...,जय दुर्गे ...

ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...2, ब्रह्मानन्द – ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...
ब्रह्मानन्द शरण में आयो ...2, भव भय दूर करो महारानी ..., जय दुर्गे ...

जय दुर्गे दुर्गति परिहारिणी ...2, शुम्भ विदारिणी मात भवानी ...2, जय दुर्गे...

जय गणेश जय गणेश प्यारे 61

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश प्यारे ...4,

एक दन्त अति विशाल, शोभित सिन्दूर भाल ...2,
मोतीयन की कंठ माला ...2, नैना रत्ना रे ..., "जय गणेश ...2,

केसर को तिलक भाल, कुंडल दो लाल लाल ...2,
रत्न जड़ित कंगन कर ...2, सोहत है न्यारे ..., "जय गणेश ...2,

तुम को जो धरत ध्यान, वाको तुम देत मान ...2,
दुष्टन को करे नाश ...2, भक्तन रखवारे ... "जय गणेश ...2,

सूर नर लेत नाम, पावत बैकुण्ठ धाम ...2,
तुलसी दास करत मान ...2, चरण में तिहारे ..., "जय गणेश ...2,

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश प्यारे ...2,

जय गणपति जी महाराज 61

जय गणपति जी महाराज ...2, तेरी जग में ज्योति समाई है ...4

गौरां मात पिता महादेवा ...2, सब भक्तों के आप हैं खेवा ...2,
है देवों के सरताज, सरताज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है...,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

जग रक्षक पालन कारी है ...2, तेरो मूषक वाहन सवारी है ...2,
तू राखे सबकी लाज, ओ लाज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

लंबोदर चार भुजाधारी ...2, सुत आदिशक्ति आज्ञाकारी ...2,
रह फरसा कर में साज, ओ साज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

लड्डूवन के भोग लगाये हैं ...2, संग फूल पान फल लाये हैं ...2,
तेरा भोग लगावे आज, ओ आज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

सहजी तेरे चरण पखारे हैं ...2, निर्मल आँखों के तारे हैं ...2,
गज मस्तक रहा विराज, विराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...,
जय गणपति जी महाराज, महाराज ..., तेरी जग में ज्योति समाई है ...2,

जय भोले बम बम भोले 62

जय जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...4
जय भोले बम बम भोले ...2
हे उमानाथ हे विश्वनाथ ...2, हे बाघम्बर बाबा भोले ...2
जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...2

छप्पर वाले फक्कड़ बाबा ...2, डमरू ले, राम नाम बोले ...2
जय जय भोले बम बम भोले ...2, तुम राम दरस मारग खोले ...2
जय भोले बम बम भोले ...2, बम बम बम भोले ...4, तुम राम ...2,
डमरू वाले बाबा तेरी लीला है न्यारी ...4, जय जय भोले भण्डारी ...10

जय जय गणपति जयति गणेश 62

जय जय गणपति जयति गणेश ...2, सिद्धि विनायक जय करूणेश ...2
जय जय मंगल मूर्ति गणेश ...2, जननी गिरिजा जनक महेश ...2
जय जय गणपति जयति गणेश ...2, सिद्धि विनायक जय करूणेश ...2

पूजा होती प्रथम तुम्हारी, दोष पाप और संकटहारी ...2,
जयति गजानन जय सर्वेश SS, जयति गजानन जय सर्वेश ...
जय जय मंगल मूर्ति गणेश ...2,

लाभ और शुभ के तुम दाता, तुम हो विद्या बुद्धि विधाता ...2,
निर्मल बुद्धि करो अखिलेश आ SS, निर्मल बुद्धि करो अखिलेश ...
जय जय गणपति जयति गणेश ...2,

रिद्धि सिद्धि के तुम हो स्वामी, देव नमामि, नमामि, नमामि ...2
सबके विध्न हरो विध्नेश SS, सबके विध्न हरो विध्नेश ...
जय जय गणपति जयति गणेश ...2,

जय जय जय श्री निर्मल माँ तू है जन सुखदाई 63

जय जय जय श्री निर्मल माँ, तू है जन सुखदाई ...2,
जय जय जय श्री निर्मल माँ, तू है जन हितकारी ...3,
ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,

पतित पावन जग की दाता, हे जगदम्बे निर्मल माता ..., आ S S ...
तू है दयानी माता भवानी, हे जगराता निर्मल रानी ..., आ S S ...
हे जग जननी, अम्बे रानी, "दुर्गे माता तू है दयानी ...3,

ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,
ओ S जबसे तूने अपनाया है, जिन्दगी खुशियों से भर गई है ...,
जहाँ भी देखूँ, तू ही तू नजर आये, जहाँ भी मेरी नज़र जाये ...,

ओ बोलो जय माता जी ...3, बोलो जय माता जी ...,

जय-जय शिवनन्द गणेश जी 63

जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2
पार्वती के तुम हो दुलारे, निर्मल माँ के आँखों के तारे।

तुम आकर हरो कलेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2
जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2

रिद्धि-सिद्धि के तुम हो दाता, दुखियन के तुम भाग्य विधाता।
तुम आकर हरो कलेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2

जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2
मूलाधार में तुम हो विराजे, शीश गजानन सुन्दर साजे।
देवों के तुम देवेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2

जय-जय शिवनन्द गणेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2
अबोधिता तुम हम में जगा दो, बाधायें सब दूर भगा दो।
हैं आप मेरे सर्वेश जी, हम तेरी शरण में आये ...2, जय-जय शिव..., हम...2

जय श्री माताजी सबसे कहिये 64

जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2
जय श्री माताजी सबसे कहिये...2, जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

जिस विधि ऋषि मुनि माँ को जपते ...2, उसी विधि निर्मल सुमिरन करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

जिस विधि देवता ध्यान हैं धरते ...2, उसी विधि निर्मल ध्यान करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

अघम अगोचर निर्मला माँ को...3, हर पल हर घड़ी चित्त में रखिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

मोक्ष मिलेगा निर्मला माँ से ...3, हाथ जोड़कर वन्दन करिये
जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...2

जय श्री माताजी सबसे कहिये ...2,जिस विधि राखे माँ उस विधि रहिये...4

झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा 64

झिलमिल बिंदिया का माथे पे तारा, निर्मल नैनों में स्नेह की धारा,
शशि मुख पे स्मित रेखा, रूप ऐसा नहीं देखा,
सर्व सुहागन मिल कर आओ, माता जी की पूजा रचाओ,
शीश झुकाओ शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया का माथे पे तारा ...

सतरंगी साड़ियों का घेरा बनाके, माँ को सजाओ री छुपके छुपाके,
माता राणी पे दृष्टि बुरी पड़े ना किसी गैरों की,
सखी लो री बलायें लो, मैया के शुभ पैरों की ...
सतरंगी साड़ियों का घेरा बनाके, माँ को सजाओ री छुपके छुपाके
तेरी जय हो, तेरी जय हो, निर्मल माता तेरी जय हो, ...
कुमकुम लाओ, सिन्दुर लाओ, पंचामृत से चरण धुलाओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

हो री हो झूठी लागे हर इक उपमा ...,
अभिनव श्रृंगार किये, नैनों में प्यार लिये, देवी सी लागे माँ ...2,
जय हो, जय ..., ओ मेरी निर्मल माँ ...
मंगल गाओ, पट को हटाओ, मैय्या के दर्शन सबको कराओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

ममतामयी है मेरी माता, करूणामयी है मेरी माता ...
माता से स्नेह का नाता ...2, ममतामयी है मेरी माता,
करूणामयी है मेरी माता, "जय हो, जय हो, जय हो, तेरी जय हो" ...2
सर्व सुहागन मिल कर आओ, माता जी पूजा रचाओ,
शीश झुकाओ, शुभ आशीष पाओ, झिलमिल बिंदिया के माथे पे तारा ...

झीनी झीनी रे बीनी चदरिया 65

झीनी झीनी रे ...2, बीनी चदरिया ...2
काहे का ताना काहे की भरनी ...2, ओ SS कौन तार से बीनी चदरिया ...2
इंगला पिंगला ताना भरनी ...2, सुष् मन तार से बीनी चदरिया ...2,
झीनी झीनी रे ...2, बीनी चदरिया ...2

आठ कमल दल चरखा डोले ...2, पाँच तत्व गुण कीनी चदरिया ...2
साँई को बिनत मास दस लागे ...2, ओ SS ठोक ठोक कर बीनी चदरिया ...2
झीनी झीनी रे ...2, बीनी चदरिया ...2

सो चादर सुर नर मुनि ओढ़ी ...2, ओढ़ के मैली कीनी चदरिया ...2
ध्रुव ओढ़ी प्रहलाद ने ओढ़ी ...2, सुखदेव निर्मल कीनी चदरिया ...2
दास कबीर जतन से ओढ़ी ...2, ओ SS ज्यो की त्यों धर दीनी चदरिया ...2
झीनी झीनी रे ...2, बीनी चदरिया ...2

झूम झूम के नाचे ये संसार माँ 66

बन्द ही रहती है, माँ के देखने वालों की आँख ...2,
कोई क्या देखेगा, माँ को देखने के बाद ...2,
"ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4," ...2,

मानव जीवन अग्नि परीक्षा ..., आत्मा ज्ञान बस मेरी इच्छा ...2,
मैं तुझसे क्या माँगू मैया ...3, कैसे गिनाऊँ मैं तेरे उपकार माँ ...2,
ये उपकार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

सुख दुख बस इक मन का भरम है ..., निर्मल धर्म ही सच्चा धर्म है...2,
मेरा जीवन तेरी अमानत ...3, हो चेतन बनके बरसे तेरा प्यार माँ ...2,
तेरा प्यार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

इस जग में तेरा प्यार है सच्चा ..., माँ है इक तू, जगत है बच्चा ...2,
हाथ तेरा माँ सबके सिर पर ...3, तेरी दया से होते भव से पार माँ ...2,
भव से पार माँ ...4, ओ झूम झूम के नाचे ये संसार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

मेरी मंजिल माँ की शरण है ..., मेरा मन्दिर माँ के चरण है ...2,
मेरा दिल सहज की गंगा ...3, दुनिया से निराला है तेरा दरबार माँ ...2,
हर दिल ये बोले तेरी जय जयकार माँ ...2, जय जयकार माँ ...4,

जिक्र निर्मल तेरा पाक ओ निर्मल है तू 66

आ आ s s s s s s s ...2, आ आ s s s s s s s ...2,
यहाँ नहीं है, वहाँ नहीं है ...2, क्या हर इक शय से अयाँ नहीं है,
यहाँ नहीं है, वहाँ नहीं है ..., क्या हर इक शय से अयाँ नहीं है,
खुदा कहाँ है, ये पूछते हो ...2, "भला बताओ तो कहाँ नहीं है ...2,

बना के खुद को बंदा, तुझको सजदा कर लिया मैंने ...2,
अब मंहगा हो कि सस्ता हो s...2, "ये सौदा कर लिया मैंने ...3,
किसी भी दर पे झुकने की नौबत नहीं आती ...3,
निर्मला पाक पर, जब से भरोसा कर लिया मैंने ...2,

आ ss "जिक्र निर्मल तेरा ...2, ओ जिक्र निर्मल तेरा ...
जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ निर्मल है तू ...4,

कोई तुझ सा नहीं, सबसे बढ़कर है तू ...3,
निर्मला निर्मला मेरी माँ निर्मला ...2,
निर्मला ऽऽ निर्मला ऽऽ निर्मला ऽऽ मेरी माँ...3,जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ...2,

लफ्जे उनसे बनाये ज़मीं ताफलक ...2,
तेरे मोहताज हैं जिन बशर और मलक,
हर नज़ारे में पाकीजगी की झलक ...2,

नूर फैला हुआ है तेरा चार सू, "अल्लाह हू वाह दाहु या शरीका लाहु ...2,
अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू ...2,
अल्लाह हू अल्लाह हू अल्लाह हू...2,, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ ...2,
जिस्म दिल को दिया, दिल को धड़कन भी दी ...4,
दे के आँखे मुझे, रोशनी बख्श दी ...2, पैदा करने से पहले दिया रिज्क भी...2,
सबका राजिक है मालिक है पालिक है तू,

अल्लाह हू वाह दाहु या शरीका लाहु ...2,
अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू अल्लाह हू हू ...2,
अल्लाह हू अल्लाह हू अल्लाह हू ...2, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ...2,

सबसे बढ़कर यही नाम है या खुदा ...2,
निर्मला माँ की उन्मत ने पैदा किया ...2, "शुक्र तेरा ...2, तेरा ...3,
शुक्र तेरा करें कैसे, हम सब बता ...2, हम है बंदे तेरे, और माता है तू ...
निर्मला निर्मला मेरी माँ निर्मला ...4, जिक्र निर्मल तेरा, पाक ओ ...2,

जिन आँखों से बहता है करूणा का वो दरिया 68

जिन आँखों से बहता है, करूणा का वो दरिया ...2,
उन आँखों की मालिक है, मेरी प्यार भरी मैया ...2, जिन आँखों से ...

जिन आँखों में झलके है, ममता की वो महिमा ...2
इक नज़र को तरसे है, वो सारी ही दुनिया ...2
चौखट पर मचलेंगीं, प्रतिभा की वो घड़ियाँ ...2
बन शमां बुलायेंगीं, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से ...

जो आँखें कटाक्ष से, रंगती हैं सब स्थितियाँ ...2
उन आँखों की ज्वाला में, जलती हैं सब त्रुटियाँ ...2
अब पावन बन बन कर, करते हैं रंगरलियाँ ...2
ये खेल रचाती है, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से ...

जिन आँखों के भरने से, छलके हैं वो खुशियाँ ...
उन खुशियों में खिलती हैं, हृदय की वो कलियाँ ...2
इन रसमय कलियों से, महके है ये दुनिया ...2
करे जग को ये रौशन, मेरी प्यार भरी मैया ..., जिन आँखों से...

जिनके मन निर्मल माँ बसी 68

जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो ...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो ...2,

कोई पुण्य कोई दान करे ...2, कोई दान का झूठ बखान करे ...,
जिन कर्मों फलों का दान दियो ...,"उन्हों और कोऊ दान दियो ना दिया ...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो...2,

कोई अन्न तजे कोई जल को तजे...2, कोई खा पीकर ईश्वर को भजे...,
जिन पाप कर्म उपवास कियो...2, उन्हों कोन्हू उपवास कियो ना कियो...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना किया...2,

कोन्हू काशी गयो कोन्हू मथुरा गयो...2, दोनों मानसरोवर सैर कियो...,
जिन निर्मल माँ की शरण लियो ...2, उन्हों और कोऊ धाम गयो ना गया...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी...2, उन्हों जप तप जाप कियो ना कियो...2,

कोई जप को धरे कोई तप को वरे...2, कोई तन्त्र साधना पूर करे ...2,
जिन सहजयोग का पथ है लियो ...2,उन और कोऊ राह लियो ना लियो...2,
जिनके मन निर्मल माँ बसी ...2,"उन्हों जप तप जाप कियो ना किया...7,

जिसकी जुबाँ पे माँ निर्मल का नाम आ गया 69

जिसकी जुबाँ पे माँ निर्मल का नाम आ गया ,
उस प्राणी को जन्मों का आराम आ गया ... 2,
वो दुख ना कभी फिर पाये, वो हर पल ही मुस्काये ... 2,
वो खुशी खुशी से जीने का ईनाम पा गया ... 2,
जिसकी जुबाँ पे, जिसकी जुबाँ पे .....

श्री माँ जी के जिन चरणों ने..., "डूबते पत्थर तारे ...2" ... 2,
जब जब डोले भंवर में नैया, "माँ ने दिये सहारे ...2" ... 2,
माँ सबकी है हितकारी, माँ को पूजे दुनिया सारी ...2,
माँ चरण कमल में, जो भी मुकाम पा गया ...2,
जिसकी जुबाँ पे, जिसकी जुबाँ पे .....

श्री माँ जी की इन अंखियों में "सारी सृष्टि समाई ...2" ... 2,
देकर प्यार श्री माँ जी ने ये "दुनिया नई बसाई ..2" ... 2,
दो अंखियाँ मन में धर लो ... 2, श्री माँ जी को मन में रख लो ... 2,
समझो तो छोटा सा जीवन ये काम आ गया ...2,
जिसकी जुबाँ पे, जिसकी जुबाँ पे .....

श्री माँ जी के चरण कमल है, "सारे जग से न्यारे ..2" ... 2,
कैसा भी कोई पापी हो वो, "माँ ने पल में तारे ...2" ... 2,
चाहे गौतम ऋषि की नारी, केवट की नाव बेचारी ... 2,
वो तरा जगत से जिसको माँ का प्यार भा गया ... 2,
जिसकी जुबाँ पे, जिसकी जुबाँ पे ..... गया ....

वो दुख ..... मुस्काये ... 2,..., वो खुशी खुशी ..... आ गया ... 2,
जिसकी जुबाँ पे ....., उस प्राणी ..., आ गया ..., आराम आ गया ..6,

कभी राम बनके कभी श्याम बनके 70

"कभी राम बनके ..., कभी श्याम बनके ...
चले आना माता जी, चले आना" ...2
कभी गणेश रूप में आना ...2
गौरा साथ लाना, भोलापन सिखलाना, चले आना माता जी...
कभी ब्रह्मा रूप में आना 2
सरस्वती को साथ लाना, शुद्ध विद्या देना, चले आना माता जी ...
कभी विष्णु रूप में आना ...2,
लक्ष्मी साथ लाना, चक्र साथ लाना, चले आना माता जी ...2
कभी शिव जी रूप में आना ...2,
गौरा साथ लाना, डमरू हाथ लाना, चले आना माता जी ...

कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे 70

कान्हा की बंसी बजे धीरे धीरे, श्याम की बंसी बजे धीरे धीरे ...2,

एक तरफ गोकुल, एक तरफ मथुरा ...2, बीच में यमुना ...2,
बहे धीरे धीरे ..., बीच में यमुना ..., बहे धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

एक तरफ देवकी, एक तरफ यशोदा ...2, बीच में कान्हा ...2,
चलें धीरे धीरे ..., बीच में कान्हा ..., चलें धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी...2,

कभी राधा रूठ जाये, श्याम मनावें ...2, लीला/रास रचायें ...2,
श्याम धीरे धीरे ..., राधा को मनावें धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

श्री माँ s s, ऐ री माँ ss ... कदम्ब की डार पे, झूला पड्यो है ...2,
राधा को झूलावें ...2, श्याम धीरे धीरे ..., कान्हा की बंसी ...2,

हृदय में हमने माँ ...2, झूला सजाया, हृदय में हमने माँ झूला सजाया ...
तोहे झूलावें हम धीरे धीरे ..., माँ को झूलावें सब धीरे धीरे ...,
निर्मल माता जग की दाता, आदिशक्ति भाग्य विधाता, कान्हा की बंसी ...2,

सहज का माँ ने दीप जलाया ...4, पास बुला के ...2, पार लगाया ...2,
निर्मल माता जग की दाता, आदिशक्ति भाग्य विधाता, कान्हा की बंसी ...2,

करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला 71

मृदुभाषिणी कमलनयनी सहजयोगिनी करूणामयी ... करूणामयी
करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला ...2
मृदुभाषिनी सहजयोगिनी माता निर्मला ...2
श्री सदाशिव आदिशक्ति माता निर्मला ...2
भक्ति प्रिया भक्ति गम्या माता निर्मला ...2,
करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला ...2, श्री माता निर्मला

निरंजना निराधारा माता निर्मला, निष्कलंका निष्कामा माता निर्मला,
निराकारा निराकुला माता निर्मला, निर्गुणा निष्कला माता निर्मला,
निर्विकारा S नित्यमुक्ता माता निर्मला, निराश्रया निरंतरा माता निर्मला,
निष्कारणा, निरूपाधिः, निरीश्वरा, निरागा, निर्मदा, निश्चिन्ता,
निरहंकारा निर्मोहा माता निर्मला, निर्ममा निष्पापा माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला...2, करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला...2

महापूज्या महाशक्ति माता निर्मला, महामाया महादेवी माता निर्मला,
महारति भगवती माता निर्मला, रक्षाकरी परमेश्वरी माता निर्मला,
राक्षसघ्नी, नित्ययौवना, पुण्यलभ्या, अचिंतरूपा, गुरूमूर्ति,
योगदा, एकाकिनी, सुखराध्या, शुभकरी, प्राणरूपिणी,
शोभना सुलभागतिः माता निर्मला, सच्चिदानन्द रूपिणी माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला...2, करूणामयी कमलनयनी माता निर्मला...2

चंडिका त्रिगुणात्मिका माता निर्मला, महती परमाणुः माता निर्मला,
वीरमाता पाशहंत्री माता निर्मला, गम्भीरा गर्विता माता निर्मला,
क्षिप्रप्रसादिनी, सुधास्रुतिः, धर्माधारा, विश्वसाक्षिणी, स्वस्था,
प्रमोदरा, शाश्वती, लोकातीता, शमात्मिका, लीलाविनोदिनी,
स्वभावमधुरा माता निर्मला, धीरसमर्चिता माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला ...2,

अकुला भवानी माता निर्मला, नित्या निर्लेपा माता निर्मला,
निस्तुला नीलचिकुरा माता निर्मला, निर्नाशा निरत्यया माता निर्मला,
विष्णु ग्रन्थि विभेदिनी, देवकार्य समुद्यता, विश्वग्रासा, पराशक्ति,
पावनाकृति, चन्द्रनिभा, पुष्टिः, रविप्रख्या, चित्तशक्ति, विमला,
विलासिनी, वरदा, विजया, वण्दारूजन वत्सला,
सहजयोग दायिनी माता निर्मला, माता निर्मला श्री माता निर्मला ...2,

विश्वगर्भा महाराज्ञी माता निर्मला, निसंशया निरूपप्लवा माता निर्मला,
निर्विकल्पा निर्भावा माता निर्मला, निष्क्रिया निराबाधा माता निर्मला,
निष्परिग्रहा, निरापया, सुखप्रदा, पद्मासना, महालज्जा, विश्वरूपा,
सान्द्रकरूणा माता निर्मला, महापातक नाशिनी माता निर्मला,
माता निर्मला श्री माता निर्मला ...2, माता निर्मला श्री माता निर्मला ...8

करूणामयी माँ आपका हमको सदा आधार हो 72

करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ...,
आपकी भक्ति से ही माँ ...2, परिपूर्ण ये संसार हो ...2, करूणामयी माँ...
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ...

माता पिता बन्धु सखा, माँ ज्ञान हो माँ प्राण हो ...2,
माँ आत्मा परमात्मा ...2, इस जग की पालनहार हो ...,
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ..., आपकी भक्ति से ही माँ....

अहंकार प्रति अहंकार से, हमको बचाना माँ सदा ...2,
शुद्ध और निर्मल हमारा ...2, सर्वदा आचार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो..., आपकी भक्ति से ही माँ...

प्रेम और आनन्द से, हम गीत गायें आपके ...2,
हर दिल में बहता आपका ही ...2, प्रेम पारावार हो ...,
करूणामयी माँ आपका, हमको सदा आधार हो ..., आपकी भक्ति से ही माँ...

आपके आशीष से ही, बह चली है सहज धारा ...2,
इस लोक से ब्रह्म लोक तक ...2, आपकी जयकार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो...,आपकी भक्ति से ही माँ...

वन्दना कर सुमिरन करें, पूजन करें माँ आपका ...2,
सहज ज्योति से सदा ...2, रोशन सहज परिवार हो ...,
करूणामयी माँ आपका,हमको सदा आधार हो...,आपकी भक्ति से ही माँ...

कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम 73

कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेको हैं नाम ...2

कोई कहे नटखट नन्द किशोर, कोई कहे गिरधर माखन चोर ...2
मथुरा, बृन्दा, गोकुल अनेकों हैं धाम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों है नाम ...2

मुरली बजाई गोपियन को रिझायो, कुंज गलियन में रास रचायो ...2
माखन चुरायो गोकल में सरेआम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2

फोड़ मटकिया नीर बहायो, गोपियन को जल से नहलायो ...2
चैतन दीन्हो बिखेर घनश्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2

ग्वाल–बालन संग धेनु चरायो, काली देह करके गोकुल को बचायो ...2
गोकुल में कान्हा मच गयो कोहराम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों हैं नाम ...2
कोई कहे कान्हा कोई कहे श्याम, कान्हा श्याम तेरे अनेकों है नाम ...2

कोई माने या ना माने 73

कोई माने या ना माने दिलदारा, अस्सो तां तैनू रब्ब मनया ...2
दस हौर केड़ा रब्ब दा द्वारा हो SS ....2, अस्सां तां तैनू रब्ब मनया ...2
कोई माने या ना माने 2

तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2 आ SSS जीना SS जीना आ SSS
तुझ बिन जीना SSS जीना SSS – तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2
आ निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2
कोई किसी के साथ है कोई किसी के साथ ...2
किसी के साथ ...2 किसी के साथ ...2
कोई किसी के साथ है कोई किसी के साथ ...,
मेरी तो जिन्दगी है फकत आप ही के साथ...,निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल...2
तुझ बिन जीना भी क्या जीना ...2 तेरी चौखट मेरा मदीना ...2

कहीं ओर ना सजदा गुजारा ओ ... ऽऽ कहीं ओर ना सजदा गुजारा
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया – कोई माने या ना माने .....

ऊचिंयो ते लम्मिया लाल खजूंरा पत्त जीना दे सावें ...2
ऊचिंयो, ऊचिंयो, ऊचिंयो, ऊचिंयो, ऊचिंयो,
ऊचिंया ते लम्मिया लाल खंजूरा पत्त जिना ते सावे
ऐसा गरीबा मैनू बतला जैनू माँ नजर ना आवे निर्मल, निर्मल, निर्मल ...2
माँ तू नमाज में से आये तो नमाज दे जमाना ...2
माँ करीम ही जो ठहरी तो करम का क्या ठिकाना,
मुझे इसका गम नहीं है कि बदल गया जमाना
मेरी जिन्दगी की मालिक कही तू बदल ना जाना"
निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2

अपने तन की खाक उड़ाई ...2
किसी के कान में हीरा, किसी के नाक में हीरा ...2
हमें हीरे वालों से क्या, मेरी तो माँ ही है हीरा 2
अपने तन की खाक उड़ाई, अपने तन की ऽऽऽ खाक ...2
अपने तन की, अपने तन की, अपने तन की, अपने तन की, खाक उड़ाई
"प्यार दिल दे करम पाया ते उठाया ना गया ...2
दर्दे दिल अखां विच, उमड़ आया ते छुपाया ना गया
ऐ मेरी सदा में मोहब्बत की हकीकत श्री माँ जी
तेरे दर पे सर झुकाया तो उठाया ना गया
अपने तन की खाक उडा़ई
तुम्हीं से कहेगा ये सारा जमाना 3

अगर गम के मारों की हालत ना बदली ...4
तुम्हीं सोच लो कौन बदनाम होगा ...2
तुम्हीं सोच लो कौन बदनाम होगा ...2 अल्लाह "
अगर गम के मारो की हालत ना बदली, तुम्हीं सोच लो कौन बदनाम होगा..
तुम्हीं से कहेगा ये सारा जमाना ...2 के मुख्तार हो के भी किस्मत ना बदली

तुम बिन जीना, तुम बिन जीना, तुम बिन जीना तुम बिन जीना ...2
अपने तन की खाक उड़ाई ...2 तब ये इश्के दी मंजिल पाई ...2
तूने मुझको सिखाया पिंजारा ...2 अस्सा तां तैनू रब्ब मनया
कोई माने या ना माने दिलदारा ....

हंसते-हंसते हर गम सहना हंसते हंसते हंसते हंसते
हंसते हंसते हर गम सहना ...2 ऐ आ आ आ आ आ आ ...2
"पढ़त-पढ़त मोरी उमर बीत गई पढ़ ना सकी इक पाड़ा ...2
पढ़त पढ़त मोरी उमर बीत गई मैं तो पढ़ ना सकी इक पाड़ा ...2
जब से सुरतिया तुमरी देखी, पढ़ गई तीन सौ बारा ...
हंसते हंसते हर गम सहना ...2 निर्मल निर्मल निर्मल निर्मल ...2
हंसते हंसते हर गम सहना ...2 राजी तेरी हर रजा-विच रहना ...2
तेरी चौखट पे ही मर जाना, माँ तेरी चौखट पे ही मर जाना
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया, कोई माने या ना माने दिलदारा

तुझ बिन जीना, तुझ बिन जीना, तुझ बिन जीना ...2,
कागा कागा कागा ... , कोई उनसे जा के कह दे जो सबसे परे बैठे हैं
अरे वो नहीं जो उनसे भी परे बैठे है, अरे वो भी नहीं जो सबसे परे बैठे हैं -
कोई उनसे जा के कह दे कि हम उन पर मरे बैठे हैं।
तुम बिन जीना तुम बिन जीना भी क्या जीना...2, माँ तुम बिन जीना भी ...
कागा सब तन खायो "चुन चुन खायो माँस रे ...2
कागा ....4, कागा सब तन खायो और चुन चुन खायो मांस ...2
दो नैना मत खायो...2, ओ. दो नैना मत खायो मोरी माँ की लगी आस
तुम बिन जीना तुम बिन जीना भी क्या जीना...2, माँ तुम बिन जीना भी ...
तेरी चौखट मेरा मदीना ...2, कहीं ओर ना लगदा गुजारा, कोई माने या ....

तसवी के दानों को बिखरने नहीं देती है... 2,
जिसको बनाती है बिगडने नहीं देती है, कोई माने या ना माने दिलदारा ....
अस्सां तां तैनू रब्ब मनया कोई माने या ना माने दिलदारा ..

कृष्ण जिनका नाम है गोकुल जिनका धाम है 76

"कृष्ण जिनका नाम है, गोकुल जिनका धाम है
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2," ...2,
यशोदा जिनकी मैया हे, नन्दजी बापइया हैं
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2,

लूट लूट ब्रज माखन खायो, ग्वाल बाल संग धेनु चरायो ...2,
ऐसे लीला धाम को, ऐसे गोपाल को, "बारम्बार प्रणाम है ...2,
ध्रुपद सुता की लाज बचायो, जटा से जग को फन्द छुड़ायो
ऐसे श्री भगवान को ...2, बारम्बार प्रणाम है ...2,

लाल लाल चुनरी सितारों वाली 76

"लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली " ...2,

जिसको ब्रह्मा ने बनाया, जिसको विष्णु ने सजाया ...2,
जिसको भोले ने रंग में रंग डाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई... वाली...

"रंग चुनरी का शक्ति अपार देता ...2, "पाप मन में बसे, इसको
मार देता ...2, "इसने सारी अला बला सहजी की टाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई ... वाली...,

"जिसके कोने में रिद्धि सिद्धि रहती हैं ...2, "शुभ और लाभ, भक्तों
को देती हैं ...2, "सहजी के मन को ये चुनरी भाने वाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई,निर्मल शेराँ वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई ...वाली...,

"माँ के सर पे ये चुनरी सुहानी लगती ...2, "सारी दुनिया है, माँ की
दीवानी लगती ...2, "दुख के बादल दूर ये भगाने वाली ...2,
जिसे ओढ़ कर आई, निर्मल शेराँ वाली ..., लाल लाल,
लाल लाल चुनरी सितारों वाली ओ सितारों वाली ...,
जिसे ओढ़ कर आई,निर्मल शेराँ वाली, ओ जिसे ओढ़ कर आई... वाली...,

लाल पीली नीली रंगी 77

लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है
"भक्ति प्रिया भक्ति गम्या रक्षा करने आई है
दुर्गति से हमें बचाने दुर्गा मैया आई है" ...2
भवसागर से पार कराने भवानी मैया आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है
"पर्वत राज कुमारी श्री पार्वती मैया आई है
कलियुग से हमें बचाने कल्की मैया आई है" ...2
मोक्ष का मार्ग बताने निर्मल माता आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है
"माया से हमें बचाने विष्णु माया आई है
परमानन्द दिलाने मैया आनन्दरूपिणी आई है" ...2
सत्य साधक को बचाने मैया सत्यरूपिणी आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है।
"सोने वाले जागो ...2 माता तुम्हें जगाती है
समय ना व्यर्थ गँवाओ, आओ माता तुम्हें बुलाती है" ...2
आत्मज्योत जगाने मैया, सहस्त्रार स्वामिनी आई है
लाल पीली नीली रंगी फूलां ये बताती है
लाल चुनरी ओढ़ के मैया सिंह पे पधारी है

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे प्यारे की पैंजनिया बाजे रे 78

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
हाँ लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
झूम झूम झूम झूम छ न न न न न न न ...2, लल्ला की पैंजनिया .....

जसुमति सुत को चलन सिखावे ..., जसुमति सुत को S S S
जसुमति सुत को चलन सिखावे ...2, अंगुरी पकड़ बिचकनिया ...,
देखो री सखी, अंगुरी पकड़ बिचकनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

पीत झकुलिया तन पर सोहे ..., पीत झकुलिया S S S
पीत झकुलिया तन पर सोहे ...2, सर टोपी लटकनिया ...,
देखो री सखी, सर टोपी लटकनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

अंग अंग सब भूषण साजे ..., अंग अंग सब S S S
अंग अंग सब भूषण साजे ...2, मन्द मन्द मुस्कनिया ...,
देखो री सखी, मन्द मन्द मुस्कनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

तीन लोक जाके उदर बसत है ..., तीन लोक जाके S S S
तीन लोक जाके उदर बसत है ...2, ताहे नचावे नन्दरनिया ...,
देखो री सखी, तोहे नचावे नन्दरनिया ..., लल्ला की पैंजनिया .....

लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
हाँ लल्ला की पैंजनिया बाजे रे, प्यारे की पैंजनिया बाजे रे,
झूम झूम झूम झूम छ न न न न न न न ...2, "लल्ला की पैंजनिया 3

लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे 78

लिखने वाले तू होकर दयाल लिख दे।
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...2,
माथे पे मेरे लिख दे, ज्योति मैया ...3,
कानों में सहजयोग नाम लिख दे, मेरे कानों में ...
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

आँखों में लिख दे मेरे, सूरत मैया की ...3,
मेरी जिव्हा पे मैया जी का नाम लिख दे ...2,
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

हाथों में लिख दे मेरे, सेवा मैया की ...3,
मेरे हृदय में माँ निर्मल का नाम लिख दे ...2,
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

एक मत लिखियो मेरी मैया से विछोहना ...3,
और चाहे सारा संसार लिख दे, तू और चाहे सारा संसार लिख दे
मेरे हृदय विच मैया का प्यार लिख दे ...

माँ बिन करूणा कौन करे 79

माँ बिन करूणा कौन करे, "मोरी माँ बिन करूणा कौन करे ...3,
हम अज्ञानी कुछ भी ना जाने ...2, हीया पे कौन धरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

जनम जनम की पूँजी पाई ...2, धन्य धन्य भाग बढ़े ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

वस्तु अलौकिक दी मोरी माँ ने ...2, जनमों के पुण्य फले ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

जिसकी नैया माँ के हवाले ...2, तूफाँ से काहे डरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

परम धाम भई आत्मा हमरी ...2, श्री माँ के चरण धरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

सुरती जागी जबसे हमारी ...2, हीया में सुगंध भरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

हम अज्ञानी कुछ भी ना जाने ...2, हीया पे कौन धरे ...2
हो S S हो S S माँ बिन करूणा कौन करे, मोरी माँ बिन करूणा ...

माँ का जन्म दिन आया कि हिल मिल मंगल गाओ रे ८०

माँ का जन्म दिन आया कि, हिल मिल मंगल गाओ रे...2,
सबका मन हर्षाया कि, हिल मिल मंगल गाओ रे...2,

आज का दिन है कितना पावन, शुभ संदेश है लाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

नैनों में सबके छाई मस्ती, दर्शन माँ का पाया... हो दर्शन माँ का पाया ...,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ निर्मल है प्रेम सागर, भर भर के छलकाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ की ममता फैली जग में, जग उजियारा छाया... हो जग उजियारा छाया...,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

माँ का जन्म दिन सबको मुबारक, वन्दन माँ का गाया...2,
कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2, माँ का जन्म दिन आया ... ...

नत मस्तक हो शीश झुकायें, आशीष माँ का पाया...
हो आशीष माँ का पाया ..., कि हिल मिल मंगल गाओ रे...2,
माँ का जन्म दिन आया..... सबका मन हर्षाया... ...

माँ का नाम अति मीठा है ८०

माँ का नाम अति मीठा है ...2, कोई गा के देख ले ...2
माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले S S ...
माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले SS, माँ का नाम अति मीठा है

जिस मन में अभिमान भरा हो, माँ कहाँ से आये ...2
घर में हो अंधकार भरा, मेहमान कहाँ से आये ...2
माँ के नाम की ज्योति हृदय ...2, जला के देख ले S S ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले ऽऽ, माँ का नाम अति मीठा है ...

गीत अजामिल गज गणिकायें, ऐसी करे कमाई ...2
नीच करम का करने वाला, तर गया सघन कसाई ...2
पत्थर से हरी प्रकटे हैं ...2, प्रकटा के देख ले ऽऽ ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले ऽऽ, माँ का नाम अति मीठा है

आधे नाम पे आ जाती है, है कोई बुलाने वाला ...2
बिक जाती है माँ, कोई है मोल चुकाने वाला ...2
कोई जौहरी आके ...2, मोल लगा के देख ले ऽऽ ...
माँ का नाम ...2, मोरी माँ का नाम, माँ का नाम,

मोरी माँ का नाम अति मीठा है ..., कोई गा के देख ले ...2
आ जाती है माँ कोई, बुलाके देख ले ऽऽ, माँ का नाम अति मीठा है

माँ की शरण में रहना सहजी जीवन की चतुराई 81

माँ की शरण में रहना सहजी, जीवन की चतुराई
प्रातः समय में ध्यान करना, सहज की है गहराई...2, माँ की शरण... चतुराई...
माँ की महिमा कितनी न्यारी, माँ हमारी सबसे प्यारी ...,
नैनों में ये प्यार भरा और, वाणी में मधुराई...2, माँ की शरण... ... चतुराई...
विचलित मन जब ध्यान में हो ना, विचारों से मन दूर ही रखना ..,
पूर्ण समर्पण जब हो माँ से, जाती है कठिनाई...2, माँ की शरण... ... चतुराई ...
सब मिलकर ये पूजन करना, पूजन करके ध्यान में रहना ...,
मंगलमय पूजा अवसर पर, गूँजती है शहनाई...2,माँ की शरण... ... चतुराई ...
माँ की शरण में रहना सहजी, जीवन की चतुराई ...2,
प्रातः समय में ध्यान करना, सहज की है गहराई...2, माँ की शरण... .चतुराई...

माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो 82

माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो,
माँ भक्तों की रखवाली, मेरा सहारा तुम ही हो...2, माँ निर्मल .....

मैं निशदिन तुझको ध्यायूँ, मैं तेरे ही गुण गाऊँ ... 2,
मुझे अपना दास बनालो, मेरा सहारा तुम ही हो... 2, माँ निर्मल .....

माँ बेड़ा पार करादो, हमको शिव से मिला दो ... 2,
स्वयं से मुझे मिला दो, मेरा सहारा तुम ही हो ...2, माँ निर्मल .....

मेरे दिल में है तेरा डेरा, मैंने पकड़ा आँचल तेरा ... 2,
मुझे आँचल में छिपा लो, मेरा सहारा तुम ही हो ... 2,
माँ निर्मल भोली भाली, मेरा सहारा तुम ही हो,
माँ भक्तों की रखवाली, मेरा सहारा तुम ही हो, मेरा सहारा तुम ही हो ...,6

मैं नूर तेरा बन जाऊँ, बस तुझमें ही खो जाऊँ ... 2,
मुझे अपने में समा लो, मेरा सहारा तुम ही हो..., मेरा सहारा तुम ही हो ...,6

चैतन्य की लहरें बहती, माँ तुमसे है ये कहती ... 2,
चैतन्य से हमें मिला दो, मेरा सहारा तुम ही हो ...2, मेरा सहारा तुम ही हो,

माँ निर्मल तेरे योगी हम 82

माँ निर्मल तेरे योगी हम, निर्मल हो हमारे करम
जग को जागृत करें, सबका स्वागत करें, यह विश्व निर्मला धर्म

सहजयोग का करने प्रचार..., जब जायेंगें हम द्वार द्वार
वो चैतन्य परम की अनुभूति चरम..., परब्रह्म से हो साक्षात्कार
ब्रह्मरन्ध्र उद्धित हो स्वयं... , निर्विचारिता होवे सुगम..., जग को जागृत करें ....

ध्यान करने का हो सबको ज्ञान...,"इड़ा पिंगला सुषुम्ना का भान ...2
सबमें जागे लगन साधना में मगन, साधकों को हो निर्मल ज्ञान
निर्विकल्प समाधि के सम, साधना में ये मन जाये रम... जग को जागृत करें...

तू सूरज हम तेरी किरण, सदा लौकित करेगें कण–कण ...2
आज माँ के समक्ष, सब सहजी समस्त, अपने हृदय में लेगें ये प्रण,
जो मिले उसको दें जागरण, जन–जन का हो दूजा जनम
जग को जागृत करें, सबका स्वागत करें .....

माँ निर्मला हमें तुम 83

माँ निर्मला हमें तुम अपनी कृपा का वर दो ...2
हमें आत्म ज्ञान देकर, आत्मा स्वरूप कर दो ...2
हे माता आदिशक्ति चरणों की दे दो भक्ति ... चरणों .....
हृदय में बस के श्री माँ, सागर दया का भर दो ...2
सर्वस्व तुमको अर्पण, "चरणों में हो समर्पण .... 2 ...
बस ये है शुद्ध इच्छा, परिपूर्ण इसको कर दो ...2
सहजी तुम्हें पुकारें, "आओ हृदय हमारे ... 2 ...
आ कर कृपा करो माँ चैतन्य हम में भर दो ...2
हम में ही ना महज हो, "जन–जन में माँ सहज हो... 2 ...
अपनी कृपा का श्री माँ, उपकार हम पे कर दो
माँगें न और ज्यादा, "इच्छा है इतनी माता ... 2 ...
मेरे सहज कुटुम्ब का विस्तार जग में कर दो ...2
माँ निर्मला हमें तुम अपनी कृपा का वर दो ...2
हमें आत्म ज्ञान देकर, आत्मा स्वरूप कर दो ...2

माँ राम हैं माँ रहीम हैं 84

माँ राम हैं, माँ रहीम हैं ...2, माँ करीम कृष्ण खुदा भी हैं ...2
सीता भी माँ, राधा भी माँ...2,कल्की का माँ अवतार हैं...2, माँ राम हैं ...2,
इस तन में माँ, इस मन में माँ ...2, इस जग के हर कण कण में माँ ...2
साकाऽर हैं, निराकाऽर हैं ...2, आदि अनादि विराट हैं ...2, माँ राम हैं ...2
माँ ही वेदों में, माँ पुराण में ...2, बाईबल में माँ ही कुरान में ...2
मनोहारिणी भवतारिणी ...2, हृदय बसी जगदम्बे हैं ...2, माँ राम हैं, माँ...
कहीं माँ की धुन, कहीं आह्वाहन ...2, करूणामयी की है सब रचन ...2,
जग जननी जग कल्याणी माँ ...2, आदि गुरू पराशक्ति हैं ...2, माँ राम...

हर युग के हर दर्पण में माँ ...2, नया रूप अपना बदलती हैं ...2,
हम जाने हैं पहचाने हैं ...2, उद्धार हेतु आई हैं ...2, माँ राम हैं, माँ रहीम हैं,
सीता भी माँ, राधा भी माँ ...2, कल्की का माँ अवतार हैं ...2

मैं नाचूँ तोरे अंगना में 84

"नाचूँ तोरे अंगना में, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2," ...2,

गणपति नाचे, कार्तिकेय नाचे ...2, संग संग सारे सहजी नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

ब्रह्मा नाचे, विष्णु नाचे ...2, संग संग सारी सृष्टि नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

शिवजी नाचे, नन्दी नाचे ...2, संग संग सारे गण भी नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

कृष्णा नाचे, राधा नाचे ...2, संग संग सारे गोकुल नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

मैरी नाचे, जीसस नाचे ...2, संग संग सारा ब्रह्माण्ड नाचे ...2,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

हम भी नाचे, तुम भी नाचो ...2, संग संग सारे सहजी नाचे ...2,
छोड़ शरम लाज, नाचे SSS माँ के अंगना में ...,
मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,
छोड़ शरम इक बार, मैं नाचूँ तोरे अंगना में ...2,

मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो 85

मैया ना बोलूँ मैं झूँठ ...2, कि माख़न मैं नहीं खायो री ....,
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ....,
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री ....,
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

भोर से मैं गईयन को रखवारो ...2, चुगा के गईयन को मैं हारो ...2,
भोर से मैं गईयन को रखवारो, चुगा के गईयन को मैं हारो ...,
साँझ परे अंधियारो, जब मैं घर में आयो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल, ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

मात मौसू कह तू जितनो छोटो ...2, माँ S S S S S
मात मौसू कह तू जितनो छोटो ...2, कन्हैया उतनो ही तू खोटो ...2,
मैं बहियन को छोटो, छीको कैही विध पायो री ...2,
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

ग्वाल मुझे चोरी में फँसवावें ...2, "माँ S S . हे माँ S S S ...3"...2,
ग्वाल मुझे चोरी में फँसवावें ...2, मुझे वे पीटे और पिटवावे ...2,
मुझको चोर बतावें, वो झूँठा दोष लगायो री ...
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

तूने ही मुझपे दोष लगाया माँ तूने ही मुझपे दोष लगाया ...2,
जोर ते पकड़ कान, धमकायो ...2,
ना उर कंठ लगायो, भेद तेरे दिल उपजायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

काल ते मैं ना गईयन पे जाऊँ ...2, माँ s s s s s ...2,
काल ते मैं ना गईयन पे जाऊँ ...2, ना अब लकुटि कंवरिया खाऊँ ...2,
नन्द बाबा को जाये सिखाऊँ मैं, क्यूँ धमकायो री ...
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

देख के कान्हा की चतुराई ...2, यशोदा माँ मन्द मन्द मुस्काई ...2
देख के कान्हा की चतुराई, निर्मल माँ मन्द मन्द मुस्काई ...
वे उर कंठ लगायो, गोद में सुत बैठायो री ...
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री ...2
मैं नहीं खायो री, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि मैया ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री
कि निर्मल ना बोलूँ मैं झूँठ, कि माख़न मैं नहीं खायो री

मैया तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाये 87

मैया तेरे चरणों की ...2, गर, धूल जो मिल जाये ...
सच कहता हूँ निर्मल माँ ...2, तकदीर बदल जाये ..., मैया तेरे चरणों ...

ये मन बड़ा चंचल है, कैसे तेरा ध्यान धरूँ ...3
जितना इसे समझाऊँ ..., जितना इसे बहलाऊँ ..., उतना ही मचल जाये...
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

सुनते हैं तेरी रहमत, दिन रात बरसती है ...3
इक बूँद जो मिल जाये ...2, दिल की कली खिल जाये ...
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

नजरों से गिराना ना, चाहे कितनी सजा देना ...3
नजरों से जो गिर जाये ...2, मुश्किल ही संभल पाये ...,
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

मैया इस जीवन की बस, इतनी तमन्ना है ...3
तुम सामने हो मेरे ...2, मेरा जीवन संवर जाये ...,
मैया तेरे चरणों की ...2, यदि धूल जो मिल जाये ..., सच कहता हूँ ...

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो 88

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो, माँ रूप सलोनो ...2
ममता रा लाग्या भंडार, माँ निर्मल थारे आंगणिये ...2

मैया थारे मुखड़े री चमक निराली ...2, माँ चमक निराली ...2
चाँद सूरज शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगणिये...2

मैया थारो कंगना रंग बिरंगा ...2, माँ रंग बिरंगा ...2
इन्द्र धनुष शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगणिये ...2

मैया थारी चुनरी तारा रत्ना वाली ...2, माँ तारा रत्ना वाली ...2
पूनम की रात शरमाये, माँ निर्मल थारे आंगणिये...2

चक्र त्रिशुल माता अष्ट भुजा धारी ...2, माँ अष्ट भुजा धारी ...2
कांधे पे केश लहराये, माँ निर्मल थारे आंगणिये ...2

मैया थारी बिंदिया री चमक निराली ...2, माँ चमक निराली ...2
चरणां में चित्त लगाये, माँ निर्मल थारे आंगणिये...2

मैया थारो चंदा जैसो रूप सलोनो, माँ रूप सलोनो ...2
ममता रा लाग्या भंडार, माँ निर्मल थारे आंगणिये ...

ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे ४४

ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे, साक्षात लक्ष्मी की प्रतिमा सी लागे,
ओ बोली तुम्हारी वीणा सी लागे, युग को जगाने को पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे...

साधक जनों की साधना होती है ...2, आराधकों की आराधना होती है,
सन्तों की योग धरती, हर आशा पूर्ण करती ...2
ओ निरवाज्य प्रेम की गंगा सी लागे, सबके मिलाने को पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी ...

जीवन जो धन्य करे वह धन्य स्वरूपा है, मन चेतन से भरे, चैतन्य स्वरूपा है
आध्यात्मिक दिव्य ज्योति, दर्शन से तृप्ति होती ...2,
ओ मंगल मयी की उपमा सी लागे, शोभा बढ़ाने को पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी ...

भटके हुए जग को नई राह दिखाई है, धर्मान्धता सारी माता ने मिटाई है ...
द्वारे पर जो भी आये, रिद्धि पाये सिद्धि पाये ...2,
ओ भवसागर में नईया सी लागे, मुक्ति दिलाने को, पधारी निर्मल माँ
बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ, ममतामयी माँ दुर्गा सी लागे,
साक्षात् लक्ष्मी की प्रतिमा सी लागे, ओ बोली तुम्हारी वीणा सी लागे,
युग को जगाने को पधारी निर्मल माँ, बड़ी भोली सी प्यारी सी, हमारी निर्मल माँ

मन चाहे वर दे ४५

मन चाहे वर दे, ज्ञान ज्योति भर दे, धर्म पूर्ण कर दे माई तू ऽऽ
झुके वतन शरण तेरी ऽऽ वंदना सदा करे वो सर्वत्र जन ...2
तन मन से जपते रहे तू है स्वामिनी

सहजयोगियों के लिए तू मार्ग दर्शनी ...2
साधना कैसे करें सीखले मिसाल सारी ...2
जहाँ की तू सूर्य है, तो हम हैं किरण– मन चाहे वर दे .....

युग युग से तरस रहे तेरी चाह में, चक्षु बिछा बैठे अब तेरी राह में 2
माँ के चरणो में कभी झुकना भूले ना कोई ...2
जहाँ की तू सूर्य है, तो हम हैं किरण..., मन चाहे वर दे, ज्ञान ज्योति भर दे।

मन तुम नाहक द्वन्द मचाये 89

मन तुम नाहक द्वन्द मचाये ...2,
करि आसमान छुओं नहीं काहु ...2, पापी फूल चढ़ाये ...2
मूरती से दुनिया फल माँगे ..., अपने हाथ बनाये ..., **मन तुम नाहक ...2**

ये जग पूजे देव देहरा ...2, तीरथ व्रत अनहाये,
चलत फिरत में पाँव थकत हैं ...2, ये दुख कहाँ समाये ...,**मन तुम ...2**

झूठी काया झूठी माया ...2, झूठे झूठे झूठन खाये ...
बाझीन गाय दुध नहीं देह ...2, माख़न कहाँ से पायें, **मन तुम नाहक ...2**

साँचे के संग साँच बसत है ...2, झूठे मारी हटाये ...
कहे कबीर जहाँ साँच वस्तु है ...2, सहजे दरसन पाये, **मन तुम नाहक ...2**

मनवा निर्मल निर्मल बोल भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले 90

रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...4,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...3,

माँ ही जल में, माँ ही थल में ...2, आती क्यूँ ना, तेरी अकल में ...2,
बेशक घूमे जा, तू वन में ...2, शिव बिन शक्ति कहाँ मिले ...2,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

अरे "माँ ही सत्य, मात ही सुन्दर ...2, सोवे क्यूँ ना घट के अन्दर ...2,
मन तेरा बना नहीं जो मन्दिर ...2, माँ की भक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहाँ. मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...

रे मनवा जय माँ जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,
अरे "दया में माँ, माँ बसी धरम में ...2, मन वाणी माँ बसी करम में ...2,
बन्दे हो ले लीन परम में ...2, माँ बिन तृप्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

अरे "अमर अखण्डा माँ अविनाशी...2, निर्मल माँ घट घट की वासी...2,
बेशक बन साधु सन्यासी ...2, ध्यान बिन वृति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...
रे मनवा जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

बुरी दुनियादारी की होड़ ...2, करे क्यूँ धन माया की होड़ ...2,
इक दिन सब कुछ जावे छोड़ ...2, होड़ में व्यक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
अरे मुक्ति कहाँ मिले रे, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...
रे मनवा जय माँ जय माँ बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...,
रे मनवा निर्मल निर्मल बोल, भजन बिन मुक्ति कहाँ मिले ...2,

माता जी आई अंगना रे 91

माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...5,

लाल चुनर ओढ़ी मैया जी ऐनी ...2, ब्रह्म चैतन्य के वर्षा करई ने ...2,
चोला लाल SSSS ... चोला लाल जड़ऊ रत्ना रे ...,
माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...3,

माथे पे बिंदिया चम चम चमके ...2, पायलिया छम छम छम छमके ...2,
हाथ कंगन SSSS... हाथ कंगन नयन कजरारे ..., "माता जी आई ...3,

लक्ष्मी रूप माँ तू धनवन्ती ...2, सरस्वती रूप महा गुणवन्ती ...2,
काली रूप SSSS... काली रूप राक्षस संहारे ..., "माता जी आई ...3,

शरणागत हम कुछ नहीं जानी ...2, तोहरी चरण में बैठा ले मानी ...2,
हे मैय्या ssss... है मैय्या कर पार हम आये ..., "माता जी आई ...3,
माता जी आई अंगना रे, अंगना रे ...3,

माता मेरी है निर्मल माई 91

माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

मूलाधार में पावन बना दो, गुण अबोधिता का माँ जगा दो ...2
गणपती जैसी हो चतुराई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

शुद्ध इच्छा माँ हममें जगा दो, निर्मल ज्ञान सहज का सिखा दो ...2
तुम ही ब्रह्म देव सरस्वती माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

संतुष्टी जगा दो माँ हममें, लालसा ना रहे कोई मन में ...2
मन में रहना माँ हर दम समाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

माँ मेरी मेरे हृदय में आओ, प्रेम करूणा की गंगा बहाओ ...2
दिल में रहना माँ हर दम समाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

कण्ठ में भर दो माँ मीठी वाणी, बनके विठ्ठल यशोदा रूकमणी ...2
तुम ही राधा हो, कृष्ण कन्हाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

क्रोध ना माँ कभी हम में आये, क्षमा दात्री क्षमा तू सिखाये ...2
तुम ही जीसस तुम्हीं मैरी माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

सहस्त्रार स्वामिनी मोक्ष प्रदायिनी, निर्मला माँ सहज योग दायिनी ...2
कुण्डलिनी शक्ति माँ ने जगाई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2
माता मेरी है निर्मल माई, दूर कर दो माँ हमरी बुराई ...2

माता मेरी निर्मला तेरा गूँजे जय जयकारा 92

आ SSS अरे माता मेरी निर्मला,और धरता तेरा ध्यान,दया दास पे कीजिये,
मैं सेवक अज्ञान, है S S हे जी माता मेरी निर्मला, तेरा गूँजे जय जयकारा
हे माता मेरी निर्मला, हो तेरा गूँजे जय जयकारा, हे माता मेरी निर्मला ...,

अरी "सहजयोग तेरा चमत्कार है...2,हे माँ"सहजयोग तेरा चमत्कार है...2,
सब भक्तों को मिला प्यार है ...2, सब भक्तों को मिला प्यार है ...2,
हे मैनें, तेरा लिया सहारा, हे हे माता मेरी निर्मला
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

अरी "देश विदेश तेरे परचारी ...2, हे माँ "देश विदेश तेरे परचारी ...2,
सहजयोग की शक्ति भारी ...2, सहजयोग की शक्ति भारी ...2,
हे, "तुम्हे जान गया जग सारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

अरी "अज्ञानी भी शरण में आते ...2, हे माँ "अज्ञानी भी शरण में आते...2,
फिर तेरा ही गुण वे गाते ...2, फिर तेरा ही गुण वे गाते है ...2,
हे, मिल जाता उन्हें किनारा, हे हे माता मेरी निर्मला
हे तेरा गूँजे जय जयकारा, हे हे माता मेरी निर्मला ...2,

माता जी माता जी 93

माता जी माता जी माता जी, मेरे हृदय में आओ जी ...4

श्री माँ महाकाली आओ जी, संग में भैरव जी को लाओ जी ...2
मेरी ईड़ा में ...2 आओ जी, बाधाओं से बचाओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी ॥

श्री माँ महासरस्वती आओ जी, संग में हनुमान को लाओ जी ...2
मेरी पिंगला में ...2 आओ जी, अहंकार से बचाओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी ॥

श्री माँ महालक्ष्मी आओ जी, संग में गणेश को लाओ जी ...2
मेरी सुषुम्ना में ...2 आओ जी, निर्विचारिता दिलाओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी ॥

श्री माँ कल्की तुम आओ जी, सदाशिव से मिलाओ जी ...2
मेरे सहस्रार ...2 पधारो जी, एकाकारिता कराओ जी ...2
माता जी माता जी माताजी, मेरे हृदय में आओ जी ॥

माताजी माताजी कव्वाली 93

आलाप–मूरले कुल–मुल्क लाशरी का लाहु, वाह दाहु ला इलाहा इल्लाहु
शमस तव रेज़ गर खुदा ताला बंद, खुशबु का ला इलाहा इल्लाहु
माताजी जी – जी माताजी जी – जी माता जी माता जी माता जी ...4

यह जमीं जब न थी, यह जहाँ जब न था ...2
चाँद सूरज न थे, आसमाँ जब न था ?
राजे हक भी किसी पर आया जब न था ...2
तब न था कुछ जहाँ, था मगर तू ही तू, माताजी ...2

माताजी आदिशक्ति निर्मलादेवी प्राणरूपिणी
क्षिप्रप्रसादिनी महाराज्ञी महारानी सहजयोगदायिनी
निष्कला निष्कला निस्तुला निस्तुला निष्कलंका निष्कलंका निरूपप्लवा
निरूपप्लवा निर्गुणा निर्गुणा निर्विकल्पा निर्विकल्पा निरीश्वरा ...,
महादेवी महाशक्ति शर्मदायिनी परमेश्वरी सुधास्तुति
पावनाकृति श्री विलासिनी आदि माँ ..., आदि माँ माँ माँ, माताजी ...

पहुँचे मेरज में अर्श तक मुस्तफा ...2, जब न माँ बुद बन्दे में पर्दा रहा ...2
तब मदालिक ने हजरत से, झुक कर कहा सारी मखलूक में ...2
हक नुमा तू ही तू, माताजी ...
खल पे कुल है तू इसमें क्या गुफ्तगु,
सारे आलम को है तेरी ही जुस्तजु ...2, तेरी जल्वागरी है, अलाचार सू ...2
या शारिका लहू ...2, माले कुल मुल्क तू, माताजी .

ला इलाहा तेरी शान या वादाहू ...2, तू ख्याल ओ तज्जुस, तू ही आरजू ...2
आँख की रोशनी दिल की आवाज तू, था भी तू, है भी तू
होगा भी तू ही तू, माताजी ...

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है 94

मेरा आपकी कृपा से ...2, सब काम हो रहा है ...,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,
पतवार के बिना ही, मेरी नाव चल रही है ...2,
हैरान है जमाना, मंजिल भी मिल गयी है,
करता नहीं मैं कुछ भी, सब काम हो रहा है ...3,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,
तुम साथ हो जो मेरे, किस चीज़ की कमी है ...2,
किसी और चीज़ की अब, दरकार भी नहीं है ...,
तेरा साथ है गुलाम अब, गुलफाम हो रहा है ...3,
करते हो आप श्री माँ ...2, मेरा नाम हो रहा है,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...2,
मैं तो नहीं हूँ कामिल, तेरा पार कैसे पाऊँ ...2,
मीठी नहीं है वाणी, गुणगान कैसे गाऊँ ...,
तेरी दया से निर्मल, ये कमाल हो रहा है ...3,
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है ...3,

मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे 95

मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...3
मैं कहता हूँ आँखन देखी ...2, तू कहता कागज की लेखी ...2, **मेरा तेरा ...2**
मैं कहता सुरझांवन हारी ...2, तू राखयो उरझाई रे ...2
मैं कहता हूँ जागत रहियो ...2, तू रहता है सोई रे ...2, **मेरा तेरा मनवा ...2**
मैं कहता निर्मोही रहियो ...2, तू जाता है मोही रे ...2
जुगन जुगन समझावत हारा...2, नहीं मानत है कोई रे...2,**मेरा तेरा मनवा ..2**
सतगुरू धारा निर्मल बाहे ...2, वामे काया धोई रे ...2
कहत कबीर सुनो भई साधो ...3, अब ही वैसा होई रे ...2,
मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2, मैं कहता हूँ आँखन देखी ...2,
तू कहता कागज की लेखी ...2, मेरा तेरा मनवा कैसे इक होई रे ...2

मेरी दुनिया है माँ तेरे इन चरणों में 95

मेरी दुनिया है माँ ऽ ऽ,तेरे इन चरणों में ...2,
सब कुछ पाया माँ ...2, तेरे इन चरणों में ..., "मेरी दुनिया है ...2,
मेरी राहों के दीये, तेरी दो अंखियाँ माँ ...2,
मुझे वेदों से बड़ी ...2, तेरी दो बतियाँ माँ ..., "मेरी दुनिया है ...2,
ना मिला युग युग में, वो मिला है पल में ...2,
तेरी ही दया से माँ...2,आया तेरे चरणों...,"आया तेरे चरणों में...,"मेरी दुनिया है...2,
संगीत का सागर, माँ तेरे चरणों में ...2,
अमृत छलके माँ ...2, तेरे इन चरणों में ..., "मेरी दुनिया है ...2,
मेरी दुनिया है माँ ऽ ऽ, तेरे इन चरणों में ...2,
सब सुख पाया माँ ...2, तेरे इन चरणों में..., "मेरी दुनिया है ...2,

मैया आदि मिला दे परम प्यारा

जीवन संवरे ये, पाप कटे, माँ मोक्ष मिले
मैया आदि ओ मैया, आदि मिला दे परम प्यारा
ओ मैया आदि मिला दे परम प्यारा, संवर जाये जीवन मेरा ...,
मैया आदि ओ मैया, आदि मिला दे परम प्यारा...
भवसागर में चित्त ये डोले, दूर बसा ये किनारा ...3,
सहज की नैया चढ़ गए हम, उस पार तू पहुँचा दे
मैया आदि मिला दे परम प्यारा, संवर जाये जीवन मेरा..., मैया आदि ...
उठ–उठ तू अब कुंडलिनी माँ, षढ़रिपु मुझे ललकारे ... 3,
विनाश करके षढ़रिपुओं का, ह्रदय पवित्र बना दे
मैया आदि मिला दे परम प्यारा, संवर जाये जीवन मेरा..., मैया आदि ...
अहंकार से पीड़ित जग में, सब दूर है अंधियारा... 3,
आज्ञा भेदन कर दिया अब तो, सतयुग उदय दिखा दे
मैया आदि मिला दे परम प्यारा, संवर जाये जीवन मेरा..., मैया आदि ...
आदि शक्ति माँ तूने कृपा कर, ब्रह्मरंध्र खुलवाया... 3,
सहस्त्रार भी खिल गया अब तो, परम से मिलन करा
मैया आदि मिला दे परम प्यारा, संवर जाये जीवन मेरा..., मैया आदि ...

मेरी माँ पूनम का चाँद 96

मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद
माथे पे बिन्दिया हो ओ माथे पे बिन्दिया, आ हाँ माथे पे बिन्दिया, चमक रही
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही

हमने माता को मुकट पहनाया ...3,
उसपे टीका ओए होए उसपे टीका, आ हाँ उसपे टीका करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

हमने माता को हार पहनाया ...3
उसपे मोती ओए होए उसपे मोती, आ हाँ उसपे मोती करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही

हमने माता को चूड़ीयाँ पहनायी ...3
उसपे मेंहदी ओए होए उसपे मेंहदी, आ हाँ उसपे मेंहदी करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

सहजी बहनों ने माँ को साड़ी पहनायी ...3
उसपे चुनरी ओए होए उसपे चुनरी, आ हाँ उसपे चुनरी करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...

हमने माता को पायल पहनाई ...3
उसपे बिछुये ओए होए उसपे बिछुये, आ हाँ उसपे बिछुये करे कमाल कमाल कमाल
माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, माथे पे बिन्दिया, चमक रही,
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद, माथे पे बिन्दिया चमक रही ...
मेरी माँ पूनम का चाँद जी चाँद जी चाँद "माथे पे बिन्दिया चमक रही" –8

मेरी माता का करम है 97

आ ऽ ऽ ऽ ...3, जब नामे निर्मला आ गया ...3, मेरी जुबाँन पर ...
जब नामे निर्मला आ गया ..., मेरी जुबाँन पर
आसान एक पल में मेरा काम हो गया, आसान एक पल में मेरा काम हो गया,

हाँ ऽ ऽ ऽ हाँ मुझ में कुछ ना था, मगर हाँ हाँ ऽ ऽ ऽ
हाँ मुझ में कुछ ना था, मगर उनका ही करम है ...
दुनिया ऐ इल्मोफन में मेरा नाम हो गया ...2,
तो दुनिया की अंजुमन में ओ ओ दुनिया की अंजुमन में
"कायम मेरा भरम है ...3, मेरी माता का करम है ...2,
निर्मला माता का करम है ...2, दुनिया के अंजुमन में ओ ओ ओ
दुनिया के अंजुमन में कायम मेरा भरम है ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मला माता का करम है ...2,
निर्मला माता का करम है ...2, मेरी माता का करम है, ...

माता मेरी रंगीली "ऐसा रंगा दिया है ...3" ...2,
अनवारे निर्मला से "दिल जग मगा दिया है ...3" ...
दिल से मेरे दुई का पर्दा हटा दिया है ...4,
अल्लाह और नबी से "मुझको मिला दिया है ...3,
ये माता की इनायत, ये माता की नवाजिश ...4,
दिल पर हुई है, मेरे चैतन्य की ये बारिश ...2, चैतन्य की ये बारिश ...4,
निर्मल ये ज्ञान देकर मस्ताना कर दिया है ...4,
दिल में खुदा को अपने सीने में भर दिया है,"सीने में भर दिया है ...2,
मंजिल पे मोक्ष की अब ओ ओ ओ, मंजिल पे मोक्ष की अब पहुँचा मेरा कदम है ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
मंजिल पे मोक्ष की अब पहुँचा मेरा कदम है ...

मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
माता का करम है ...4, माता का करम है, मेरी माता का करम है ...,
"माता का करम है ...2, मेरी माता का करम है ...2, ...2,

ओ मेरी माता का करम है ..., मेरी माता का ...2, निर्मल माता का ...2,
माता मेरी निराली, है शान उनकी आली, "है शान उनकी आली ...2,
माता मेरी निराली, है शान उनकी आली,"है शान उनकी आली ...2,
सीना है नूर वाला, सूरत है भोली भाली, "सूरत है भोली भाली ...2,

उनकी हर इक अदा में, अल्लाह की अदा है ...4,
उनके कदम पे चलना, मेरे लिये रवाँ है, "मेरे लिये रवाँ है ...2,
तालीम मन परख़ की, माता ने जब से दी है ...2,
मुझको खुदा नबी की, पहचान हो गई ...2,
बस एक नज़र में मुझको ...2, दिखलाये दोनों आलम,
बस एक नज़र में मुझको ..., दिखलाये दोनों आलम,
मैंने जमीं पे रहकर, "की सैर अरशे आज़म ...2,

मीरा सी मेरी सहजी, ओ ओ मीरा सी मेरी सहजी फिरदौस है इरम है ...2,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
मीरा सी मेरी सहजी फिरदौस है इरम है ...,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
"माता का करम है ..., मेरी माता का करम है ...4,
मेरी माता का करम है ...2, माता का करम है..., मेरी माता का करम है
मेरी माता का करम है...2, ओ "मेरी माता का ...2, निर्मल माता का ...2,

""माता ने लब लगाकर, "मुझको दिया है प्याला ...2,"" ...2,
चमका मेरी नज़र में, "तौहीद का उज़ाला ...3,
देखा जो मेरी जानिब, मस्ती भरी नज़र से ...4,
दिल हो गया रोशन, "अनवारे निर्मला से ...3,
जब से हुई है मुझको, दामन से उनकी निसबत ...4,
अल्लाह और नबी की, मुझ पर खुली हकीकत ...2,
उनकी गली में दरिया ...2, चैतन्य का रवाँ है ...,
उनकी गली में दरिया ..., चैतन्य का रवाँ है ...,
मेरी नज़र में हरदम, "निर्मल का आसता है ...3,
सहजी अब मेरे तन में ...2, निर्मल माता का ही दम है ...2,

मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
सहजी अब मेरे तन में ..., निर्मल माता का ही दम है ...,
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

शिकायत हो नहीं सकती, मदावा हो नहीं सकता ...4,
"मदावा हो नहीं सकता..4, शिकायत हो नहीं सकती, मदावा हो नहीं सकता..2
"माँ ऐसा पाक चेहरा, पाक नक्शा हो नहीं सकता ...2,
निर्मला माता ने,"निर्मला माता ने जिम्मा लिया है, पर्दा पोशी का ...3,
माता सहजी किसी ओ हो "माता सहजी किसी सूरत रूसवा हो नहीं सकता
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
माता सहजी किसी सूरत रूसवा हो नहीं सकता
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

कायम है भरम मेरा, तो यह इज्जत है ...4,
ये चश्मे करम तेरी, ये तेरी इनायत है ...2,
कुछ भी नहीं सही लेकिन, ये बात हकीकत है ...3,
कतरा ही सही लेकिन ओ हो कतरा ही सही लेकिन दरिया से निसबत है
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
कतरा ही सही लेकिन दरिया से निसबत है
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

हम यूँ तो बिक नहीं सके, दुनिया की बारगाह में ...4,
दुनिया की बारगाह में, दुनिया की बारगाह में ...2,
तकदीर लाई खींचकर, निर्मल की ज़ल्वागाह में ...2,
निर्मल की ज़ल्वागाह में, निर्मल की ज़ल्वागाह में ...2,
मैया ने मोल ले लिया है ...2, इक लब्ज़े निर्मला ने ...
मैया ने मोल ले लिया है ..., इक लब्ज़े निर्मला ने ...2,
लेते ही बंद कर लिया ओ हो लेते ही बंद कर लिया, इश्के आसना ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
लेते ही बंद कर लिया, इश्के सदाशिवा ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

जब तक बिका ना था, कोई पूछता न था ...4,
तूने खरीदकर मुझे ओ ओ तूने खरीदकर मुझे, अनमोल कर दिया
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
तूने खरीदकर मुझे, अनमोल कर दिया
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,

"हमने तो ईबादत को करीना बना लिया ...4,
"निर्मला माँ को देख लिया, सर झुका दिया ...4,
"तकदीर पर मुझे, अब नाज़ क्यूँ ना हो ...3,
तूने करम किया मुझे, ओ हो तूने करम किया मुझे अपना बना लिया ...
मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
तूने करम किया मुझे अपना बना लिया ...,
"मेरी माता का करम है ...2, निर्मल माता का करम है ...2,
"माता का करम है ..., मेरी माता का करम है ...4,

म्हारो बेड़ो लगादी जो पार 100

म्हारो बेड़ो लगादी जो पार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माता जी हो म्हारा निर्मल माताजी, म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

किये भव सागर से पार निर्मल माताजी
आपरो घणो घणो उपकार निर्मल माताजी
थारा चरणाँ में जाऊँ बलिहार निर्मल माताजी

ओ निर्मल माता जी हो म्हारा निर्मल माताजी, म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

आप तो कुण्डलीनी साकार निर्मल माताजी
आप तो कलयुग के अवतार निर्मल माता जी
आपरी महिमा अपरम्पार निर्मल माताजी

ओ निर्मल माता जी हो म्हारा निर्मल माताजी, म्हारो बेड़ो लगादी जो पार

सब सहजी आये द्वार निर्मल माताजी
सब सहजी को कर दो, कर दो हमें निर्विचार निर्मल माताजी
ओ निर्मल माताजी, म्हारो बेड़ो लगादी जो ...,4

मोह लेई मनवा हमार माँ तोरी लाल बिंदिया 101

मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...4,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
देखण से कुण्डलिनी जग जाये ...2,
कुण्डलिनी जग जाये, चैतन्य छा जाये ...2, खोल देई ...2,
खोल देई, झट सहस्त्रार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
शुद्ध विद्या दे ये, आनन्द दे ये ...2,
आनन्द दे, सचिद्दानन्द दे ये ... 2, कर गई ...2,
कर गई, हमें निर्विचार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
एक बार देखूँ, हजार बार देखूँ ...2,
मन नहीं माने माँ, बार बार देखूँ ...2, अपना तो ...2,
अपना तो, यही संसार माँ तोरी लाल बिंदिया ...2,
लाल बिंदिया हो गुलाल बिंदिया, तोरी लाल बिंदिया ...2,
मोह लेई मनवा हमार, माँ तोरी लाल बिंदिया ...4,

मोहे देखत आवे हाँसी, पानी में मीन प्यासी 101

मोहे देखत आवे हाँसी ...2, पानी में मीन प्यासी
हाय–राम पानी में मीन प्यासी, मोहे देखत आवे हाँसी ...2
आत्म ज्ञान बिना हर कोई भटके, कोई मथुरा कोई काशी ...2,
जोगी होकर फिरे जंगल में ...2, वन वन फिरे उदासी
पानी में मीन प्यासी, हाय–राम पानी में मीन प्यासी,
मोहे देखत आवे हाँसी ...2
कस्तुरी मृग नाभ बसत है ...2, ढूँढत है बन माहीं रे बन माहीं रे माहीं
कस्तुरी मृग नाभ बसत है ..., ढूँढत है बन माहीं ...,

पोथी पढ़ पढ़ पंडित होवे ...2, कौन मिले अविनाशी
पानी में मीन प्यासी, हाय–राम पानी में मीन प्यासी,
मोहे देखत आवे हाँसी ...2
मस्जिद चढ़कर मुल्ला पुकारे ...2, कौन कटे यम फाँसी
कहे कबीर सुनो भई साधो ...2, गुरू बिन कटे ना चौरासी
पानी में मीन प्यासी, हाय–राम पानी में मीन प्यासी, मोहे देखत आवे...2

मोहे लागी लगन माँ के चरणन की 102

मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,
चरण बिना मोहे कुछ नहीं भावे ...2, जग माया सब सपनन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,
भव सागर सब सूख गये अब ...2, फिकर नहीं मोहे तरनन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की
सहजन के प्रभू निर्मला माँजी ...2, मोहे आस यही तोरे चरणन की ...2,
मोहे लागी लगन, माँ के चरणन की ...2, मोहे चाह नहीं कुछ पावन की,

Mother We Belong to You 102

" " Mother, mother we belong to you
Dear Mother, mother we belong to You " " - - - 2
हमको दिखाओ माँ, जीने के रास्ते, दुनिया में आई हो, तुम सबके वास्ते
Bless us Bless us Mother, save us Save us Mother
Tell us what we should do, Mother, mother we belong to you ,
Dear Mother, mother we belong to You
पाप हँसता है, धर्म करता है मातम,दुःख के शोलों में,सदियों से जल रहे हम,
भूल बैठे हैं, शांति की प्यारी सरगम, तुम जो चाहो तो, बदले शोलों का मौसम,
माँ विश्व ये तमाम, करता है त्राही माम्, लेकर तुम्हारा नाम, कहता है रक्ष माम्,
Mother, mother we belong to you , Dear Mother, mother we belong to You.
"M" for Modesty, "O" for origin no other,
"T" for Truthfulness, "H" for Holiness so pure,
"E" for Ever loving, "R" for realization
Every letter is meaningful of the mother,
We are lost in the shadow; bring us down into light,
Help us to walk the right path, lead us to what is right

Bless us, Bless us Mother, Save us Save us Mother
Tell us what we should do, "Mother, mother we belong to you -2
सात चक्रों को, मात नव चेतना दो, देवी देवों के इनमें दर्शन करा दो,
मैरी जीस़स की तुमसे तस्वीर देखी, फिर से एक बार मात सबको क्षमा दो,
Mother, mother we belong to you,
Dear Mother, mother we belong to you – 2
हमको दिखाओं माँ, जीने के रास्ते, दुनिया में आई हो तुम, सबके वास्ते
Bless us Bless us Mother, Save us Save us Mother.
Tell us what we should do, "Mother, mother we belong to you -4

मुझे रास आ गया है तेरे दर पे सर झुकाना 103

मुझे रास आ गया है ...2, तेरे दर पे सर झुकाना ...2,
तुझे मिल गया पुजारी ...2, मुझे मिल गया ठिकाना ...2,
मुझे रास आ गया है ..., तेरे दर पे सर झुकाना ...2,
मुझे इसका गम नहीं है, कि बदल गया जमाना ...2,
मेरी जिंदगी की मालिक ..., कहीं तुम बदल न जाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी...2,मुझे मिल गया ठिकाना ..., मुझे रास आ गया है...
माना कि मैं बुरा हूँ, नहीं दीद के हूँ काबिल ...2,
सर रख दिया है दर पे ...2, आता नहीं उठाना ...,
सर रख दिया है दर पे ..., आता नहीं उठाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी...2,मुझे मिल गया ठिकाना ..., मुझे रास आ गया है...
मेरी आरजू है निकले, मेरा दम तुम्हारे आगे ...2,
मेरी साँस चल रही है ...2, कहीं तुम चले ना जाना ...,
मेरी साँस चल रही है ..., कहीं तुम चले ना जाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी...2,मुझे मिल गया ठिकाना ..., मुझे रास आ गया है...
तेरी बन्दगी से पहले, मुझे कौन जानता था ...2,
दुनिया है तेरे दम से ...2, तेरे दम से है जमाना ...2,
दुनिया है तेरे दम से ..., तेरे दम से है जमाना ...,
तुझे मिल गया पुजारी ...2, मुझे मिल गया ठिकाना ...2
मुझे रास आ गया है ..., तेरे दर पे सर झुकाना ...2,

नाम ना जाने धाम ना जाने 104

नाम ना जाने, धाम ना जाने, जाने ना सेवा पूजा,
जाने बस इतना जाने हम, एक बिना नहीं दूजा नहीं दूजा

तुम आशा विश्वास हमारे, "तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता
तात मात तुम बन्धु भ्रात हो, दिवस रात्री, संध्या प्रभात हो
दीपक सूर्य, चन्द्र तारक में, माता, तुम्हीं ज्योति प्रकाश हमारे माता
तुम आशा विश्वास हमारे, "तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

साँसों में तुम आते जाते, एक तुम्हीं से हैं सब नाते ...2,
जीवन बनकर हर पतझड़ में ... ओ माँ, हो तुम्हीं, मधुमास हमारी माता
तुम आशा विश्वास हमारे, "तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

तुम हो सबमें, हैं तुम में सब, तुम ही हो भव, हो तुम ही रब,
अश्रु हमारी आँखों में तुम, ओ माँ तुम होठों पर हास हमारी माता,
तुम आशा विश्वास हमारे, "तुम धरती आकाश हमारे" ...2 माता

नाशिकवा जोगवा, जगदंबेचा जोगवा माँगते 104

जगदंबेचा जोगवा माँगते ...2, आई अंबेचा जोगवा माँगते।
आई निर्मला महालक्ष्मीचा जोगवा माँगते ...2,
जगदंबेचा जोगवा माँगते ..., आई अंबेचा जोगवा माँगते ...

दुरीसारूनी अहंमपणा माल़ मी घालीते। अंतरंगी शोधाचा दिवा मी लावीते ॥
अज्ञानाचा कापुर जालुनी ...2, स्वयंप्रकाशा शोधिते ॥ जगदंबेचा जोगवा ...

ज्ञानाची संबल हाती घेतली। निर्मला आईची दिवटी मी पाजल़ली
क्वासनांचा पहाड़ भेदुन ...2, वारीला मी जाते ॥ जगदंबेचा जोगवा ...

निर्मला महादेवी झाले मी निःस्संग। नर्तनी कीर्तनी झाले हो मी दंग॥
झेंड़ा सहजयोगांचा मी ...2, मायेने मिरवीते ।

जगदंबेचा जोगवा माँगते, आई अंबेचा जोगवा माँगते।
आई निर्मला महालक्ष्मीचा जोगवा माँगते...2,"जगदंबेचा जोगवा माँगते...6

नव दुर्गा की जोत जगाओ रे 105

नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
कदली स्तम्भों से द्वार सजाओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
मंगलमय पावन दिन आया रे ...2, पावन बेला में मंगल गाओ रे...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
गंगा जल से कलश भराओ ...2, जमुना जल से कलश भराओ ...2,
श्री चरणों का अभिषेक कराओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
रोली मोली अक्षत लेकर ...2, मेंहन्दी माँ के चरण चढ़ाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
चूनर रत्न जड़ित अर्पण कर ...2, गले मोतियन के हार पहनाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
घर घर माँ की ममता बरसे ...2, हर आँगन में रंगोली सजाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
मंगल दीपों के थाल सजाकर ...2, सब मिल माँ की आरती गाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
हो जाये झंकृत ये तन मन ...2, ऐसे स्वरों से जयकार लगाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2, कदली स्तम्भों से द्वार सजाओ रे ...2,
नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2, पावन बेला में मंगल गाओ रे ...2,
पावन बेला में जयकार लगाओ रे ...2, नव दुर्गा की जोत जगाओ रे ...2,

निर्मल चादर ओढ़ सहज की शरण में माँ की आयें 106

"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आयें ...," ...2,
मन में माँ के, दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें,
निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आयें ...,
मन में माँ के दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें,
निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2,

माँ ने भेजा, जग में हमको, निर्मल देकर काया ...2,
आकर के अब, सहज में हमने, इसका मान बढ़ाया ...2,
जन्मों की ये, पुण्याई है, माँ के दर्शन पायें,
"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आयें ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें, "निर्मल चादर ओढ़ सहज की...2,

निर्मल वाणी पाकर माँ से, नाम है माँ का गाया ...2,
अन्तर्मन में माँ को देखा, माँ का ध्यान लगाया ...2,
मन वीणा की तारें झंकृत, सुन्दर गीत सुनायें,
"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आयें ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें, "निर्मल चादर ओढ़ सहज की...2,

इन पैरों से चलकर, माँ के मंदिर, हम हैं आयें ...2,
जहाँ जहाँ हो, पूजा माँ की, दर पर शीश नवायें ...2,
हम श्री माँ को, क्या करें अर्पण, स्वयं लीन हो जायें
"निर्मल चादर ओढ़ सहज की ...2, शरण में माँ की आयें ...," ...2,
मन में माँ के दर्शन कर के, मन ही मन हर्षायें, "निर्मल चादर ओढ़ सहज की...2,
जय जय माँ, जय जय माँ, जय जय माँ, जय माँ, ...7,

निर्मल चरण तेरी ही शरण 106

निर्मल तेरी ही शरण

भूला भटका मैं आ गया द्वार, "मुझे पार लगाना हे माता ... 2,
कर देना भव जल से उद्धार, निर्मल चरण तेरी ही शरण

तुम ज्ञान की सागर हो माता, "मैं तो एक बालक अज्ञानी ... 2,
मैं आत्म ज्ञान बिन भटक रहा, "मैंने सत्य की राह नहीं जानी ... 2,
करूणा के सिन्धु महर करो ... 2, हो जावे मेरा बेड़ा पार..., निर्मल चरण ...,

कुण्डलिनी जागृत कर तूने, मेरा अंधकार माँ दूर किया ... 2,
चैतन्य का अनुभव देकर माँ, मुझे परमतत्व से जोड़ दिया
माँ कृपा आपकी हो जाये ... 2, मिले मौज का हमको नजारा..., निर्मल चरण ...,

शरणागती दे दो माँ हमको, हरपल चरणों का ध्यान धरूँ ...
हृदय में माँ हर दम ही रहे ऐसी कृपा को मैं पाऊँ ...,
तुम ही मेरी खिवैया माँ...2, कर दो जीवन नैय्या पार
निर्मल चरण तेरी ही शरण ...,3

निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये 107

सुबह का भूला SS ओ ओ सुबह का भूला जो
शाम को लौटे तो भूला ना कहलाये,
आ जा रे तोहे निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये ...2,
भटका है तू SS ओ ओ भटका है तू पापी नहीं है, मात यही समझाये,
आ जा रे तोहे निर्मल माँ का पावन प्रेम बुलाये ...2,

युगों युगों से दर दर भटके, "पल पल ठोकर खाई ...2,
अब आये हम माँ की शरण में, "नयी रोशनी पाई ...2,
हमने तन मन को सहज में कर दिया है दान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

माँ का ये दरबार देखो, "सात रंग का दरिया ...2,
इस रंगों में मन को धो लें, "और ना कोई जरिया ...2,
आओ सब हम मिलके गायें, माँ का ये गुण गान ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

अब ना कोई दुखी रहेगा, "तेरे ये संसार में ...2,
खुल गयी हैं मन की आँखें, "तेरे ही आसार में ...2,
सोच समझ ले, पार उतर ले, माँ का है सब काम ...,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2

सहजियों ने पुण्य किया है, माँ का कहना है, निर्मल माँ का कहना है
इसीलिए सब सहजियों ने माँ को पाया है ...2,
चलो रे निर्मल धाम, ये है पावन धाम ...2, "ये है पावन धाम ...2

निर्मल माँ ने प्यार दिया 108

निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
बीच भँवर में अटकी थी नैया, नैया को पार लगाया
लगाया नैया को पार लगाया, "निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल ...2,

माँ ही हमारी आत्मा, माँ ही है परमात्मा ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
शीश झुकाये चरणों में सारे, कष्ट निवारे माँ ने हमारे ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,

माँ की शरण में जीवन उभारा, माँ की कृपा ने किया हमको न्यारा ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
निर्मल माँ ने प्यार दिया, निर्मल माँ ने सँवार दिया ...2,
बीच भँवर में अटकी थी नैया, नैया को पार लगाया...

निर्मल माँ निर्मल प्राण करो 108

निर्मल माँ, निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...2
स्नेह रूपा, सौम्य रूपा, दिव्य रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... हमें सहज की शक्ति प्रदान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

जबसे श्री मुख पर दृष्टि पड़ी, रवि शशि तारे श्री हीन लगे ...2
दानी वरदानी, एक तुम्हीं त्रिभुवन याचक और दीन लगे
सर्व दाता, सर्व ज्ञाता, सर्व धाता नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... अनमोल कृपा का दान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

या देवी सर्व भूतेषु, मातृ रूपेण संस्थिताः ...
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमो नमः
या देवी सर्व भूतेषू , शक्ति रूपेण संस्थिताः ...
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमो नमः

महा शक्ति का पूर्ण अवतार लिए, तुम नारी रूप में आई हो ...2
इस घोर महा कलिकाल में माँ, तुम सतयुग की परछाई हो ...
शक्ति रूपा, भक्ति रूपा, मुक्ति रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... अपनों की तरफ कुछ ध्यान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

चिन्ता मणि सम चिन्तन मात्रे, तुम चिन्तायें हर लेती हो ...2
सबकी बाधायें विपदायें, माँ अपने सर पर लेती हो ...
सत्य गर्भा, योग गर्भा, सृष्टि गर्भा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... माँ दूर सकल अज्ञान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

स्नेह रूपा, सौम्य रूपा, दिव्य रूपा नमो नमः
पूज्य पात्री, क्षमा दात्री, जगत मात्री नमो नमः
ॐ ... हमें सहज की शक्ति प्रदान करो, शरणागत का कल्याण करो
निर्मल माँ ..., निर्मल प्राण करो, शरणागत का कल्याण करो ...

निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी 110

निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी, म्हारी प्यारी मैय्या कुण सजायो जी,
म्हारो मनड़ो हर लीनो थारी सूरत मतवाली ... 2,

थारे हाथां में चुड़ला माथे पे बिन्दिया जी ... 2,
थारे लाल चुनड़ सोहे, थे लागो अति प्यारी ... 2,
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी, म्हारी प्यारी मैय्या कुण सजायो जी,

थे सहजयोग की ज्योत जगाई जी ... 2,
सब ध्यान धरे थारो, जय बोलें माँ थारी ... 2,
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी, म्हारी प्यारी मैय्या कुण सजायो जी,
माँ कोटा आवो मन हरषावो जी ... 2,
सब झूम झूम नाचे, जय बोलें माँ थारी ... 2,
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी, म्हारी प्यारी मैय्या कुण सजायो जी,
सब सहजी थारा लाड़ लड़ावे जी ... 2,
थारी सूरत पे मैया, हम सब बलिहारी ...
सब झूम झूम के गाये, जय बोलें माँ थारी ... 2,
निर्मल माँ थाने कुण सजायो जी, म्हारी प्यारी मैय्या कुण सजायो जी,

निर्मल माता रावा 110

निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...2,
सहजयोग दाता नीवम्मा, सकल जननी रावम्मा ...
निवांडलुग्को नित्यकुरलगंको ...2 शुभोदयानन सुभमलगकोवा SSS...
निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...
गंदकुमाललु गिविगोन, सुगन्ध परिमल निविगोनु ...2
केल्ललिवक्रम ठतिगोनु, सिन्दुर कलिशाम यिविगोनु ...2
ब्रह्मिकालः ध्यानम् लोना, ब्रह्ममज्ञाननेम् विअवः ...
उषाकालः ध्यानेम लोना, मुनकेमाघमयुपवाः ...,
निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...
महालक्ष्मी वी निवम्मा, वीणाकांठीची निवम्मा ...2
महाकाली वी निवम्मा, त्रिगुणाजीमिकवे निवम्मा ...2,
सूर्य चन्दा नाडुल निवु शुभ ब्रह्म येसी, सुषुमना माता ना मोक्ष प्राप्तिनी अवा
निर्मल माता रावा, ही जगति नील को रावा ...
आदि शक्ति वी निवम्मा, अखिलांडेश्वरी निवम्मा ...2
आनन्द रूपिणी निवम्मा, अमृतवर्षिणी निवम्मा ...2,
विश्व निर्मल धर्मोनी की सारथी निवम्मा, निर्मल विद्यनभा कुनी घी निवम्मा,
निर्मल माता रावा, ही जगति नीते को रावा ...

निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं माँ तेरा ही ध्यान धरूँ 111

निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...2,
तेरी महिमा जग में निराली, तू है हमको सबसे प्यारी, सबसे प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

तेरी शरण में आये हैं माँ, नाम तेरा ले लेकर ..., आ s s ...
पावन हुये हैं इस जनम में, निर्मल सहज को अपनाकर ..., आ s s ...
तेरी दुनिया सबसे निराली, निर्मल मूरत सुन्दर प्यारी, सुन्दर प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

सबका जीवन सुखमय करने, सहज का निर्माण किया ..., आ s s ...
अंधियारे में उजाला करके, सहजी को संत बना दिया ..., आ s s ...
ये संसार है तुझमें समाया, श्री निर्मल माँ सबसे न्यारी, सबसे न्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

हे निर्मल माँ तेरे दरस को, पल पल हमारा मन तरसे ..., आ s s ...
अंखियाँ मेरी तुझको निहारें, तब दर्शन के फूल बरसे ..., आ s s ...
अब तो आजा दरस दिखा जा, माँ तेरे द्वारे मैं आई, द्वारे आई ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...,

तेरी महिमा जग में निराली, तू है हमको सबसे प्यारी, सबसे प्यारी ...,
निर्मल निर्मल नाम स्मरूँ मैं, माँ तेरा ही ध्यान धरूँ मैं ...3,

निर्मला निर्मला बोलो 112

"निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,
निर्मला, निर्मला, निर्मला जग की माता निर्मला ...," ...2,

कलियुग में माता है आई, प्रेम का संदेशा है लाई ...2,
सहज योगियों को भाई रे s s s s ...,
भवसागर मझधार है नैया, मैं नैया तू मेरी खिवैया ...2,
पार तो मुझको होना ही रे s s s s ...2,
सहज योग प्यारा सा छैला, सारी दुनिया में है फैला ...,

निर्मल हो जाये मन मटमैला, मटमैला, मटमैला, जग की माता निर्मला,
ओ "निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,

माता के चरणों में आओ, दुख दर्दों को दूर भगाओ ...2,
निर्मल प्रेमानन्द उठाओ रे ऽ ऽ ऽ ऽ ...,
माता है अज़ब सौदागर, प्रेम ही प्रेम दया का सागर ...2,
छोड़ के दुख को प्रेम को बांटो रे ऽ ऽ ऽ ऽ ...2,

माँ बालक की ऐसी माया, सहजयोग में सब कुछ पाया ...,
जिंदगी में कर दे उजाला, उजाला, उजाला, जग की माता निर्मला,
"निर्मला निर्मला बोलो, अरे निर्मला निर्मला बोलो ...2,
निर्मला, निर्मला, निर्मला जग की माता निर्मला ..., " ...2,

नित मंगल होरी खेलो नित बसंत नित फाग 112

नित मंगल होरी खेलो, नित बसंत नित फाग...2,
"नित मंगल होरी खेलो...2, नित बसंत नित फाग"...2,

दया धरम की केसर घोलो, प्रेम प्रीत पिचकारी...2,
भाव भगती से रंगी सत्गुरू संग...2, उमग उमग रंग डार, नित मंगल होरी...

क्षमा अबीर चरतचित चन्दन, सुमिरन ध्यान समार...2,
ज्ञान गुलाल अगर कस्तूरी...2, सुफल जन्म नर नार, नित मंगल होरी...

चरणामृत प्रसाद चरण रज़, अपने शीश चढ़ा...2,
लोक लाज़ कुल कान छोड़ के...2, निर्भय निशान बजा, नित मंगल होरी...

कथा कीर्तन मंगल महोत्सव, भई सहजी की भीड़...2,
कभी ना काज बिगड़ी है तेरो...2, सत् सत् कहत कबीर, नित मंगल होरी..

नित मंगल होरी खेलो, नित बसंत नित फाग...2,
"नित मंगल होरी खेलो...2, नित बसंत नित फाग"...2,

ओ जगत की माँ निर्मल माँ 113

तू ही सबकी पालनहारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तेरी शरण में जो भी आया, ज्ञान का सागर उसने पाया
तेरी दुआ की कृपा हो जिस पर, ह्रदय का दीप उसने जलाया
तेरी अदा है सबसे न्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तेरे रूप और रंग अनेक, तू है सबकी दाता
जीवन सबको तूने दिया है, तू है सबकी माता
तू है हमको सबसे प्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तू है माया और महामाया, कोई तुझको समझ ना पाया
तेरी महिमा तू ही जाने, दर पर जो आया वही राह पाया
तेरी यारी सबसे न्यारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

तू ही सबकी पालनहारी, ओ जगत की माँ निर्मल माँ ...S

ओ निर्मल माँ हम तेरे दरबार में आये 113

ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...2,

तू दुखियों के दुख को हटाये, पीड़ितों की पीड़ा मिटाये
सुख ही सुख से ह्रदय भर आये, मौसम दिल बहलाये ...
चाँद और सूरज चारों दिशायें, तेरी शरण में आये ...2
ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...

एक नजर तू जिसको देखे, बंद कली खिल जाये ...
हाथ तेरा जिसके सर पर हो, पत्थर सोना हो जाये
हँसी तेरे आ जाये लबों पर, सृष्टि भी मुस्काये ...2,
ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...

तू ही आसमाँ, तू ही जमीं है, गिरते हुये को संभाले
जहाँ भी देखूँ, तेरी ही मूरत नैनों में समाये ...,
निर्मल निर्मल नाम जपत है, लहर लहर लहराये ...2,
ओ निर्मल माँ ...4, हम तेरे दरबार में आये, तेरे दरबार में आये ...2,

ओम् शिवाया नमो नमः 114

श्री शिवाया नमो नमः, क्षमा क्षेमाया नमो नमः...
परमेश्वराया एकनायकाय नित्यसुन्दराया नमो नमः...,
ओम् शिवाया नमो नमः

श्री कामाया नमो नमः, ध्यान धराया नमो नमः ...
कणिकरप्रिय नरनारायण प्रिय सदायोगी नमो नमः, ओम् शिवाया ...

आनन्दाया नमो नमः, नन्दीखराया नमो नमः ...
विश्वेश्वराया त्रिलोचनाया आत्मप्रसन्नाया नमो नमः, ओम् शिवाया ....

श्री हराया नमो नमः, रूद्ररूद्राया नमो नमः ...
महाकाल कालकालाय महायोगी नमो नमः, ओम् शिवाया...

पुरूषाया नमो नमः, सर्वसहारा नमो नमः ...
सर्वेश्वराया कामेश्वराया आदिनिर्मलात्मा नमो नमः, ओम् शिवाया ...

श्री आत्माया नमो नमः नित्यनृत्याया नमो नमः ...
महेश्वराया विश्वेश्वराया सदाशिवाय नमो नमः, ओम् शिवाया ...

पहन के चोला लाल 114

लाली मेरी मात की, जित देखूँ उत लाल
लाली देखण मैं गई तो, मैं आप ही हो गई लाल ...ऽऽ

पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

आज हमने निर्मल माँ की ज्योत जलाई है ...3
आई है माँ निर्मल अंखियाँ बिछाई हैं ...2, अंखियाँ बिछाई हैं ...4
ओढ़ चुनरिया लाल श्री माँ जी मेरे घर आये, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

हाथों में प्यारी प्यारी चूड़ियाँ पहनाई हैं ...2
माथे पे प्यारी प्यारी बिंदिया सजाई है ...2, बिंदिया सजाई है ...4
होके शेर पे सवार श्री माँ जी मेरे घर आये, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

पैरों में प्यारी प्यारी झांझर पहनाई है ...2
बिछुए पहनाये और मेंहदी लगाई है ...2, मेंहदी लगाई है ...4
कर के सोलह श्रृंगार, श्री माँ जी मेरे घर आये, ओढ़ चुनरिया लाल ...
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

माँ की चुनरी का क्या करूँ वर्णन, माँ ने डूबे हुओं को तारा है ...,
लोग ये चाँद जिसे कहते हैं, माँ की चुनरी का एक सितारा है ...

हर सहजी में निर्मला समाई है ...2
निर्मला माँ ने सारी सृष्टि रचाई है ...2, सृष्टि रचाई है ...4
सब सहजी हो गये पार, श्री माँ जी मेरे घर आये, ओ सहजी हो गये पार
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...

पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2
मेरे घर आये ...8, पहन के चोला लाल श्री माँ जी मेरे घर आये ...2

परमेश्वरी भगवती निर्मला हमें तेरी ममता का आश्रय मिला 115

परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,
है उपकार तेरा, मिला ये बसेरा...2, हुआ जीवन फिर नया सवेरा ...
परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,

नहीं बेसहारा नहीं दीन अब हम...2, हमीं शक्ति रूपा, तो करूणा भी हैं हम...,
नहीं बेसहारा नहीं दीन अब हम..., हमीं शक्ति रूपा, तो करूणा भी हैं हम...,
मिली है मानवता आँचल में हमारे..,"परमेश्वरी..भगवती निर्मला, हमें तेरी...2,

है गुलशन हमारा बसेरा ये प्यारा...2, यहीं से शुरू नव जीवन हमारा...2,
विश्व निर्मला प्रेमाश्रम ये न्यारा...2,"परमेश्वरी..भगवती निर्मला, हमें तेरी...2,

झुके शीश तेरे चरण में माँ निर्मल...2, तू ही देख हमको तू ही थाम प्रति पल...,
झुके शीश तेरे चरण में माँ निर्मल..., तू ही देख हमको तू ही थाम प्रति पल...,
चले उस डगर पर जहाँ नाम तेरा..., "परमेश्वरी..भगवती निर्मला, हमें तेरी...2,
परमेश्वरी भगवती निर्मला, हमें तेरी ममता का आश्रय मिला...2,
है उपकार तेरा, मिला ये बसेरा...2, हुआ जीवन फिर नया सवेरा ...

पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो 116

पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,
तन मन ये हर्षाया रे, गुण माता के गा लो ...2,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

मंडप चूनण का मन भाये ...2, रत्न अनूठे ज्यूं चढ़वाये ...2,
इन्द्र धनुषी छटा छाई रे ...2, छबी मन में बसा लो ...,
इन्द्र धनुषी छटा छाई रे ..., छबी मन में बसा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

धन्य भाग्य माताजी पधारी ...2, स्वागत में गाये नर नारी ...2,
कण कण में माताजी समाई है ...2, अपनी बिगड़ी बनालो ...2,
कण कण में माताजी समाई है ..., अपनी बिगड़ी बनालो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

रोली मोली चूनड़ मंगाओ ...2, मैया का श्रृगांर सजाओ ...2,
मेंहदी अनोखी लगे जो ...2, वो महावर रचा लो ...2,
मेंहदी अनोखी लगे जो ..., वो महावर रचा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

पुष्प धूप सौरभ फैलाये ...2, अष्ट प्रहर तक भजन सुनाये ...2,
आज सुअवसर आया रे ...2, माता जी को रिझा लो ...2,
आज सुअवसर आया रे ..., माता जी को रिझा लो ...,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

गूँज उठी, मंगल शहनाई ...2, स्वर लहरी हर मन पर छाई ...2,
अन्तर में ज्योत जगाई दो ...2, वो जयकारा लगा लो ...2,
अन्तर में ज्योत जगाई दो ..., वो जयकारा लगा लो ...2,
पावन उत्सव आया रे, आओ खुशियाँ मना लो ...2,

पिंजरा दिन दिन होये पुराना 117

"तन पिंजरे के अन्दर बैठा, आत्म राम कहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

इस पिंजरे के नौ दरवाजे, ना साँकल ना ताला ...2,
खुले हुये पिंजरे में रहता, पंछी उड़ने वाला ...,
पिंजरा जन्मे, पिंजरा पनपे, पिंजरा जले बहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

ना जाने कितने युग से, पिंजरे पंछी का नाता ...2,
पंच तत्व निर्मित यह पिंजरा, बिखर बिखर जुड़ जाता ...2,
हानि लाभ सुख दुख पिंजरे का ...2, पंछी आप सहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

लख चौरासी भांति के पिंजरे, पंछी सब एक जैसे ...2,
ज्ञानी सोचे इस पिंजरे से, मुक्ति मिले तो कैसे ...,
पिंजरे के सहज योग से ही, पिंजरे से मुक्ति मिले ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

"तन पिंजरे के अन्दर बैठा, आत्म राम कहे ...,
पिंजरा दिन दिन होये पुराना, पंछी वही रहे, पंछी वही रहे " ...2,

प्रथम ध्यान धरो तिहारो 117

प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2, फिर जगत के सगरे काम ...2,
प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

चरण कमल पर वारी जाऊँ, चरण कमल पर वारी जाऊँ ...2,
तेरे चरण तीरथ चारों धाम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

निर्मल निर्मल नाम जपूँ मैं, निर्मल निर्मल नाम जपूँ मैं ...2,
माँ की महिमा को तू भी जान ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

निर्मल नाम को मन में बसा ले, निर्मल नाम को मन में बसा ले ...2,
बना ले अपने बिगड़े काम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

सब धन से ऊँचा निर्मल धन है, सब धन से ऊँचा निर्मल धन है ...2,
सहजयोग में डूब के तू भी जान ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

निर्मल नाम है प्रेम का सागर, निर्मल नाम है प्रेम का सागर, ...2,
तू भी प्रेम से नाता बाँध ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,
फिर जगत के सगरे काम ...2, प्रथम ध्यान धरो तिहारो ...2,

प्रतिबिम्ब देवी माँ का 118

"प्रतिबिम्ब देवी माँ का, तरसे है माँ मिलन को
इस हृदय के दर्पण में, आभास हुई है धड़कन" ...2, प्रतिबिम्ब देवी माँ का

जिसे खोज़ रहे थे दर दर, उसके ही संग हैं हर पल ...2
ये दृष्टि के आने से ...2, महसूस किया है वो धन, प्रतिबिम्ब देवी माँ का

मति सोच में थी डूबी, उलझे थे ग्रन्थि सारे ...2
गौरी माँ के विचरण से ...2, माया को तर ही गये हम, प्रतिबिम्ब देवी माँ का

ये मोह के छाये बंधन, जिनपे थे लिपटे सब हम ...2
ब्रह्मरन्ध्र के भेदन से ...2, रोशन हुआ अपना हर क्षण
प्रतिबम्ब देवी माँ का तरसे है माँ मिलन को, इस हृदय के दर्पण ...

पूजा करे संसार मैया तेरी पूजा करे 118

पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे, तेरी पूजा करे ...2, "पूजा करे संसार मैया तेरी ...2,
तेरे पूजन को मैया, गणेश जी आये ...2,

गणेश जी आये, संग में गौरा माँ को लाये ...2,
चूहे पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, विष्णु जी आये ...2,
विष्णु जी आये, संग में लक्ष्मी जी को लाये ...2,
गरूड़ पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, शंकर जी आये ...2,
शंकर जी आये, संग में पार्वती को लाये ...2,
नन्दी पे हो के सवार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2,

तेरे पूजन को मैया, सहजी हैं आये ...2,
सहजी हैं आये, मैया सहजी हैं आये ...2,
चैतन्य की बरसे फुहार, मैया तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...2, पूजा करे, तेरी पूजा करे ...2,
पूजा करे संसार, मैया तेरी पूजा करे ...3,

पूर्ण समर्पण हो आत्मदर्शन हो 119

पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...2, जब हृदय में बसे, मेरी माता
पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...2

"अपने दिल की कली, जब सहज में खिली,
शिव की शक्ति हमें, तब ही हासिल हुई" ...2
इस प्रेम के सागर में, जो भी बहा ...2
कहे डूबा रहूँ, साहिल तू ना आ ...
अब तो मिल ही गया, अनमोल जहाँ ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...SS पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...

"अनुकम्पा जभी, ब्रह्म देवा की हो,
ज्ञान निर्मल तभी, हमसे बहने लगे" ...2
संतुलन इड़ा पिंगला में, ऐसा बने ...2
कर्म करते नहीं, हैं ये होते स्वतः ...
ऐसी होनी से, जीवन भी तीर्थ बने ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...SS पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...

"श्री गणेशा स्वयं माँ के द्वारे बसे,
भोलेपन में स्वयं को ही अर्पित किये" ...2
शुद्धता और विवेक की मूरत बने ...2
इतनी शक्ति वो दे कैसे, अनुमान हो ना ...
हो कृपा हम पर, इच्छा शुद्ध हो अगर ...2
जब हृदय में बसे, मेरी माता SS ...2,
पूर्ण समर्पण हो, आत्मदर्शन हो ...
जब हृदय में बसे, मेरी माता ...6

राधे राधे जपो चले आयेंगें बिहारी 120

राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी,
राधे राधे, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2

आयेंगें बिहारी, चले आयेंगें बिहारी ...3
राधा मेरी चंदा तो चकोर हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले आयेंगे बिहारी,
राधे राधे SS, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2
आयेंगें बिहारी, चले आयेंगें बिहारी ...3, राधे राधे, राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मिसरी तो स्वाद हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा मेरी गंगा तो धार हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी तन तो प्राण हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा रानी सागर तो तरंग हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मोहिनी तो मोहन हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा मेरी गोरी तो सांवरे हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी भोली भाली चंचल हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधा रानी नथनी तो कंगन हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."
राधा रानी मुरली तो तान हैं बिहारी ...3, "राधे राधे जपो, चले ..."

राधे राधे ओ, राधे राधे जपो, चले आयेंगें बिहारी ...2, आयेंगें बिहारी ...

रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया 121

रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया ...2
रंग ना दे इस चंचल मन को ...2, अपने रंग में माया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

"काले पीले रंगों का, ये मेला जग सारा,
इस दुनिया के सब रंगों से तेरा है रंग न्यारा" ...2
सहज को लगा है रंग ये तेरा ...2, कोई उतार न पाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

"हम क्या जाने भक्ति रंग में मन कैसे रंग पाये,
रंग जायेगा उस रंग में वो, तू जो रंग चढ़ाये"
तुम निर्मल हो हम पर करना ...2, निर्मल रंग की छाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

"तेरे रंग में ऐसे रंगे हम, दूजा रंग ना लागे,
तुम बिन कोई नजर ना आये इन नैनों के आगे" ...2
जल को स्थल को सारे जगत को ...2, रंगा रंग बनाया
रंग देहिनी हरि माँ के रंग में काया, काया

रे सहजी झूम झूम के नाचे आज 121

अ र र र र ऽ ऽ रे सहजी झूम झूम के नाचे ...2,
तू सोये भाग्य जगाले आज ...2, कि चेतन की बरसे फुहार ...2, अ र रे...

कि इतना जोर से नाच तू आज ...2, रे धरती अम्बर झूमे साथ ...2,
रे गायें चारों दिशायें आज ...2, अ र र रर ऽ ऽ रे सहजी झूम .....

श्री माँ जी के माथे पे बिंदिया साजे ...2, ये मुखड़ा प्यारा चाँद सा लागे ...2,
जो देखे देखता ही रह जाये ...2, अ र र र र ऽ ऽ रे सहजी झूम .....

कि सहजी चारों दिशा से आये ...2, श्री माँ जी के चरणों में सब गाये ...2,
रे सहजी नाचे, माँ मुस्काये ...2, अ र र र र ऽ ऽ रे सहजी झूम .....

श्री माँ जी के चरणों में जो आये ...2, वो माँ से आज है प्यार पाये ...2,
कि माँजी भव से पार लगाये ...2, अ र र र र ऽ ऽ रे सहजी झूम .....

रूद्राष्टकम् 122

नमामीशमीशान निर्वाणरूपम् । विभुं व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपम् ॥
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहम् । चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम् ॥

निराकारमोंकारमूलं तुरीयम् । गिरा ग्यान गोतीत मीशं गिरीशम् ॥
करालं महाकाल कालं कृपालम् । गुणागार संसारपारं नतोऽहम् ॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरम् । मनोभूत कोटि प्रभाश्री शरीरम् ॥
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारू गंगा । लसद्भालबालेन्दु कंठे भुजंगा ॥

चलत्कुंडलं भ्रू सुनेत्रं विशालम् । प्रसन्नाननं नीलकंठं दयालम् ॥
मृगाधीश चर्माम्बरं मुण्डमाल । प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि ॥

प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशम् । अखंडं अजं भानुकोटि प्रकाशम् ॥
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणि । भजेऽहं भवानिपतिं भावगम्यम् ॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी । सदा सज्जनानन्द पुरारी ॥
चिदानंद संदोह मोहापहारी । प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥

न यादव् उमानाथ पादारविन्दम् । भजंतीह लोके परे वा नराणाम् ॥
न तावत्सुखं शांति सन्तापनाशम् । प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासम् ॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजाम् । नतोऽहंसदा सर्वदा शंभु तुभ्यम् ॥
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानम् । प्रभोपाहि आपन्नमामीश शंभो ॥
रूद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति ॥
ॐ त्वमेव साक्षात् श्री आदिशक्ति माताजी श्री निर्मला दैव्यै नमो नमः ॥

सब अवतारों की अवतार है 123

भारत भूमि पावन भूमि ..., प्रभू ने यहीं अवतार लिये ...,
सुर नर असुर मुनि जन सबके, दुनिया में उद्धार किये ...,
अब की बार प्रभू अवतार, श्री माँ बनकर आई ...,
सब अवतारों की अवतार "है निर्मला माई ...2, ...

अब की बार ..., प्रभू अवतार .....2, माँ बनकर आई ....,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...,

महालक्ष्मी महासरस्वती, "माँ दुर्गा महाकाली है ...2,
माँ कल्की है आदिशक्ति है ..., "माँ की बात निराली है ...2,
जल थल नभ और अगन पवन में ...2, माँ की परछाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

ये तन एक माटी का बरतन, "आत्मा ही तो जीवन है ...2,
आत्म ज्ञान से ध्यान ज्ञान से ..., "प्रभू मिलन ही समर्पण है ...2,
सात चक्र की माया है काया ...2, माँ ने समझाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

मूलाधार में कुण्डलिनी माँ, "गणपति/श्री गणपति उनके पालक हैं ...2,
स्वाधिष्ठान में ब्रह्मदेव ..., "नाभि के विष्णु चालक हैं ...2,
भवसागर में आदि गुरू हैं ...2, दत्तात्रेय सॉंई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

हृदय चक्र के शिव मालिक, "और राम/श्री राम रखईयाँ हैं ...2,
चक्र विशुद्धि कंठ में ..., "विट्ठल और कन्हैया हैं ...2,
बाईबल गीता कुरान यहीं से ...2, गुरूवाणी गाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

आज्ञा चक्र में माँ मैरी और येशु बसते हैं, प्रभु येशु बसते हैं ...,
बुद्ध और महावीर "शुद्ध बुद्धि को रखते हैं ...2,
सहस्त्रार में सम रहती है ...2, माँ निर्मल माई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई ..., हाय सब अवतारों ...2,

क्षमा करो तुम ध्यान धरो ...2, और/तुम निर्विचारिता को पा लो ...2,
आत्मज्ञान मिल जायेगा ..., "माँ निर्मल की महिमा गा लो ...2,
सहजयोग अपनाकर जीवन ...2, करलो सुखदाई ...,
सब अवतारों की अवतार है निर्मल माई..., हाय सब अवतारों ...2,

सबके दिल में बसी है निर्मला 124

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, वो जिसका नूर की किरणें तवाफ करती हैं ...3,
वही है आस्ताने निर्मला सहस्त्रार में ...2,
इलाही फासुले, इलाही फासुले, कुछ इस तरह सिमट जायें
कि नमाज़ दिल में हो और दुआ सहस्त्रार में ...

आ ऽ ऽ आज निर्मल से मिलने की घड़ी आई है ...2,
जामें चैतन्य के, जामें चैतन्य के छलकने की घड़ी आई है ...,
आज निर्मल से मिलने की घड़ी आई है ...,
जामें चैतन्य के, जामें चैतन्य के छलकने की घड़ी आई है ...,
माँ के छुपने का, माँ के छुपने का, मुझे राज़ कोई गम ही नहीं ...,
दिल के आइने में, इस दिल के आइने में तस्वीर उतर आई है ...,
सबके दिल में,"सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...3, 2,
सबके दिल में, ओ सबके दिल में हाँ सबके दिल में,
सबके दिल में बसी है मेरी माता
निर्मला, जाँ से प्यारी, ओ जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला
जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला

जब जब उनकी बात सुनाऊँ, निर्मला माँ को सामने पाऊँ ...2,
पीर बिन मुद्दा नहीं मिलता ...2, खिज्र बिन रास्ता नहीं मिलता ...,
दैरों काबा में ढूँढ़ने वालों ...3, बिन निर्मला माँ खुदा नहीं मिलता ...2,
जब जब उनकी बात सुनाऊँ, निर्मला माँ को सामने पाऊँ ...2,
मन ही मन में ...3, मैं मुस्काऊँ, देखो कितनी ओ देखो कितनी भोली है,
मेरी माता निर्मला, "देखो कितनी भोली है मेरी माता निर्मला ...3,
जाँ से प्यारी, ओ जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला,
जाँ से प्यारी लगे है मेरी माता निर्मला,"निर्मला निर्मला ...4,

सा रेरे मम पप म मम रे रेरे सा ....,

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, आपने सबकी बिगड़ी बनाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई ...2, मन की मुरादें सबने पाई ...2,
मेरी माता की बात क्या कहिये ...2, आला उनकी है जात क्या कहिये ...2,
है बड़ी नामवर, "है बड़ी नामवर मेरी माता ...2,
है बड़ी ताजवर मेरी माता ...2, है बड़ी ताजवर मेरी माता ...2,

सारी दुनिया के लोग आते हैं, अपने मन की मुराद पाते हैं ...2,
अपना दुखड़ा उन्हें, "अपना दुखड़ा उन्हें सुनाते हैं ...2,
अपनी बिगड़ी बना के जाते हैं ...2, अपनी बिगड़ी बना के जाते हैं ...2,
सबकी सुनती है बोलियाँ माता SSS .., आ अ आ S S S
सबकी सुनती है बोलियाँ माता...3, सबकी भरती है झोलियाँ माता...4,

ऐ सवाहों अगर तेरा जाना, जा के मैया से इतना फरमाना ...2,
कहना मजबूर, "कहना मजबूर अब नहीं हूँ मैं ...2,
कहना रंजूर अब नहीं हूँ मैं...2,कहना रंजूर अब नहीं हूँ मैं ...2,
उनकी चौखट को चूमकर कहना, उनके दर को भी चूमकर कहना ...2,
निर्मला योगी,"निर्मला योगी बन गया हूँ मैं ...2,
निर्मला फौजी बन गया हूँ मैं ...2, निर्मला फौजी बन गया हूँ मैं ...2,

कहना अदना गुलाम कहता है, ऐ ऐ आ S S S
कहना अदना गुलाम कहता है...2, कहना अदना गुलाम कहता है ..,
उनको सहजी प्रणाम करता है, उनको फौजी सलाम करता है ...2,
उनको फौजी सलाम करता है,

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, आपने सबकी बिगड़ी बनाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई ...2, मन की मुरादें सबने पाई ...2,
मन की मुरादें सबने पाई, सबने पाई ...,
भाग्य से जो, ओ "भाग्य से जो मिली है मेरी माता निर्मला ...2,
ओ "सबके दिल में बसी है, मेरी माता निर्मला ...2, ओ सबके दिल ...,
जाँ से प्यारी, ओ जाँसे प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला,
जाँ से प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला ..... निर्मला S निर्मला S ...2,

ओ ऽ ऽ ऽ "इरादा है कि किसी रहनुमा से मिल लूँगा ...4,
"मिले जो रहनुमा नानक गुरू से मिल लूँगा ...2,"मिले जो नानक तो राजा
जनक से मिल लूँगा...2,"मिले जो राजा जनक मोहम्मद से मिल लूँगा...2,
नबी मिले तो ओ ऽ ओ ऽ ऽ "न भी मिले तो ईसा मसीह से मिल लूँगा ...4,
मिले ईसा तो यकीनन खुदा से मिल लूँगा ...
मिले ईसा तो यकीनन खुदा से मिल लूँगा ...3, "निर्मला निर्मला ...4,

माँ की सखावत सबसे निराली, ऊँचा रूतबा शान भी आली ...2,
शान भी आली, शान भी आली...2,,शान भी आली, शान भी आली...2
सहजी हैं तेरे दर पे सवाली ...2, सहजी हैं तेरे दर के सवाली ...2,
सहजी हैं तेरे, सहजी हैं तेरे, सहजी हैं तेरे दर के सवाली ...,
झूमकर कर वो, ओ "झूमकर कर वो कहे है मेरी माता निर्मला ...2,
झूमकर वो, झूमकर वो...2,, झूमकर वो, कहे है मेरी माता निर्मला...3,
सबके दिल में, ओ "सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...2,

सबके दिल में, हाँ "सबके दिल में ...3, ओ
"सबके दिल में बसी है मेरी माता निर्मला ...2, जाँ से प्यारी,
जाँ से प्यारी लगे है, मेरी माता निर्मला, ओ सबके दिल में ...3,

सब तेरी शरण आये माँ 126

सब तेरी शरण आये माँ ...3, माँ सब तेरी शरण आये माँ ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,

सहज संगम भयो अनन्त ...2, बहे आनन्द फुहार ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,

सारा जग तुझको ही पूजे ...2, बने अखण्ड ये धाम ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,

आत्म प्रेम का सागर बनें हम ...2, यही करम बने ज्ञान ...2,
सब तेरी शरण आये माँ ...2,

सब तेरी शरण आये माँ ..., माँ सब तेरी शरण आये माँ ...,
सब तेरी शरण आये माँ ..., शरण आये माँ ...,

सबसे प्यारी निर्मला आयी 127

सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2,
सहजयोग के हृदय में माँ ने ...2, प्रेम की ज्योत जलाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
भाग्यशाली हम सहजी सारे ...2, निर्मल भक्ति पाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
निर्मल माँ से लगन लगायी ...2, साँची है यही कमाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
तुम माता हम बालक तेरे ...2, चरण कमल शरणाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2,
निर्मला माँ को पाना जो चाहो ...2, ध्यान करो मेरे भाई,
सबसे प्यारी निर्मला आयी ...2, सबसे न्यारी निर्मला आयी ...2

साधो सो सत्गुरू मोहे भावे 127

साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2, ...S, सत्यप्रेम का भर भर प्याला ...2,
आप पीवे, मोहे पियावे ...2, साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
परदा दूर करे अँखियन का ...2, ब्रह्म दरस दिखलावे, दिखावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
जिस दरसन को सब लोक तरसे ...2, अन्हद शब्द सुनावे, सुनावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
एक ही सब सुख दुख दिखलावे ...2, शब्द में सूरत समावे, समावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,
कहत कबीरा ताको भय नाहीं ..., कहत कबीरा ..., "कहत कबीरा ...4,
कहत कबीरा ताको भय नाहीं ..., निर्भय पग परसावे, परसावे ...
साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2, सत्यप्रेम का भर भर प्याला ...2,
आप पीवे, मोहे पियावे ...2, साधो सो सत्गुरू मोहे भावे ...2,

सफल हुआ है उन्ही का जीवन 128

सफल हुआ है उन्ही का जीवन, जो तेरे चरणों में आ चुके हैं 2
उन्हीं की पूजा हुई है पूर्ण, जो तेरे चरणों में आ चुके हैं ...2
ना पाया तुझको अमीर बनकर, ना पाया तुझको फकीर बनकर ...2
उन्हीं को तेरे हुये है दर्शन ...2 जो तेरे चरणों में आ चुके हैं ...2
जहाँ भी सहजी ने तुम्हें पुकारा, वहीं प्रगट हो दिया सहारा ...2
कटे हैं उनके दुखों के बंधन ...2, जो तेरे चरणों में आ चुके हैं ...2
शरण तुम्हारी जो जन हैं आते, कृपा से तेरी वो मोक्ष पाते ...2
भक्ति में शक्ति उन्होंने पायी ...2, जो तेरे चरणों में आ चुके हैं ...

हे गजानना गणनायका सुन लो अरज हमारी

प्रथम करें हम तुमरी पूजा, तुमसा देव न कोई दूजा।
विघ्न हरो हे विघ्न–विनाशक, सुखकर्ता दुःख हारी।।.. हे गजानना ... 2
गौरा मात पिता महादेवा, सब देवों के आप हैं देवा।
हम सब करें तुम्हारी सेवा, करो कृपा हितकारी।।.. हे गजानना ... 2
शीश गजानन मूषक वाहन, खेलते माँ निर्मल के आँगन।
गले मोतियन की माला विराजे, हम तुम पर बलिहारी, .. हे गजानना ... 2
हम सब सहजी तुमको पुकारे, बैठ के निर्मल माँ के द्वारे।
बाधायें सब दूर करो तुम, सहजन के हितकारी, .. हे गजानना ... 2

सहज दोहे 128

क्या तन मांजता रे, आखिर माटी में मिल जाना ...2,
माटी ओढ़न, माटी पहिरन, माटी का सिरहाना,
माटी का कल्बूत बनाया, जा में भंवर समाना ..., क्या तन 2,
माटी कहे कुम्हार से, क्यों रूंधत है मोहे,
एक दिन ऐसा होएगा, मैं रूंधूंगी तोहे ..., क्या तन 2,
चुन चुन तिनका महल बनाया, बन्दा कहे घर मेरा,
ना घर तेरा ना घर मेरा, चिड़िया रैन बसेरा ..., क्या तन 2,
फटा ये चोला भया पुराना, कब तक सीवें दरजी,
दिल का मरहम कोई ना मिलिया, जो मिलिया अरजी, क्या तन 2,

सहज में चोला अमर भया तब, सहजी मिलिया दरजी,
दिल के मरहम संत मिलेंगें, उपाकरण के गरजी ...., क्या तन 2,

सहज दोहे–निर्मल भजन –दीपक वर्मा 129

करूणामयी माँ की सूरत, देती शुभ संदेश ...2,
आदिशक्ति अवतार हैं, इन्सानों के वेश, रे सहजी इन्सानों के वेश ...,

सहजयोग है दे रहा, ऐसा जीवन सार ...2,
हर प्राणी को मिल रहा, माँ निर्मल का प्यार, रे सहजी माँ निर्मल का प्यार,

माँ समझाये प्यार से, सहजयोग अपनाये ...2,
बन्द झरोखा भाग्य का, दर्शन से खुल जाये, रे सहजी दर्शन से खुल जाये,

क्षेम बराबर माँ करे, घटित कर ले तू योग ...2,
माँ निर्मल के प्रेम से, मिट गये सारे रोग, रे सहजी मिट गये सारे रोग,

पूँजी मतलब धन नहीं, नहीं पुत्र परिवार ...2,
सहज ज्ञान धन जब मिले, नहीं नश्वर की प्यास, रे सहजी नहीं नश्वर की प्यास,

माँ निर्मल ने कर दिया, घर घर सहज प्रकाश ...2,
हर दिल में सन्तोष है, खुशियाँ मिले अपार, रे सहजी खुशियाँ मिले अपार,

ध्यान समर्पण संतुलन, सहजयोग का सार ...2,
सामूहिकता में मिले, आत्मानन्द अपार, रे सहजी आत्मानन्द अपार,

खुद को दोषी मत कहो, सबको करो क्षमा ...2,
मन में माँ के प्रेम की, रोशन करो शमां, रे सहजी रोशन करो शमां,

सत्य में सार्थक जन्म हुआ, पाकर माँ का प्यार ...2,
सहजानन्द के रूप में, मिले सहज परिवार, रे सहजी मिले सहज परिवार,

माँ के अनंत आशीष से, दुनिया हो भव पार ...2,
सतयुग सा चैतन बहे, कण कण अमृत धार, रे सहजी कण कण अमृत धार,

करूणामयी माँ की सूरत, देती शुभ संदेश ...2,
आदिशक्ति अवतार हैं, इन्सानों के वेश "रे सहजी इन्सानों के वेश ...2,

सहज दोहे–निर्मल प्रेम – डा.राजेश 129

निर्मल हृदय राखिये, निर्मल होत विचार ...2,
निर्मल विद्या पा के, भव से हो जा पार, रे सहजी भव से हो जा पार

सहजन दरिया प्रेम का, उल्टी जाकी धार ...2,
जो उबरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार, रे सहजी जो डूबा सो पार

निर्मल नाम अनमोल है, जान लियो, रे मीत ...2,
छोड़ सकल जंजाल को, कर माँ से तू प्रीत, रे सहजी कर माँ से तू प्रीत

सहजन बाजी प्रेम की, खेलो सब माँ संग ...2,
जो जीते तो माँ मिले, और हारे माँ संग, रे सहजी और हारे माँ संग

कलियुग छाया घोर है, पाप लोभ दुराचार ...2,
सब पापन के हरण को, माँ ने लिया अवतार, रे सहजी माँ ने लिया अवतार

हृदय कपट ना राखिये, सबसे कीजिए प्यार ...2,
अन्दर बाहर एक हो, ऐसा करो व्यवहार, रे सहजी ऐसा करो व्यवहार

सहजयोग सबके लिए, भेद भाव नहीं कोय ...2,
सब जन से जो प्यार करे, सो ही सहजी होये, रे सहजी सो ही सहजी होये

खोजत खोजत युग गया, मिला ना आत्मज्ञान ...2,
बाहर खोजे छोड़ के, कर अपनी पहचान, रे सहजी कर अपनी पहचान

सहजयोग को मानिये, इस जीवन का सार ...2,
माँ चरणों में बैठ के, सहज से हो जा पार, रे सहजी सहजी से हो जा पार

निन्दा कबहुँ ना कीजिये, निन्दक खोये ज्ञान ...2,
पर अवगुण को छोड़ के, पर गुणों को जान, रे सहजी पर गुणों को जान

हृदय हर पल राखिये, माँ से मिलन की आस ...2,
पूर्ण समर्पण कर दे तू, पूरा कर विश्वास, रे सहजी पूरा कर विश्वास

मीठी वाणी बोलिये, सब को अपना जान ...2,
मधुर वाणी से जीत दिलों को, श्री माँ का ये ज्ञान, रे सहजी श्री माँ का ये ज्ञान

निर्मल नाम अनमोल है, जान लियो रे मीत ...2,
छोड़ सकल जंजाल को, कर माँ से तू प्रीत रे सहजी "कर माँ से तू प्रीत...

सहज ही निर्मल भक्ति सहज ही निर्मल गीता 130

सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही निर्मल गीता ...2,
सहज ही ऐसी शक्ति, सबको बुलावे अपने पास, "अपने पास ...2,
सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही निर्मल गीता ...2,
कीर्तन भजन का झरना, प्यास बुझाले फिर मत रोना ...2,
नाम स्मरण में, माँ का हो ध्यान ...2, सहज ही ऐसा मन्दिर ...2,
माँ का उसमें हैं निवास, "सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
वीणा से सुर निकले जो न्यारा, हृदय स्पर्श हो सहज की धारा ...2,
साँस साँस बन कर फैलेगी ...2, सहज ही ऐसी ऊर्जा ...2,
माँ को जपने में निहाल, "सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
ये मैला चोला तेरा बोले, सहज गंगा में इसे तू धोले ...2,
मत पछताना हो के उदास ...2, सहज ही ऐसा तीरथ ...2,
निर्मल करले अपने साथ, "सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही ...2,
सहज ही ऐसी शक्ति, सबको बुलावे अपने पास, "अपने पास ...2,
सहज ही निर्मल भक्ति, सहज ही निर्मल गीता ...2,

सहज में आकर ध्यान धरे ना 131

सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S
निर्मल ध्यान तू धर ले सहजी ...2, निर्मल ज्ञान तू पायेगा ...S
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...
भक्ति प्रिया है निर्मला माता ...2, निष्कामा माँ जगदाता ...2
प्रेम प्यार से भक्ति कर, माँ है जग की सुखदाता ...2
मन में तेरे यही हो आशा ...2, कैसे माँ को पायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S
निर्मल माँ पालनहारी ...2, निर्गुणा माँ है प्यारी ...2
सूर्य चन्द्र भी माँ को जपते, निर्मल ज्योति है प्यारी ...2
जो ना माँ को पाया बंदे ...2, खाली जग से जायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

निर्मला माता विश्व विधाता ...2, जो भी सहज में रम जाता ...2
कुण्डलिनी जागृत है होती, मंगल दायिनी दुखहर्ता ...2
निर्मल माँ को जो भी ध्याये ...2, मोक्ष को वो ही पायेगा ...
सहज में आकर ध्यान धरे ना ...2, मोक्ष को कैसे पायेगा ...S

सहज में दिया सहज का ज्ञान 132

सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2, सहज में हमको रखना माँ ...2

हम बच्चे सब सहज की नैया, श्री माँ इसकी आप खेवैया
सहज योग है मोक्ष का द्वारा, श्री माँ इसकी पार करैया
जितना द्विव्य रूप है माँ का, पावन उतना माँ का नाम
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

सोया युग अब जाग रहा है, श्री माँ को पहचान रहा है
सहजयोग साधन सिद्धी से ...2, ज्ञान सत्य से निखर रहा है
माँ के चरणों में ही पाया ...2, हमने अपना धाम
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

जन जन के मन में अब हमको, प्रेम का दीप जलाना है
हम सहजी हैं मिलकर हमको ...2, प्रेम का अलख जलाना है
जागृति देकर निर्मला माँ, बनाती हैं मानव को महान
श्री माँ जय जय माँ ...4, सहज में दिया सहज का ज्ञान ...2

सहज नाम की बस्ती में 132

सहज नाम की ...4, बस्ती में "अपना रैन बसेरा है ...2"
श्री माँ के चरणों तक ...2 सीमित, अपना तो बस डेरा है, हाँ डेरा है सहज
नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है

बना लिया है माँ निर्मल ने, अपनी बगिया का फूल हमें ...2
हर सहजी के दिल से दिल तक ...2, प्रेम रंग का मेला है, हाँ मेला है
सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,

गीत खुशी के हर पल गाते, चेहरों पर मुस्कान लिए ...2
किया उजागर दीप प्रेम का ...2, हर दम प्रीत की बेला है, हाँ बेला है
सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,

निर्मल प्रेम का अमृत पीकर, श्वाँस हमारी चलती है ...2
चैतन्य की फैली हैं किरणें ...2, हर पल नया सवेरा है, सवेरा है
सहज नाम की ...2, बस्ती में अपना रैन बसेरा है, बसेरा है, बसेरा है,
श्री माँ के चरणों तक ...2 सीमित, अपना तो बस डेरा है, हाँ डेरा है ...

सहजी हमें बनाया 133

सहजी हमें बनाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है ...2
मेरा मर्तबा बढ़ाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है ...2
सहजी हमें बनाया ...

मैं गमों की धूप में जब तेरा नाम ले के निकला ...3
किया रहमतों का साया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
किया रहमतों का साया ..., ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

कभी मौत के भंवर में, और कभी कदम कदम पे ...3
मेरी नाव को बचाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मेरी जिन्दगी के दामन पे, बरस पड़ी बहारें ...3
माँ तेरे प्यार ने हँसाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मेरे वक्ते वे मुसीबत में, मेरे दिल में उतर कर के ...3
मेरे दिल को दिल बनाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

मैं भटक के रह गया था, कहीं और बह गया था ...3
मुझे रास्ता दिखाया ...2, ये करम नहीं तो क्या है
सहजी हमें बनाया ..., मेरा मर्तबा बढ़ाया ...

सहजी नैना खोल रे तोहे निर्मल मिलेंगे 133

सहजी नैना खोल रे, तोहे निर्मल मिलेंगे ...2
निर्मल मिलेंगे महामाया मिलेंगे ... 2,
मीठा सबसे बोल रे, तोहे निर्मल मिलेंगे,"घट घट में तोरे श्री माँ बसत है ...4
कटु वचन मत बोल रे, तोहे निर्मल मिलेंगे,"सहजी नैना ..., तोहे निर्मल ...2
धन दौलत का गर्व ना करियो ..., 2
झूठा इसका मोह रे, तोहे निर्मल मिलेंगे ...2"सहजी नैना ..., तोहे निर्मल ...2
धर्म को घट में जागृत करले ...4,
गुरू पायो श्री माँ जी रे, तोहे निर्मल मिलेंगे ...2 "सहजी नैना..., तोहे ...2
श्री माँ जी का सुमिरन करले ...4,
हृदय के पट खोल रे, तोहे निर्मल मिलेंगे ...2 "सहजी नैना..., तोहे निर्मल...2
मीठा सबसे बोल रे, तोहे निर्मल मिलेंगे ...2 "सहजी नैना..., तोहे निर्मल..4

सहजी पुकार रहे आज 134

"सहजी पुकार रहे आज, आओ मेरी निर्मल माँ ...2,
निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ, निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ...2,"तेरे सहजी...2
कलयुग में अवतार लिया है ...2, भटके जन को पार किया है ...2
किया अद्भुत चमत्कार, आओ मेरी निर्मल माँ..., तेरे सहजी पुकार ...
निर्मल का गुणगान जो गाते ...2, माँ से निशदिन ध्यान लगाते ...2
नैया लगाई उनकी पार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., तेरे सहजी पुकार ...
ब्रह्मा भी तू है और विष्णु भी तू है...2, शंकर भी तू जगदम्बा भी तू है...2
सारे जग की खेवणहार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., तेरे सहजी पुकार ...
दुर्गा भी तू है और अम्बा भी तू है ...2, लक्ष्मी भी तू महाकाली भी तू है ...2,
लिया कलकी रूप अवतार, आओ मेरी निर्मल माँ ..., तेरे सहजी पुकार ...
सहजी पुकार रहे आज,आओ मेरी निर्मल माँ,"निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ...4
तेरे सहजी पुकार रहे आज, आओ मेरी निर्मल माँ ...2,
निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ निर्मल माँ, मेरी निर्मल माँ ...2

सहजी ठाढे थारे द्वार म्हारी निर्मल माँ 135

सहजी ठाढे थारे द्वार, थारी करते जय जयकार, म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ...

"तू है ममता को भंडार, दे दे दे दे थोड़ो प्यार ...
म्हारी निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ...
सहजी ठाढे थारे द्वार, थारी करते जय जयकार, म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ म्हारी निर्मल माँ ..." ...2

जय जगदम्बे मात भवानी, जय हो शेराँ वाली ...
कभी फूलों से कोमल है तू, कभी लगे महाकाली ...
करती दुष्टों का संहार, थारी शक्ति है अपार ... , म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

जय जय हे सरस्वती माता, जय हो हे गायत्री ...
जग कल्याणी हो माता तुम, ज्ञान बुद्धि की दात्री ...
देती ज्ञान का भंडार, थारी लीला अपरम्पार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

जय महालक्ष्मी विष्णु प्रिये हो, जगत की पालन हारी ...
टल गये संकट भर गई झोली, नज़र जो तुमने डाली ...
जग में थारी है सरकार, लागा श्री माँ का दरबार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

जमाने डेरा ऊपर बैठी, पहाड़ाँ वाली माता ...
आदि शक्ति का रूप लई के, जोड़ लियो रे नाता ...
थारा चरणाँ पे बलिहारी, मैं तो आयो थारे द्वार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

जय जय हे भगवती माता, जय हो दुर्गा माई ...
जब जब संकट आयो हम पर, तू ही बचाने आई ...
हरदम पायो थारो प्यार, थारो घणो घणो उपकार ..., म्हारी निर्मल माँ,
म्हारी निर्मल माँ, निर्मल माँ, म्हारी निर्मल माँ ... "हे सहजी ठाढे ...

सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे 136

सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2
अपना शीश झुकायें आयें तेरे द्वारे ...2, सहजी सहजी सारे ...2

तू ने सबको जन्म दिया है, "तू ही कर दे पार ...3
तू ही सबकी जीवन जननी, "ये तेरा संसार ...3
निर्मल नाम का अमृत पी तू, "कर ले बेड़ा पार ...3
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2

निस दिन तेरा ध्यान धरत है, "तेरे मिलन की आस ...3
पल पल तेरा नाम जपत है, "निर्मल माँ का दास ...3
सहज सहज का नाम सहज ले, "जीवन अपना तार ...3,
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2

आशाओं के दीप जलाकर, "आया तेरे द्वार ...3
इस मिट्टी की मूरत को अब, "तू कर दे साकार ...3
तेरी महिमा तू ही जाने, "तेरी जय जयकार ...3
सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...2, अपना शीश झुकायें ...
आयें तेरे द्वारे ...2, सहजी सहजी सारे आये तेरे द्वारे ...4

सलमा सितारों वाली चुनरी माँ की लाल 136

"सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2,
चुनरी माँ की लाल ...2, पवन संग लहराये ...4," ...2,

इस चुनरी नूं पहन के मोरी, निर्मल माँ मुस्काये ...2,
ब्रह्मा विष्णु शिवशंकर भी, इसनूं देखण आवे ...2, पवन संग लहराये ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ... लहराये

भक्ति का ताना, ज्ञान का बाना, ले के स्नेही तार ...2,
श्री माँ जी के सहजयोग से, चुनरी हुई तैयार ...2, पवन संग लहराये ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ..... लहराये...

मोहम्मद ज़ीज़स नानक ने, ऐसा रंगना किया तैयार ...2,
जो भी रंगा है इस रंग में, वो हो गया लाल ही लाल ...2, पवन संग ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ... लहराये

इस चुनरी की छाँव तले, इक नव जीवन मुस्काये ...2,
दुख से तपा मुसाफिर माँ की, शीतल छाया पाये...2, पवन संग लहराये ...4,
सलमा सितारों वाली, सोने दी तारों वाली ...2, चुनरी माँ ..... लहराये

सन्तों सहज समाधी भली 137

सन्तों सहज समाधी भली ...2,
साँई ते मिलन भयो जा दिन ते ...2, सूरति ना अन्त चली ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,

आँख ना मूँदू, कान ना रूँधू, "काया कष्ट ना धारूँ ...2,
खुले नयन में, हंस हंस देखूँ ..., सुन्दर रूप निहारूँ,
कहूँ सो नाम, सुनूँ सो सुमिरन ..., "जो कुछ करूँ सो पूजा ...2,
विरहऊ जान इक सम देखूँ ..., भाव मिटाऊँ दूजा ...,
सहज समाधी भली, सन्तो सहज समाधी भली ...,

जहाँ जहाँ जाऊँ सोही परिक्रमा ..., "जो कुछ करूँ सो सेवा ...2,
जब सोऊँ तब करूँ दण्डवत ..., पूजूँ और ना देवा ...2,
शब्द निरन्तर मनुवा राता ..., "मलिन वचन का त्यागी ...2,
उठत बैठत, कबहूँ ना बिसरे ..., ऐसी तारी लागी ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,

कहे कबीर यह, उन मुनि रहनी ...2, सो परगट कर जाई ...,
सुख दुख के इक परे परम सुख ..., तेही में रहा समाई ...,
सहज समाधी भली, सन्तों सहज समाधी भली ...,
साँई ते मिलन भयो जा दिन ते ...2, सूरत ना अन्त चली ...,
सहज समाधी भली, "सन्तों सहज समाधी भली ...3,

सावन की बरसे बदरिया माँ की भीगे चुनरिया 138

सावन की बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया,
भीगे चुनरिया, माँ की भीगे चुनरिया ...2, सावन .....

अम्मुआ की डाली पे कोयल बोले ...2,
रिमझिम बरसे बदरिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

लाल लाल चोला , माता अंग पर सोहै ... 2,
माथे पे चमके है बिन्दिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

लाल हरी चूड़िया माता को पहनाई है ... 2,
अंगुली में चमके मुन्दरिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

सहजी बहनों ने, माँ को मेहंदी लगाई है ... 2,
मेहंदी पे माँ की नजरिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

काली घटा में माँ का झूला डलवाया ... 2,
उस पर निर्मल माँ को बिठाया ... 2,
भक्तों की माँ पे नजरिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

ऊँचे पहाड़ों पे माता बिराजे... 2, कैसे आऊँ माता रास्ता ना सूझे ... 2,
टेड़ी मेड़ी है माँ की डगरिया, माँ की भीगे चुनरिया ... 2, सावन .....

शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी 139

"शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी, साँई भोला भंडारी ...,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, शिव भोला भंडारी ...", ...2

भस्मासुर ने करी तपस्या, प्रगट भये त्रिपुरारी ...,
जिसके सिर पर हाथ लगावे, भस्म हुये तन सारी ...,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

शिव के सिर पर करन की, मन में दुष्ट विचारी ...,
भागे फिरत चहों दिसी शंकर, लगा दैत्य दर भारी ...,
गिरिजा रूप धर हरि हर बोले, बात असुर से प्यारी ...,

जो तू मुझ को नाच दिखावे, होऊँ नार तुम्हारी ...,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

नाच करत अपने सिर कर धर, भस्म भयौ मति मारी ...,
ब्रह्मानन्द दे दे जोई कोई माँगे, शिव भक्तन हितकारी ...,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, "शिव भोला भंडारी ...4

"शिव भोला भंडारी, साधु भोला भंडारी, साँई भोला भंडारी ...,
शिव भोला भंडारी, शिव भोऽलाऽ भंडारी, शिव भोला भंडारी ..." ...2

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला 139

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2,
मंगलकारी नाम है शिव का ...2, शम्भू भोला भाला ...,
शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2, ॐ नमः शिवाय ...4,

जिनकी महिमा ऋषि मुनि गायें, योगी जिनका ध्यान लगायें ...2,
मन उनका मतवाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला..., शिव शंकर .....

जो भी शिव शिव नाम घ्यावे, वो ही मन वांछित फल पावे ...2,
ऐसा शिव है कृपाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला ..., शिव शंकर .....

विघ्न हरे संताप मिटाये, युग युग के सब पाप जलाये ...2,
शिव के नेत्र की ऐसी है ज्वाला ...2, शम्भू भोला भाला ..., शिव शंकर ..

ज्ञानी जिन्हें विचारत हारे, भक्तों के वो खड़े हैं द्वारे ...2,
ऐसा दीन दयाला मेरा ...2, शम्भू भोला भाला ...,

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2,
मंगलकारी नाम है शिव का ...2, शम्भू भोला भाला ...,

शिव शंकर रखवाला, मेरा शम्भू भोला भाला ...2, ॐ नमः शिवाय ...4,

ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ 140

ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ, तेरा उपकार कैसे करूँ मैं बया,
मै धरा तू आसमां ...2
प्रेमो नजर करके रहमो करम, तू ने पहुँचाया मुझको कहाँ से कहाँ
बदला है मेरा जहाँ ...2, ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ

दी है ऐसी शक्तियाँ, जिनके मैं काबिल ना था ...2
ऐसी थी ये जिन्दगी जिसका कोई साहिल ना था
माँ मिली तो रब मिला, रब मिला तो सब मिला
झूम उठी ये जिन्दगी जीने का सबब मिला...2, ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ

जलते जग की धूप में, छाया तेरी मिल गई
रोते नैना हंस पड़े, दिल की कलियाँ खिल गई ...2
माँ रहमो करम, श्वाँस है इधर उधर
ना उतार पाऊँ मैं कर्ज तेरा उम्र भर ...2, ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ...

दी है इतनी रहमतें, झोली छोटी पड़ गई ...2
तेरी कृपा से मेरी आखें भी नम हो गई ...2
भाग्य माँ संवारती, पार माँ उतारती ...2
सहजी तेरा हर घड़ी शुक्र ये गुजारता ...2, ऐ सदगुरू ऐ मेरी आदि माँ

सहस्त्रार चक्र में 183

सहस्त्रार चक्र में रूप सहज ध्याये ...2, अलग अलग रूप धरे पास मेरे आये
"माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी" ...2

"तू ही माँ शैल पुत्री, पार्वती माता, शंकर अर्धांगिनी, शेरों वाली माता"..2
तू ही भव तारिणी, सहज योग दायिनी ...2
जो भी रूप धरे मैया, हमको बहुत भाये ...,
"माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी" ...2
सहस्त्रार चक्र में रूप सहज ध्याये ...2

"ममता है निर्मला, शरण आये तेरे, सहजयोग दिया तूने पाप कटे मेरे" ...2
उदर में संसार भरे, कुण्डलिनी माता...2, पाप ताप हरे तीनों, लोकों की ध्याता
"माताजी, ओ मेरी माताजी, माताजी ओ निर्मल माताजी" ...2

"काल की भी काल भई, देवी काल रात्री,
रक्षा करे निर्मल माँ, इसकी हमको खातरी" ...2
विश्व की माँ निर्मल है, रूप मनोहारी है ...2

सोचता है तू क्या 141

सोचता है तू क्या श्री माँ आती नहीं..., जरा दिल से बुलाने की कोशिश तो कर
सुन लेगी मैया, तेरी आवाज को जरा, सिर को झुकाने की कोशिश तो कर

सदा भटकों को देती सहारा – नाम हृदय से जिसने पुकारा ...2
झोलियाँ देती भर, कोई रहता ना डर, बख्स देती गुनाह जो हुए भूल से
ऐसी माँ को तू पाने की कोशिश तो कर, "सुन लेगी मैया, तेरी आवाज ...

खुदी अहंकार, क्रोध को छोड़कर ...2, चित श्री माँ के चरणों से जोड़कर
जायेगा भव से तर, होगा अन्तर मिलन, करूणा मयी है माँ प्यार बरसायेंगी
ऐसी माँ को जगाने की कोशिश तो कर, "सुन लेगी मैया, तेरी आवाज ...

श्री माँ निर्मल ने दी ये कसौटी ...2, जाने क्या खरी क्या है खोटी
जज तू मत बन, धर श्री माँ चरण, सच झूठ है क्या माँ ही बतलायेंगी
ऐसी माँ को मनाने की कोशिश तो कर, "सुन लेगी मैया, तेरी आवाज ...
सोचता है तू क्या श्री माँ आती नहीं..., जरा दिल से बुलाने की कोशिश तो कर

श्री गणपति दाता नमो नमः 141

जय गणपति जय उमासुत, शंकर सुमन गणेश ...,
जय जय श्री माँ निर्मला, "सदा बसो हृदय ...2,
श्री गणपति दाता नमो नमः ...3, श्री निर्मल माता नमो नमः .....,
नमो नमः "श्री गणपति दाता नमो नमः .....,

करूणा का भंड़ार तुम्हीं हो ..., ममतामयी बहार तुम्हीं हो ...,
सुख दाता हो दुखहर्ता हो ....2, ऋद्धि सिद्धि दातार तुम्हीं हो 2,
जीवन का आधार तुम्हीं हो ..., प्राण तुम्हीं संसार तुम्हीं हो ....,

कलियुग में कल्याण करने को...2,प्रभु का बस/आदिशक्ति अवतार तुम्हीं हो...2,
जगत विधाता .... S S, जगत विधाता नमो नमः,
नमो नमः "श्री गणपति ...3, श्री निर्मल ..., नमो नमः "श्री गणपति ...,

सात चक्र की बनी ये काया ..., सब में तेरा नूर समाया ...,
जीवन की पहचान कराकर ...2, मानवता का सार बताया ...2,
सहजयोग तुमने समझाया ..., आत्म ज्ञान का मार्ग दिखाया ...,
कुण्डलिनी जागृत कर तूने ...2, आत्म साक्षात्कार कराया ...2,
जीवन ज्ञाता ... S S, जीवन ज्ञाता नमो नमः,
नमो नमः "श्री गणपति ...3, श्री निर्मल .., नमो नमः "श्री गणपति..,

मैं हूँ मैया सहजी तेरा ..., मन मंदिर में करो बसेरा ...,
नैनों में रहे तेरी मूरत ...2, होता रहे/करते रहे माँ दर्शन तेरा ...2,
तेरे भजन में ध्यान हो मेरा ..., करता रहूँ गुणगान माँ तेरा ...,
दे दो माँ वरदान मुझे भी ...2, कर दो माँ कल्याण मेरा ...2,
भाग्य विधाता ... S S, भाग्य विधाता नमो नमः,
नमो नमः "श्री गणपति ...3, श्री निर्मल ..., नमो नमः "श्री गणपति ...,

श्री माँ देवों के कारण 142

श्री माँ देवों के कारण, दैत्यों को मारण आप लियो अवतार ...2
सारे जग को जागृति दे दी ...2, हम बच्चे बलिहार ...
श्री माँ देवों के कारण, दैत्यों को मारण आप लियो अवतार ...2,

सारा जग अंधकार में डूबा, आप ही ज्योति अपार ...2,
दीप से दीप जलाकर माँ ने ...2, दूर कियो अंधकार ...
श्री माँ देवों के कारण, दैत्यौं को मारण आप लियो अवतार ...2,

भूत भविष्य की चिन्ता हराई, चित्त कियो निर्विचार ...2,
डूब गये हम आनन्द तल में ...2, ऐसो हुओ साक्षात्कार, श्री माँ देवों के कारण

अलग थलग पड़ा था मानव, आप दियो परिवार ...2,
पूरा विश्व चरण में आया, ऐसो तेरो प्यार, श्री माँ देवों के कारण ....

श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी 143

श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...3,
श्री माँ है रंगरेज, चुनर–मोरी रंग डारी ...,

स्याही रंग छुड़ायके रे, दियो मजीठा रंग ...2,
धोये से SS छूटे नहीं रे ...2, दिन दिन होत सुरंग ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

भाव के पुंज, नेह के जल में, प्रेम रंग गई होर ...2,
सत की चास लगाये के रे ...2, खूब रंगी झकझोर ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

श्री माँ ने चुनरी रंगी रे, श्री माँ चतुर सुजान ...2,
सब कुछ उन पर वार दूँ रे ...2, तन मन धन और प्राण ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...,

कहे कबीर रंगरेज गुरू रे, हम पर हुये दयाल ...2,
निर्मल चुनरी ओढ़ के रे ...2, भई हो मगन निहाल ...,
चुनर मोरी रंग डारी, श्री माँ है रंगरेज, चुनर मोरी रंग डारी ...

श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें 143

श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगे ...2
श्री माँ जी को मन से ध्याया करेंगे ...2, श्री माँ जी को मन ...2

हृदय में बनायेंगे, हम सहज मंदिर ...2,वहीं माँ को झूला झुलाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

माँ को प्रेम डोरी में हम बाँध लेंगें...2,माँ निर्मल को हरदम रिझाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

जो रूठेगीं हम से माँ निर्मल कभी भी...2, उन्हीं के चरण पड़ मनाया करेंगें..2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

श्री माँ को बैठायेंगें आँखों में दिल में...2, वहीं माँ के दर्शन भी पाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...

हे मोक्ष प्रदायिनी निर्मला माता...2, सुबह शाम ध्यान लगाया करेंगें...2
श्री माँ जी को मन में बसाया करेंगें ...2
श्री माँ जी को मन से ध्याया करेंगें ...2, श्री माँ जी को मन ...2

श्री माँ की भक्ति का पाया ऐसा जगमग हीरा 144

श्री माँ की भक्ति का पाया, ऐसा जगमग हीरा ...2,
दूर हुये जो, भ्रम थे मन के ...2, मिट गया गहन अंधेरा ...,
श्री माँ की भक्ति का पाया, "जगमग हीरा ...2,

हर पल अपने मन में बसी है, माँ की भोली सूरत ...2,
प्रेम मयी करूणा मयी माँ की, सुन्दर प्यारी मूरत ...2,

श्री माँ के चरणों तक सीमित ...2, अपना रैन बसेरा ..., श्री माँ की भक्ति....

आये शरण में माँ की जब हम, ज्ञान मिला है निराला ...2,
पायी कृपा जो माँ निर्मल की, पग पग हुआ उजाला ...2,

प्राणों की निर्मल धारा में ...2, हर पल सुमिरन तेरा ..., श्री माँ की भक्ति....

वेद पुराण बखान सके ना, श्री माँ महिमा तिहारी ...2,
आदि शक्ति है आदि गुरू माँ, महिमा तुमरी न्यारी ...2,

दो कर जोड़े, करें प्रार्थना ...2, शरण में रखना हमेशा ..., श्री माँ की भक्ति....

शिव ब्रह्मा विष्णु भी माँ की, जान सके ना माया ...2,
ऋषि मुनि भी खोज के हारे, भेद ना माँ का पाया ...2,

तोड़ा है कलियुग में माँ ने ...2, बाधाओं का घेरा ..., श्री माँ की ....
श्री माँ की भक्ति का पाया, "ऐसा जगमग हीरा ...2,

श्री माँ तेरा नाम मुझे और ना कोई काम 144

श्री माँ S तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम ...2
सुबह शाSम अविराSम, मैं जपता हूँ तेरा नाम ...2

श्री माँ जय माँ जय जय माँ ...2, श्री माँ तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम

मोह माया के बंधन टूटे, मन के अंधेरे दूर हुये ...2
बीती बातें भूल गया मैं, मेरे सब कुछ आज नये ...2

तेरा ध्यान, तेरा धाम, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ जय...

भव सागर से तारने वाली, तारक एक तुम्हीं हो माँ ...2
मेरी सब बाधायें हर लो, पालक एक तुम्हीं हो माँ ...2
जप लूँ माँ, भज लूँ माँ, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ...

काया माया के चक्कर में, अब तक भटक रहा था मैं ...2
जो थे पराये अपना समझ कर, माँ को भूल रहा था मैं ...2
चाहे भोर, चाहे शाम, मुझे और ना कोई काम ...2, श्री माँ जय माँ ...

सुबह शाऽम ऽ अविराऽम ऽ, मैं जपता हूँ तेरा नाम,
श्री माँ जय माँ जय जय माँ ...2, श्री माँ तेरा नाम, मुझे और ना कोई काम

श्री माँ तुम्हारे प्यार ने जीना सिखा दिया 145

श्री माँ तुम्हारे प्यार ने ...2, जीना सिखा दिया
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...3,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

भटके हुये जहान में, भटका हुआ था मैं ...3,
डाली जो मुझपे इक नज़र ...2, दीवाना बना दिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

तेरे सिवा कोई नहीं, मेरा जहान में ...3,
खुद को समझ गया हूँ मैं ...2, माँ तुमको भी पा लिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

तेरे प्यार में ही मिल गयी, त्रिलोक की खुशी ...3,
दे के सहज का ज्ञान मुझे ...2, सहजी बना दिया,
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,
मिट्टी को आपने श्री माँ ...2, सोना बना दिया ...
मिट्टी को आपने श्री माँ ..., सोना बना दिया ...
श्री माँ तुम्हारे प्यार ने, जीना सिखा दिया ...2,

श्री माताजी की महिमा है अचरज भरी 146

श्री माँ निर्मल की शरण में आकर, निर्मल तन मन धन होता है ...,
श्री माँ का सुमिरन करने से, जागृत चेतन होता है ...,
श्री माँ की कृपा से, सहज में ही कुण्डलिनी जागरण होता है ...,
आत्म ज्ञान मिल जाता है, और सफल ये जीवन होता है ...,
श्री माताजी की महिमा हो S S S

श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,
जिन चाह तिन तिन की ...2 विपदा हरी ..., "श्री माताजी की ...2,

बचपन यौवन और बुढ़ापा, तीन अवस्था तन की ...2,
भूत भविष्य वर्तमान है, तीन दशा जीवन की ...2,
तीन लोक में मैया जी की हो S S S ..., तीन लोक में मैया जी की
जादूगरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

जीना मरना रोना हँसना, सुख दुख रंग जीवन के ...2,
लाभ और हानि यश अपयश, हित अनहित संग जीवन के ...2,
काम क्रोध मद लोभ मोह है हो S S S..., काम क्रोध मद लोभ मोह है
मायापुरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

सात चक्र के व्यूह से, रब ने रची है मानव काया ...2,
सात सुरों के संगम में, जीवन संगीत समाया ...2,
सात दिनों के काल चक्र में हो S S S..., सात दिनों के काल चक्र में
दुनिया सारी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

इंगला पिंगला और सुषुम्ना, तीनों माँ की शक्ति ...2,
शुद्ध वचन मन कर्म नियम से, जो करते हैं भक्ति ...2,
ब्रह्मा विष्णु महेश ने उन पर हो S S S ..., ब्रह्मा विष्णु महेश ने उन पर करूणा करी ...,"श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

पावन चित्त चरित्र को रखिये, भोग विलासी ना रहिये ...2,
कुण्डलिनी माँ जागृत होगीं, श्री गणपति कहिये ...2,
मूलाधार से हुई उजागर हो S S S ..., मूलाधार से हुई उजागर भागेश्वरी ..., "माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

शुद्ध ज्ञान सौन्दर्य बोध से, सरस्वती जी मानी ...2,
चिन्ता सोच निराशा मदिरा, करते ज्ञान की हानि ...2,
स्वाधिष्ठान में प्रतिभा शक्ति हो S S S ..., स्वाधिष्ठान में प्रतिभा शक्ति चेतन करी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

धर्म कर्म के दस आदर्श ने, लक्ष्मी जी को साधा ...2,
वैभव लिप्सा धन लोलुपता, कलह से आती बाधा ...2,
सच्चाई संतोष त्याग है हो S S S ..., सच्चाई संतोष त्याग है अल्का पुरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

है महान गुरूओं की पावन वेदी, ये भवसागर ...2,
सही व्यवस्थित दिनचर्या से, करना इसका आदर ...2,
अपवर्जन और आडम्बर से हो S S S ..., अपवर्जन और आडम्बर से रखना बरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

देव देवियों की महिमा का, शिवम् तत्व ह्रदय है ...2,
तिरस्कार पाखंड़ झूँठ से, होता इसका क्षय है ...2,
संयम नियम योग जिज्ञासा हो S S S ..., संयम नियम योग जिज्ञासा इसकी धुरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

मानवीय और प्राकृतिक, गुण स्वाद को चाहे विशुद्धि ...2,
दूषित भोजन दूषित दृष्टि, दोष भाव से अशुद्धि ...2,

कुशल व्यवहार विवेक प्यार से हो ऽ ऽ ऽ ..., कुशल व्यवहार विवेक
प्यार से बाधा हरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

क्षमा करो तुम औरों को, और सबको क्षमा कराओ ...2,
अहंकार को मिटा के मन में, दया का भाव जगाओं ...2,

उचित विचार से बने अगन्या हो ऽ ऽ ऽ ..., उचित विचार से बने
अगन्या आज्ञाकारी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

नयी चेतना परम शांति, संग चैतन्य बहेगा ...2,
सहज स्वाभाविक अनुभव होगा, जागृत ज्ञान रहेगा ...2,

परम चेतना सहस्त्रार में हो ऽ ऽ ऽ ..., परम चेतना सहस्त्रार में
माँ ने भरी ..., "श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी ...2,

आत्म ज्ञान से जीवन की बाधायें, हटाते जाओ ...2,
फिर अनन्त सागर में अपने, प्राण मिलाते जाओ ...2,

सहजयोग ने मोक्ष की राहें हो ऽऽऽ..., सहजयोग ने मोक्ष की राहें
निर्मल करी ...,"श्री माताजी की महिमा है, अचरज भरी" ...2,
जिन चाह तिन तिन की ...2 विपदा हरी ..., "श्री माताजी की ...2,

श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया 148

श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया, माँ के चरणों ने बेड़ा पार लगाया ...2
दुखों से मोड़ा ईश्वर से जोड़ा,
माँ ने हमें सच्चा सहजयोगी बनाया ...2, श्री माता जी .....

हम अंधकार में थे सदा से, पाई ज्योति सहज की श्री माँ से ...2
मिटे है सारे द्वन्द, मिला निर्मल आनन्द...2,
मन के मन्दिर में श्रद्धा का दीप जलाया, श्री माता जी ....

नैया जीवन की खाये हिचकोले, मैया तूने सुखों के द्वार खोले ...2
हुआ तम का विनाश छाया अद्भुत प्रकाश...2,
अपने अन्दर ही ईश्वर का रूप दिखाया, श्री माता जी .....

तू ही राम है तू ही रहीमा, तू ही कृष्ण है तू ही करीमा ...2
आदि शक्ति का रूप तू है ममता स्वरूप...2,
इस धरती को तूने ही स्वर्ग बनाया, श्री माता जी .....

सारे जग में हो जयकारा तेरा, मैया तन मन धन सब ये तेरा ...2
भटकों को सुधार मैया कर सबको पार,
सारी दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाया, श्री माता जी .....

मैया तू ने ही सृष्टि बनाई, इसके कण–कण में तू है समाई ...2
किया निर्मल प्रयोग, दिया कुण्डलिनी योग ...2
परम चैतन्य तूने साकार बनाया..., श्री माता जी ने सत्य मार्ग दिखाया

श्री माता जी 149

श्री माता जी वन्दु तव चरणा, निर्मल है विश्वा आपुले
योग तव दिला–आशीर्वाद द्या आम्हा
वन्दु तव चरणा, निर्मल है विश्वा आपुले,
योग तव दिला श्री माता जी

तुत्स मझा जननी, विनती तव आमुची, आमुच्या हृदयात राहो
मंगल मुरती ही आपुली, मंगल मुरती ही आपुली, ... श्री माता जी

आमुचे जीवत, तव सेवत लागो, जन्मो जन्मी हीतस ईछा SS ...2
आप नाची चरण गंगा आमुच्या सहृसरारी रहो, ... श्री माता जी

शुभ मंगलमय दिवस है आया 149

शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,
आदिशक्ति स्वयं हैं पधारीं ...2, शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

हर लहर पर नयी तरंग है ...2, हर तरंग पर नयी उमंग है ...,
हर लहर पर नयी तरंग है, हर तरंग पर नयी उमंग है ...,
हर हृदय में उल्लास अल्हाद है ...2, पर परमेश्वरी आज पधारीं ...
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

सुर नर मुनि सब झूम रहे हैं ...2, आज प्रकृति भी झूम रही है ...2,
सुर नर मुनि सब झूम रहे हैं ..., आज प्रकृति भी झूम रही है ...,
फूल खिले, भंवरे सब मिलके ...2, रचियता के ही गुण गायें ...2,
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

देवों ने पुष्प वर्षा की है ...2, प्रार्थना पूर्ण हुई संतों की ...2,
ब्रह्मा विष्णु महेश सदाशिव ...2, स्वयं आरूप हैं पधारे ...2,
शुभ मंगलम दिवस है आया ...2,
आदिशक्ति स्वयं हैं पधारीं ...2, शुभ मंगलमय, शुभ मंगलमय,
शुभ मंगलमय दिवस है आया ...2,

सोई हुई रूहों में खुदी जाग उठी है 150

सोई हुई रूहों में, खुदी जाग उठी है।
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है ॥

अश्कों की नदी को मिला, आँचल का किनारा ...2,
मुरझाये से चेहरों पे, हँसी जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

इक ममता की देवी ने दिया जबसे सहारा ...2,
तकदीर मेरी, सोई हुई जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

पहचान हुई बात हुई, मिल गये खुद से ...2,
जो खुशबू थी हम्हीं में छुपी, जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...

कौन आया कि सज़दे में झुकी जाती है दुनिया ...2,
ये किसने सदा दी, कि सदी जाग उठी है ...
जीने की फिर इक आस नई जाग उठी है, सोई हुई रूहों में ...2

सुमिरन करले निर्मल माँ का 150

सुमिरन करले S S S, "सुमिरन करले निर्मल माँ का ...2,
तेरा कष्ट निवारेगा,"जग में तू तर जायेगा ...2,

माँ की दुआ की झोली भर ले, अच्छे करम की पूँजी कर ले ...2,
निर्मल वचन निभायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

सच्चे भाव को मन में बसा ले, निर्मल नाम को दिल में समाले ...2,
निर्मल राह जो जायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

मन के मैल को धो ले प्राणी, जीवन उज्जवल कर ले प्राणी ...2,
माँ के शरण में जायेगा ...3, सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...2,

सुमिरन करले SS S, "सुमिरन करले निर्मल माँ का ...2,
तेरा कष्ट निवारेगा सहजी, "जग में तू तर जायेगा ...4,

स्वागतम् 151

दर्शनों की लालसा पूरी हुई माँ स्वागतम्
सहजीयों की कामना पूरी हुई माँ स्वागतम्
सपनों को साकार बनाया ... 2, स्वागतम् माँ स्वागतम्
स्वागतम स्वागतम स्वागतम ..., माँ स्वागतम ...,

तू ही सांसो में बिराजे, तू ही सिर की स्वामिनी
तूने ही संसार रचाया, सहजयोग दायिनी
दो हमें आशीष माता ... 2, स्वागतम माँ स्वागतम
स्वागतम स्वागतम स्वागतम ..., माँ स्वागतम ...,

विश्व के कल्याण में, तूने सहज का ज्ञान दिया
विश्व को बन्धुत्व से बांधा, सहज समझा दिया
अव हमें अपनी शरण लो ... 2, स्वागतम माँ स्वागतम
स्वागतम स्वागतम स्वागतम ..., माँ स्वागतम ...,

स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन 151

स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

शीश नवायें तव चरणन में, गायें तुम्हारा वन्दन ...2,
नव प्रभात ये शुभ दिन आया, शुभागमन ये माँ का लाया ...,
पावन चरण पड़े प्रागंण में, तृप्त हुआ आतुर मन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

चन्द्रमुखी हो कमल लोचनी, प्रेम की गंगा धारा ...2,
चक्र सुदर्शन करके धारण, दुष्टों को संहारा ...,
तव चरणन की धूली मस्तक, धारे जैसे चन्दन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

श्वेताम्बर धर कमलासन पर साजे मोहिनी मूरत ...2,
महालक्ष्मी महासरस्वती महाकाली की सूरत ...,
दर्शन देखत छवि मनोहर, झूम उठे ये तन मन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन ...2,

जय जगजननी माता भवानी, दारूण भव भय हारिणी ...2,
जय पाप खन्डन जगत मंडन, भव सागर तारिणी ...,
अभय दान देती हो माँ तुम, बनके शक्ति स्पन्दन ...,
स्वागतम् सुस्वागतम् निर्मल माता अभिनन्दन...2, निर्मल माता अभिनन्दन...2,

श्वांसा दी माला 152

श्वांसा दी माला पे, माँ सुमीरा मैं तेरा नाम ...2
बन जांवा सहजी मैं तेरा हे निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

चरणां च तेरे हरदम रवाँ मैं ...2
चरणां च लालो हे, सुख करणी निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

जग दे जंजाला चो मैनूं बचाले ...2
जपदा रंवा श्री माँ हरदम तेरा ही नाम ...2, श्वांसा दी माला ...

निर्मल निर्मल श्वांसा चो निकले ...2
निर्मल निर्मल रटदा रंवा सुबह शाम ...2, श्वांसा दी माला ...

मैनू पिलादे माँ सहज दा प्याला ...2
हो जांवा तेरा हे निर्मला कृपा निधान ...2, श्वांसा दी माला ...

बाँह पकड़ लो रूल ना मैं जांवा ...2
सुखां विच रहके तेनु भुल ना मैं जांवा ...2, चरणा नाल जोड़ो मैनू,
निर्मला अपना जान ..., श्वांसा दी माला ...2
बन जांवा सहजी मैं तेरा हे निर्मल माँ ...2, श्वांसा दी माला ...

तेरे चरण कमल में रहने वाले 153

तेरे चरण कमल में रहने वालों में, लिख ले मेरा नाम ...2
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

आया था श्रृद्धा सुमन चढ़ाने, डाले झोली में,
माँ से पाऊँगा मैं कुछ दान भी, डालूँ झोली में,
सौम्य प्रकाश, चेतना देखी ...2, जैसे भोर की लाली में,
स्वापर्ण करके बोला मैं ...2, कुछ ना डालूँ झोली में,
निरपेक्ष यही भक्ति कुटीर है, चैतन्यता का ऐसा धाम
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

अर्पित है तन मन धन अपना ...2, चरण नहीं ये स्वर्ग की रचना,
वास्तविक है नहीं ये कल्पना, ऐसे धाम की करें क्यों तुलना,
मन्दिर मस्जिद गुरूद्वारे का, अब नहीं कोई काम,
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

अग्नि कुण्ड है अहंकार का ...2, जटिल मेरे ही भूत काल का ...2,
जब से बना भिक्षुक इस द्वार का...2, भविष्य उज्जवल सहज प्यार का...2,
यही है मक्का यही कर्बला, गंगा जमुना चारों धाम
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

चरणामृत से पावन कर दो ...2, निर्माल्यमय जीवन कर दो,
अणु रेणु में चैतन्य भर दो, किताबों में नहीं ज्ञान वो दे दो,
यही है गीता वेद यही है, यही बाईबल कुरान,
ये है सुख शान्ति का धाम ...2, निर्मल धाम निर्मल धाम रे ...2

तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ 153

तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ ...
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ ...2, तेरी बिंदिया ...

इस बिंदिया में ब्रह्म छुपा है, चंदा की शीतलता है ...2
गगन को इसमें देखूँ मैं, तारों को उतरा पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

यहाँ वहाँ नहीं डोले मन, ये बिंदिया पे जा टिकता है ...2
चैतन्य लहरों की ठंडक, मैं इस बिंदिया में पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

रूहानी चमक आँखों में आये, मन को मेरे है भाये ...2
गगन को इसमें देखूँ मैं, तारों को उतरा पाऊँ ...2
तेरी बिंदिया प्यारी लागे माँ, इसे देखता जाऊँ
मन और कहीं ना जाये माँ, इसे देखता जाऊँ, तेरी बिंदिया प्यारी ...

तेरी कृपा से निर्मल 154

तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

कितने जनम लिए मगर, सब व्यर्थ ही गये ...3
अबके जनम में आपके दीदार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ, भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ, आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

जीवन की नाव सौंप दी चरणों में आपके ...3
सहिल हैं आप और हम पतवार हो गये ...2

तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ, आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

साधक बनूं मैं सत्य का, हसरत थी सिर्फ ये ...3
सपने सहज को पा कर साकार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ, आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

हम धन्य हो गये हैं पाकर तेरी कृपा ...3
जीवन के मेरे आप माँ आधार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2
आ माँ आ हे प्यारी माँ, आ माँ आ हे निर्मल माँ ...2

जीवन–मरण से मुक्त हों करना कृपा श्री माँ ...3
आकर तेरी शरण में ये आसार हो गये ...2
तेरी कृपा से निर्मल, हम पार हो गये ...3
ऐसी हुई कृपा श्री माँ भक्ति में खो गये ...2, आ माँ आ हे निर्मल माँ ...

तेरी महिमा जो भी गाता सुख पाता दुख सारे भगाता 155

तेरी महिमा जो भी गाता ...2, सुख पाता दुख सारे भगाता ...2,
शरण में तेरी जो भी आता ...2, तेरी महिमा जो भी गाता 2,

इस जग को माँ क्या क्या बताऊँ ...2, निर्मल माता जग की दाता ...2,
बनके भवानी बनके भवानी आई माता ..., तेरी महिमा 2,

निर्मल माता भाग्य विधाता ...2, जो भी तेरी शरण में आता ...2,
मन वांछित फल, मन वांछित फल वो ही पाता ..., तेरी महिमा 2,

तुझको माँजी गा गा रिझाऊँ ...2, महिमा तेरी सबको सुनाऊँ ...2,
कृपा करो तुम कृपा करो तुम हमपे माता..., तेरी महिमा जो भी गाता ...2,
सुख पाता दुख सारे भगाता...2,शरण में तेरी जो भी आता...2,तेरी महिमा...2,

तेरी शरण में हे निर्मल माँ सुख का किया अहसास 155

तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,
सारे जगत को तूने दिया है ...2, एक नया जीव दान ...3,
तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,

ओ तेरे करम से पहले से था, जीवन मेरा पत्थर ...,
जीना मरना साथ निभाना, इसमें था इक अन्तर ...,
झोली में मेरे डाल दी तूने ...2, एक अनोखी शान ...,
एक अनोखी शान ...2,"तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2

ओ कितने जन्म आये गये हैं, मुक्ति मिली ना हमको ...,
अंधियारे में बस गये थे, भक्ति मिली ना हमको ...,
ज्ञान ध्यान री भान बसाकर ...2, दिया मुक्ति वरदान ...,
दिया मुक्ति वरदान ...2, "तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2,

नैनों में तेरे प्यार का दरिया, वाणी में तेरे सुर संवरिया ...,
कृपा करके सब सहजी पर, सत्य धर्म की राह दिखाया ...,
माँ सुरों की रख के चरणों में ...2, गाऊँ तेरे गुण गान ...,
गाऊँ तेरे गुण गान ...2, "तेरी शरण में हे निर्मल माँ, सुख ...2,
तेरी शरण में ही निर्मल माँ, सुख का किया अहसास ...2,
सारे जगत को तूने दिया है ...2, एक नया जीव दान ...3,

ठुमक चलत रामचन्द्र 156

ठुमक चलत रामचन्द्र बाजत पैंजनिया,
किलक किलक उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय,
धाय मात गोद लेट, दशरथ की रनियाँ, ठुमक चलत रामचन्द्र ...
अंचल रज अंग झारि, विविध भांति को छुनहि,
तन मन धन वारि वारि, कह तब मृदु वचनियाँ, ठुमक चलत रामचन्द्र ...2
विद्रुमसे अरूण अधर, बोलत मुख मधुर मधुर,
सुभग नासिका में चारु ...3, लटकट लटकनियाँ, ठुमक चलत ...2
तुलसी दास अति आनन्द देख के मुखार बिन्द,
रघुवीर छवि के समान, रघुवीर छवि बनिया, ठुमक चलत रामचन्द्र ...2

तिमि माता पिता 157

श्रृद्धा को फूल अर्पण छूँ चरणा, चाहिन ना ही सिवाय करूणा ...,
धूप बत्ती नैवेद्य ली चन्दना, सहजी हूँ माँ, गर छूँ वन्दना ...,
रहे सम धरती रवि चन्दना, सहजी हूँ माँ, गर छूँ वन्दना ...,

"तिमी ने जल हो तिमी ने स्थल हो ...2, तिमी धरती हो आकाश हो...2,
तिमी योगी हो अनी सन्त हो ...2, तिमी आदि हो आनन्त हो ...2,
तिमी माता पिता गुरू बन्धु सखा...2, तिमरू चरणां मां माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

मूलाधार मां स्वाधिष्ठान मां ...2, तिमी नाभि मां अनी हृदय मां ...2,
तिमी विशुद्धि मां आगन्य मां ...2, तिमी ने तिमी छो सहस्त्रार मां ...2,
मेरू हृदय मां मन मन्दिर मां ...2, तिमी साथ मां मेरो मात माँ ...2,
तिमी अंग अंग प्रत्यंग मां ...2, तिमी ने तिमी मेरो सर्वागं मां ...2,
तिमी माता पिता गुरू बन्धु सखा...2,तिमरू चरणां मां माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

तिमी चाहना अनि चेतना ...2, मेरो साधना आराधना ...2,
तिमी कामना मेरो भावना ...2, तिमी नै तिमी मेरो संभावना ...2,
तिमी आन माँ अनि शान माँ ...2, मेरो मान माँ अभिमान माँ ...2,
तिमी कर्म माँ अनि ज्ञान माँ ...2, तिमी ने तिमी छौ मेरो ध्यान माँ ...2,
तिमी माता पिता गुरू बन्धु सखा...2, तिमरू चरणां मां माता मेरो कोटि प्रणाम...2,

तू है दाता विश्व विधाता निर्मल माता 157

तू है दाता विश्व विधाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,
तेरी जय जयकार करूँ मैं ..., तेरी जय जयकार करूँ माँ ...,
हे जग जननी माता..., तू है दाता विश्व विधाता..., निर्मल माता है जग दाता..2,

तेरी कृपा से जीवन सारा ...2, तेरी कृपा से जीवन सारा ...2,
भर गया सुख से तन मन सारा ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,
विघ्न विनाशक जग उद्धारक ...2, विघ्न विनाशक जग उद्धारक ...2,
निर्मल माता सृष्टि दाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,

तेरे चरण को नमन करूँ मैं ...2, तेरे चरण को नमन करूँ मैं ...2,
निर्मल माता भाग्य विधाता ...2, निर्मल माता है जग दाता ...2,

तेरी जय जयकार करूँ मैं ..., तेरी जय जयकार करूँ माँ ...,
हे जग जननी माता ..., तू है दाता विश्व विधाता ...,
निर्मल माता है जग दाता ...4,

तू ही जगत पिता तू ही परम पिता 158

"तू ही जगत पिता, तू ही परम पिता ...
सबके तुम्हीं रखवाले तुम हो सभी के सहारे..., जय जय गणपति ...2"...2

तुम ज्ञान हृदय में जगाते, तुम ध्यान में नित जाते ...2,
जिसे सुमिरें सभी, बिसरें न कभी ...2, तुम्हें ऐसे तिलक करें, तू ही जगत पिता ...

करें सदा तेरा वन्दन निशदिन, माथे लगे तेरा चंदन निशदिन ...2,
कष्ट मिटा के मेरा, तुम दूर कर दो अंधेरा, हर कष्ट मिटा के मेरा, तुम दूर ...
तुम्हें भक्तों का नमन, तन मन अर्पण...2, तुमरे चरणों में पले ...,तू ही जगत पिता

तू ही श्री देवी परमोदारा 158

तू ही श्री देवी परमोदारा ...2, तू ही श्री देवी निष्कलंका ...2,
तू ही श्री देवी भक्तिप्रिया ...2, तू ही श्री देवी महारानी ...2,
"माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया, जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री, जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला माऽऽता आदिशक्ति माँ "...2

तू ही श्री देवी पद्मासना ...2, तू ही श्री देवी सान्द्रकरूणा ...2,
तू ही श्री देवी निष्परिगृहा ...2, तू ही श्री देवी स्वभावमधुरा ...2,
"माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया, जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री, जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला माऽऽता आदिशक्ति माँ "...2

तू ही श्री देवी निर्विकल्पा ...2, तू ही श्री देवी सुखाराध्या ...2,
तू ही श्री देवी लीला विनोदिनी ...2, तू ही श्री देवी शर्मदायिनी ...2,
"माँ सबको दुआ देना, तू ही महामाया, जय महामाया, तू ही महाकाली,
जय महाकाली, तू श्री गायत्री, जय श्री गायत्री, जय हो माता,
जय हो जय हो जय निर्मऽऽला माऽऽता आदिशक्ति माँ "...2

तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा 159

तू खुद को जान, खुद से प्यार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ... SS, माँ निर्मला पे एतबार करके देख जरा ...2,
है सहजयोग आत्मज्ञान की आसान डगर ...2,
भरोसा करके तू एक बार, चलके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
दिया जला के माँ के सामने, तू बैठ जरा ...2,
फैला के हाथ, माँ से अर्ज करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
ख्याल काम छोड़, भूल के दुनिया दारी ...2,
तू अपने आप में एक बार ढ़ल के देख जरा ...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
जगा के कुण्डलिनी, आत्म बोध कर हासिल ...2,
फिर अपने होश को बेज़ार करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
जिसे तू ढूँढ़ रहा है, वो तुझ में है शामिल ...2,
रुहानी बनके, तू पहचान करके देख जरा ...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
है सात चक्रों में,कायम वजूद इंसा का 2,
उन्हें चैतन्य से तू,पार कर के देख जरा...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
कजाँ के बाद की,जन्नत को किसने देखा है...2,
तू जीते जी इसे अख्तियार कर के देख जरा...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,
ना जाने आदमी की रुह ,फिर मिले ना मिले...2,
इसी जनम को तू, साकार करके देख जरा...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,

परम चैतन्य में हस्ती मिलाके पाले निज़ात...2,
तू महाशक्ति को सहस्त्रार करके देख जरा...2,
माँ निर्मला ..., माँ निर्मला पे..., तू खुद को जान, खुद से.....देख जरा...,

तुझे रूप पाहुनिया 160

तुझे रूप पाहुनिया...2, मी दंग झालो आई... 2,
तुझे नाम घेता घेता, मी धन्य झालो... 2

तूच माऊली आमुची, तुझ्या सावलीत आलो ...2,
तुझ्या चिन्तनी मी, रंगूनी समादिस्त् झालो... 2
तुझ्या चरणाची धूल, कपाली मी ल्यालो...2, तुझे नाम घेता...

निर्मल असे रूप जणू, प्रकाशाची ज्योति ...2,
निरानंदाची तू आण प्रेमाची डोर आम्ही मोट ...2,
ह्या अर्पणाने आई जाणू, अमृत मी प्यालो... 2, तुझे नाम घेता...

कुणी म्हणे लक्ष्मी तुला, कुणी म्हणे सॉंई ...2,
कुणी म्हणे सरस्वती, कुणी म्हणू आई ...2,
तुझ्या नामाने गं आई,पावन मी झालो... 2, तुझे नाम घेता...

तुम तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ 160

तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ,करता सारा जग वन्दन माँ...2,
करता सारा जग वन्दन माँ...2,तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ .....,

"छिन्दवाड़े की भूमि पावन, हर सहजी करता कोटि नमन...,
माँ निर्मल का जहाँ जन्म हुआ, मानवता का कल्याण हुआ"...2,
मानवता का कल्याण हुआ...2,तुम्हीं सूरज तुम्हीं चन्द्रमा...,
करता सारा जग वन्दन माँ...2,तुम बसी हो कण कण....,वन्दन माँ,

"बना नारगोल है मोक्ष का द्वार,जग का माँ ने खोला सहस्त्रार...,
जागृति कर जन जन तार दिया,हमें सहजयोग उपहार दिया"...2,
हमें सहजयोग उपहार दिया...2, तुम्हीं पर्वत तुम्हीं समुन्दर माँ...,
करता सारा जग वन्दन माँ...2, तुम बसी हो कण कण ....., वन्दन माँ,

"सारे जग में तेरे नजारे माँ, सभी सहजी तुमको प्यारे माँ...,
अनगिन हम पर उपकार किये, बच्चों पे सभी सुख वार दिये"...2,
बच्चों पे सभी सुख वार दिये...2, आई हो ऐसी चैतन्या...,
करता सारा जग वन्दन माँ...2, तुम बसी हो कण कण.....वन्दन माँ,

"भर दो हममें इतनी शक्ति, चरणों की माँ दे दो भक्ति...,
इस धरती को स्वर्ग बना दें हम, बस सहजयोग फैला दें हम"...2,
बस सहजयोग फैला दें हम...2, शुद्ध इच्छा यही है मन में माँ...,
करता सारा जग वन्दन माँ...2, तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ..,वन्दन माँ,

तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया 161

तुम ढूंढ़ो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी... 2, सुध लो मोरी... ...
सुध लो गोपाल मैं खोई गैया तेरी... 2
तुम ढूंढ़ो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

पाँच विकार से हाँकी जाये, पाँच तत्व की ये देही... 2
बरबस भटकी दूर खड़ी मैं, चैन न पाऊँ अब केही... 2
ये कैसा मायाजाल मैं खोई गैया तेरी... 2
सुध लो मोरी... ... , तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

जमुना तट ना, नन्दन वट ना, गोपी ग्वाल कोई दीखे... 2,
कुसुमलता ना तेरी छटा ना, पाँख पखेरू कोई रीझे... 2
अब साँझ ढ़ले घनश्याम,मैं व्याकुल गैया तेरी... 2
सुध लो मोरी... ... , तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

कित पाऊँ तरवर की छाँव जित, साँझे कृष्ण कन्हैया... 2,
मुझे उबारो हे गोपाल मैं खोई गैया तेरी... 2
सुध लो मोरी... ... , तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी
मन का ताप, श्राप भटकन का, तुम ही हरो हरि रास रचैया ...2,
अब रूप निहारूँ बाट प्रभूजी मैं गैया तेरी ...2,
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी

बन्सी के स्वर, नाद से टेरो, मधुर तान से मुझे पुकारो ...2
राधा कृष्ण गोविन्द हरिहर, मुरली मनोहर नाम तिहारो ...2
मुझे उबारो हे गोपाल मैं खोई गैया तेरी ...2
सुध लो मोरी ..., तुम ढूंढो मुझे गोपाल मैं खोई गैया तेरी, तुम ढूंढ़ो मुझे ...

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल 162

आ ऽऽऽऽऽऽऽ आ ऽऽऽऽऽ ऊपर गगन विशाऽऽऽल
ऊपर गगन विशाल, नीचे गहरा पाताल,
बीच में धरती, वाह मेरे मालिक तूने किया कमाल,
अरे वाह मेरे मालिक वाह मेरे पीरा तूने किया कमाऽल,
तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाऽऽल आ हा आ हा

"एक फूँक से रच दिया तूने, सूरज अगन का गोला,
एक फूँक से रचा चन्द्रमा, लाखों सितारों का टोला ऽऽ" ...2,
ओ तूने रच दिया पवन झकोला, ये पानी और ये शोला,
ये बादल का उड़न खटोला, तूझे देख हमारा मन डोला,
सोच सोच हम करें अचम्भा ऽ, नज़र न आता एक भी खम्बा,
फिर भी ये आकाश खड़ा है, हुये करोड़ो साल,
मालिक तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाऽऽल आ हा आ हा

अरे तूने रचा, हाँ तूने रचा एक अद्भुत प्राणी ..., जिसका नाम इन्सान,
तूने रचा, हाँ तूने रचा एक अद्भुत प्राणी ..., जिसका नाम इन्सान,
जिसकी नन्हीं जान के भीतर भरा हुआ तूफान,
इस ज़ग में इन्सान के दिल को, कौन सका पहचान,
इसमें ही शैतान छुपा है, इसमें ही भगवान,
बड़ा गजब का है ये खिलौना ...2, इसकी नहीं मिसाल ...
मालिक तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाऽऽल आ हा आ हा
"चारों तरफ एक इन्द्रजाल सा, तूने रचा विधाता, तूने रचा विधाता "...2,

तू हम सब के बीच बसा है, "फिर क्यूँ नज़र न आता ...2,
पत्ता पत्ता लता लता ..., पत्ता पत्ता लता लता, पूछ रहे सब तेरा पता
कहाँ छुपा है, अब तो बता, सामने आ जा, अब ना सता ...,
एक बार तो झलक दिखा जा SSS..., एक बार तो झलक दिखा जा,
कर जा हमें निहाल, मालिक तूने किया कमाल,

ऊपर गगन विशाल, नीचे गहरा पाताल,
बीच में धरती, वाह मेरे मालिक तूने किया कमाल
अरे वाह मेरे मालिक वाह मेरे पीरा तूने किया कमाल,
तूने किया कमाल, ऊपर गगन विशाSSल आ SSSSSSS आ SSSSS

वैष्णव जन तो तेने जो कहिये जे पीर पराई जाने रे 163

वैष्णव जन तो तेने जो कहिये जे पीर पराई जाणे रे ...
पर दुखे उपकार करे तो मन अभिमान ना आणे रे ...
सकल लोक माँ सबूरी बन्दे, निन्दा ना करे केनी रे
वाच काछ मन निश्छल राखे, धन धन जननी तेणी रे
सम दृष्टि ने तृष्णा त्यागी, पर स्त्री जेने मात रे
जिव्हा थकी असत्य न बोले, पर धन नव झाली हाथ रे
मोह माया व्यापे नहीं जेणे दृढ़ वैराग्य जेना मन मां रे
राम नाम सूं ताली लागी, सकल तीरथ तेरा मन मां रे
बण लोभी ने कपट रहित छे काम क्रोध निवारया रे
मड़े नरसैयो हेनु दरशन करतां कुल एकोतेर तार्‌या रे
वैष्णव जन तो तेणे जो कहिये जे पीर पराई जाने रे ...

विघ्न हरण गजवदन 164

विघ्न हरण गजवदन गजानना ..., करहूँ कृपा मोपे हे शिव नन्दन ...,
रिद्धि सिद्धि नवनिधी के दाता ..., सब जग के तुम बुद्धि विधाता ...,
शंकर नन्दन आप निरंजना..., भक्तन के तुम जग वंदना..., विघ्न हरण...,

वन्दे मातरम् 163

सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम् ...2
शुभ्र ज्योत्सना – पुलकित यामिर्नी, फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्, सुखदाम् वरदाम् मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ...2

कोटि–कोटि–कण्ठ–कल–कल–निनाद–कराले
कोटि–कोटि–भुजैर्धृत–खरकरवाले, अबले कै बाले माँ तुमि।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं रिपुदलवारिणीं मातरम् ॥ वन्दे मातरम् ...2

तुम् विद्या, तुमि धर्म्, तुमि हृदि तुमि मर्म, त्वम् ही प्राणाः शरीरे
बाहुते तुमि मा शक्ति, हृदये तुमि मा भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे–मन्दिरे ॥ वन्दे मातरम् ...2

त्वम् हिं दुर्गा दशप्रहररधारिणी कमला कमलदलविहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम् नमामि कमलां अमलां,
अतुलां, सुजलां सुफलां मातरम् ॥ वन्दे मातरम्।
श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम् धरणीम् भरणीम् मातरम् ॥
वन्दे मातरम् ...2

वन्दना, सब करो वन्दना 164

"वन्दना, वन्दना सब करो वन्दना,
श्री माता जी की सब करो वन्दना" ...2, "ला ला SS ला ला SS ...2

जिनको पूजे है रवि, चारों ओर उनकी छवि ...2,
चन्द्रमा की चाँदनी करते हैं वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब करो ...2

धरती तरसती स्पर्श को, सागर पखारन पाँव को ...2,
आदिशक्ति श्री माताजी की कर रहे सब वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब ...2

माँ प्राणों में है, हर साँसों में है ...2,
ऐसी माँ के ध्यान में कर रहे सब वन्दना, "वन्दना, वन्दना सब करो ...2

विनरो विनरो विनरो माताजी 164

विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,

माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2

"अनन्त जगतिलो आत्म विकासमों नीकू सन्तमों ...,
अम्मा कुण्डलिनी चक्र नाडुलु उन्नः वन्दुके" ...2,
निन्नुनीवे तिलसुकुनम ध्यानम् लोना ...2
विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,
माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2

"दुःख कमने कड़लिलो न उन्न जलननो ...,
योगमने नावलो न चेरचु भारमो" ...2,
निन्डु करूणा निन्ड़ीवुन्न नीकू साध्यमों ...2,
विनरो विनरो विनरो माताजी माटा ...2,
माताजी माटा, कुण्डलिनी माटा ...2, विनरो ... माताजी माटा ...2
माताजी माटा, "निर्मल माताजी माटा ...4

वो प्यार देने को मजबूर तू प्यार पाने से मजबूर 165

"आ sss आ sss आ sss आ sss
गुमान अच्छा नहीं लगता, जुबान अच्छी नहीं लगती ...,
चमन के आशियानों पर, मचान अच्छी नहीं लगती ...," ...2
जमीं पर रहने वाले, आसमाँ की बात करता है,
हवा में इस कदर, तेरी उड़ान अच्छी नहीं लगती ...2,

वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...4,
क्यूँकि ... तू है मगरूर, नहीं पाता सुरूर,
हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सुरूर, ...2
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...3,
है ये तेरा गुरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

ये प्यार सूरज सा नहीं ..2, जो बादलों में ढंक जाये ...2,
ये प्यार दरिया सा नहीं ...2, जो बांध में बंध जाये ...2,
मुसीबत में पड़ौसी मिलना जुलना छोड़ देते हैं ...,
हमेशा साथ रहने वाले तन्हा छोड़ देते हैं ...,
तुम्हारी चन्द खुशियाँ लुट गयीं, तो इस कदर गम है ...,
मोहब्बत में तो अक्सर लोग दुनिया छोड़ देते हैं ...,
ये प्यार सूरज सा नहीं ...2, जो बादलों में ढंक जाये ...2,
ये प्यार दरिया सा नहीं ...2, जो बांध में बंध जाये ...2,
ये प्यार वो साया नहीं ...2, जो रात ही में हट जाये ...2,
ये प्यार चाँद जैसा नहीं ...2, जो कभी बड़े कभी घट जाये ...3,

क्यूँकि ... "ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,
तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला है ...2,
पर उससे क्या मिला है ...2, क्यूँकि ... तू है मगरूर,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ "तू है मगरूर, नहीं पाता सुरूर, ...2
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...3,
है ये तेरा गरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

ये प्यार जैसे, दिल की धड़कन को हवा है ...2,
जैसे प्यासे को, शीतल जल का कुँआ है ...2,
जैसे तपते धूप में, ठंड़े झोंके ने छुआ है ...2,
कुछ ना माँग तू ..., कुछ ना माँग तू, बस अब यही तेरी दुआ है,
क्यूँकि ... "ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,
तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला है ...2,
पर उससे क्या मिला है ...2, क्यूँकि ... तू है मगरूर,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सुरूर, ...
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...2,
है ये तेरा गुरूर ...2, प्यार पाना जरूर ...2,
वो प्यार देने को मजबूर, तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार ...2,

बेलोस खुद निसारी है, "जरिया गरूर घटाने का ...3,
दो दिन की जिन्दगी पर, इतरा रहा है नादान्,
महलों के ख्वाब़ अकसर, क्यूँ देखता है शैतान्,
दुनिया सराय खाना, इक रोज सबको जाना,
रहता नहीं है कोई, किसका यहाँ ठिकाना,
दारा की अस्मतों का, कोई निशान् नही है...2,

वो खाक हो गया है, उनका मकाम् नहीं है...2,
बस नाम रह गया है, सबका भरे जहाँ में,
चिड़ियों का घोंसला है, टूटे से आशियाँ में,
पोरस है ना सिकन्दर, सब हो गये हैं रूखसत,
जब जिन्दा थे ये दोनों, उनकी बड़ी थी ये चाहत,
महलों के सब उजाले, अब खाक हो चुके हैं,
ऊँची उड़ान वाले, मिट्टी में मिल चुके हैं ... 3,

बेलोस खुद निसारी है, "जरिया गरूर घटाने का ...3,
ये गिले शिकवे, ये दूरियाँ, "ये मजबूरी हटाने का ...3,
जमीं पर ही एक मुश्तकिल फिरदौस बनाने का ...2,
खुद को प्यार से तर, औरों को बेहतर बनाने का ...
"ये प्यार मुसलसल सिलसिला है ...2,

तूने क्या दिया सिला है ...2, सिर्फ शिकवे और गिला़ है ...2,
पर उससे क्या मिला है ...2, क्यूँकि ...2, तू है मगरूर ...,
नहीं पाता सुरूर, हाँ हाँ तू है मगरूर, नहीं पाता सरूर...
क्या है तेरा कसूर, जरा सोचिए हूजूर ...2, है ये तेरा गरूर ...2,
प्यार पाना जरूर...2, वो प्यार देने को मजबूर,
तू प्यार पाने से मजबूर, प्यार...2,

ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार 167

ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ...,
अन्तर में जल उठे दीप हजार,कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ...,

कुसंस्कारों की चट्टानें, आसक्ति की यंत्रणायें...,
भय शंका की श्रृंखलायें, पर्वत सी भारी मन्त्रणायें...,
सब कहाँ ढह गयीं, बिखर कर बह गयीं..., तेरी करूणा के सान्द्र सागर में...,
अगणित हम पर तेरे उपकार..., कलियुग में किये तूने नये चमत्कार...,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ तेरा ... ...,

अत्याचारी का तर्जन, भ्रष्टाचारी का मर्दन...,
व्यभिचारी का नर्तन, ज्ञान विज्ञान का सर्जन...,
परिवर्तित सब कैसे हुये, तेरे मातृ प्रेम आगर में...,
तूने सुझाया इस पार, उस पार..., कलियुग में किये तूने नये चमत्कार...,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ तेरा ...,
अन्तर में जल उठे दीप हजार,कलियुग में किये तूने नये चमत्कार,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार,आत्म साक्षात्कार माँ तेरा ...,

शक्तिहीन की मुखरित आहें, दुर्बल की अरचित बाहें...,
नई ज्योति से जगमग हो गई, पीड़ित की क्रन्दित राहें...,
शक्ति दायी हुये, वीरवर हो गये,जागे निरानन्द घर घर में...,
सबको जगाने हुआ तेरा अवतार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार...,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, आत्म साक्षात्कार माँ तेरा ...,

नवयुग करता है तेरा अभिनन्दन, निर्मल मन से निर्मल माँ का वन्दन...,
तू माता हम सहजयोग के नन्दन, तेरा आशीष हर माथे का चन्दन...,
तेरी कृपा से भर लिया, हमने सागर गागर में ...,
तेरे चरणों में शत कोटि नमस्कार, कलियुग में किये तूने नये चमत्कार...,
ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा आविष्कार, अन्तर में जल उठे दीप हजार,
कलियुग में किये तूने नये चमत्कार.., ये आत्म साक्षात्कार माँ तेरा ...,

ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है 168

ये हमारी जिन्दगी माँ के नाम है...2
अपनी हर इक खुशी माँ के नाम है...2
ये हमारी जिन्दगी ... अपनी हर इक खुशी माँ के नाम है...
आरजु ख्वाबे दिल धड़कने जां है क्या ...2
ये हमारी साँसे भी ...2, माँ के नाम है..., ये हमारी जिन्दगी ...
अपने हर गीत में है, झलक माँ की...2
हर गजल रागिनी...2, माँ के नाम है..., ये हमारी जिन्दगी ...
है तस्सवुर हमें रात दिन सहज का...2
अपने हर पल घड़ी ...2, माँ के नाम है ..., ये हमारी जिन्दगी ...
अपनी हस्ती है क्या बस यही जाना है ...2
हम तो रोशन दीये ...2, माँ के नाम है ... ये हमारी जिन्दगी ...

ये नाम न्यारे न्यारे भगवान एक ही है 169

ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,
सब भेद भाव झूठे, इन्सान एक ही है ...2, ये नाम न्यारे न्यारे ...2,
यह धर्म है हमारा, यह धर्म है तुम्हारा ...2,
यह मज़हबी लड़ाई ...2, ईमान एक ही है,
यह मज़हबी लड़ाई, ईमान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,
ये शास्त्र है हमारे, ये शास्त्र है तुम्हारे ...2,
गीता कबीर वाणी ...2, सद ज्ञान एक ही है,
गीता कबीर वाणी, सद ज्ञान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है ...2,
ये सन्त है हमारे, ये संत है तुम्हारे ...2,
सब रीत (वीत) राग प्रभु की ...2, संतान एक ही है,
सब रीत राग प्रभु की, संतान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही है...2
ये पन्थ है हमारा, ये पन्थ है तुम्हारा ...2,
ये दुकान न्यारी न्यारी ...2, सामान एक ही है,
ये दुकान न्यारी न्यारी,सामान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे, भगवान एक ही हैं..2
जड़ एक है हमारी, शाखायें न्यारी न्यारी ...2,
माली भले ही बदले ...2, उद्यान एक ही है,

माली भले ही बदले, उद्यान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे , भगवान एक ही है ...2,
सब भेद भाव झूठे, इन्सान एक ही है ...2, ये नाम न्यारे न्यारे ...2,
माली भले ही बदले, उद्यान एक ही है, ये नाम न्यारे न्यारे , भगवान ...2,

भवन में आ जाओ मैया शेराँ वाली 170

भवन में आ जाओ, मैया शेराँ वाली...2, हो हो SS जय जगदम्बे जय माँ अम्बे
महामाया महाकाली..., ''भवन में आ जाओ, मैया शेराँ वाली...2,
तेरे दर पे जो भी आया...2, बेड़ा पार लगाया...2,
तेरे दर पे जो भी आया, बेड़ा पार लगाया,
विनती मेरी स्वीकार करो माँ...2, तेरा भोग लगाया..., भवन में आ जाओ....2,
हरी भरी मन भावन चूड़ी...2, लाल चुनरिया लाये...2,
हरी भरी मन भावन चूड़ी..., लाल चुनरिया लाये...,
सब श्रंगार करो मेरी मैया...2, सोने का छत्र चढ़ाया..., भवन में आ जाओ....2,
बड़े बड़े राक्षस संघारे...2, करके विकट लड़ाई...2,
बड़े बड़े राक्षस संघारे..., करके विकट लड़ाई...,
नवरात्रों में सबने मिलकर...2, तेरी महिमा गायी..., भवन में आ जाओ...2,
तेरी ज्योत जले जिस दिल में...2, करती माँ उजियारा...2,
तेरी ज्योत जले जिस दिल में..., करती माँ उजियारा...,
तेरे एक इशारे पे माँ...2, झूमे ये जग सारा..., भवन में आ जाओ....2,
सब बच्चों ने मिलकर मैया...2, तेरी महिमा गायी...2,
सब बच्चों ने मिलकर मैया..., तेरी महिमा गायी...,
सब सहजन की तूने मैया...., नैया पार लगायी..., भवन में आ जाओ....2,

हम हैं तेरे गणेश श्री माँ हम हैं तेरे गणेश 170

हम हैं तेरे गणेश श्री माँ, हम हैं तेरे गणेश...2,
चरण कमल में शरण दो माता, जीवन कट जाये शेष..., श्री माँ हम.....गणेश,
धन्य भाग्य मानव तन मन पाना...2, निर्मल माता को पहचाना....2,
धन्य भाग्य माँ आदिशक्ति...2, पिता हैं देव महेश...., श्री माँ हम.....गणेश,
हमको भी माँ अबोध बना दो...2, मन के सारे कपट मिटा दो...2,
दूर करो अन्धेरे मन के....2, मिटा दो सारे क्लेश...2, श्री माँ हम.....गणेश,

शक्ति दो माँ, भक्ति दो माँ...2, बाधाओं से मुक्ति दो माँ...2,
सर्व समर्पण कर दिया तुझको...2, रहा ना कुछ भी शेष..., श्री माँ हम.....गणेश,
भूल हो जाये क्षमा कर देना....2, राह नयी माँ दिखला देना...2,
तुम्हीं हो माता हम सहजन की...2, तारे चन्द्र दिनेश..., श्री माँ हम.....गणेश,

निर्मल मैया मेरी दे दो चैतन्य अनमोल 171

निर्मल मैया मेरी, दे दो चैतन्य अनमोल...2,
दे दो चैतन्य अनमोल, मेरे अवगुण ना तोल...2, निर्मल मैया.....अनमोल,
ये जीवन कर्मों का सागर, करम ना देखो मेरे...2,
अपनी शरण में ले लो श्री माँ, आन पड़ा दर तेरे...2,
आन पड़ा दर तेरे मुझ को, अपने से जोड़..., निर्मल मैया.....अनमोल,
तेरे नाम की गंगा में, मैं जब जब डुबकी लगाऊँ...2,
नजरें करम हो तेरी श्री माँ, डूबता भी तर जाऊँ...2,
डूबता भी तर जाऊँ, श्री माँ निर्मल जय बोल... निर्मल मैया.....अनमोल,
दुनिया के हैं लाख सहारे, मुझे है तेरा सहारा....2,
तेरे चरण मेरे मन्दिर मस्जिद, तेरे चरण गुरुद्वारा...2,
तेरे चरण गुरुद्वारा, मेरी दूजी ना ठोर..., निर्मल मैया.....अनमोल,
तीन नाड़ी और सात चक्र दे, रच दी तूने काया...2,
इसके अन्दर स्वयं बैठी हो, बनके श्री महामाया....2,
बनके श्री महामाया, मेरा सहस्त्रार खोल..., निर्मल मैया.....अनमोल,

मेरा मन तो रंगा माँ के रंग में 171

मेरा मन तो रंगा S माँ के रंग में, मैं रहता मगन ... माँ के धुन में ...
मन मंदिर में ज्योति जगी है ...2, माँ के नाम से शक्ति जगी है ...2
माँ के प्रेम की, हम पर है छाया ..., मेरा मन तो रंगा ...,
हाथों में बहे अमृत धारा ...2, गिरते हुओं को, माँ ने दिया है सहारा ...2
निरानंद में बहे जीवनधारा ...2, मेरा मन तो रंगा ...
अमृत से भरी जीवन गागर ...2, जब से मिला है, माँ के प्रेम का सागर ...2
दरस से माँ के हम हो गये पावन ...2, मेरा मन तो रंगा ...

श्री गणेश अथर्वशीर्ष 140

ॐ नमस्ते गणपतये,

त्वमेव प्रयत्क्षम् तत्वमसि, त्वमेव केवलम् कर्ताऽसि,
त्वमेव केवलम् धर्ताऽसि, त्वमेव केवलम् हर्ताऽसि,
त्वमेव सर्वम् खल्विदम् ब्रह्मासि, त्वम् साक्षादात्माऽसि नित्यम् ॥

ऋतम् वच्मि, सत्यम् वच्मि ॥

अव त्वम् माम्, अव वक्तारम्, अव श्रोतारम्,
अव दातारम्, अव धातारम्, अवानूचानमव शिष्यम्
अव पश्चात्तात्, अव पुरस्तात्, अवोत्तरात्तात्, अव दक्षिणात्तात्,
अवचोर्ध्वात्तात्, अवाधरात्तात्, सर्वतो माम् पाहि पाहि समंतात् ॥

त्वम् वाङ्मयस्त्वम् चिन्मयः,
त्वमानंदमयस्यत्वम् ब्रह्ममयः, त्वम् सच्चिदानंदाद्वितीयोऽसि,
त्वम् प्रत्यक्षम् ब्रह्माऽसि, त्वम् ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसिऽ ॥
सर्वम् जगदिदम् त्वत्तो जायते, सर्वम् जगदिदम् त्वत्तस्तिष्ठति,
सर्वम् जगदिदम् त्वयि लयमेष्यति, सर्वम् जगदिदम् त्वयि प्रत्येति,
त्वम् भूमिरापोऽनलोऽनिलो नभः, त्वम् चत्वारि वाक्पदानि ॥
त्वम् गुणत्रयातीतः, त्वम् देहत्रयातीतः, त्वम् कालत्रयातीतः,
त्वम् मूलाधारस्थितोऽसि नित्यम्, त्वम् शक्तित्रयात्मकः,
त्वाम् योगिनो ध्यायंति नित्यम्,

त्वम् ब्रह्मा त्वम् विष्णुस्त्वम्, रुद्रस्त्वम्, इन्द्रस्त्वम्, अग्निस्त्वम्,
वायुस्त्वम्, सूर्यस्त्वम्, चन्द्रमास्त्वम्, ब्रह्मभूर्भुवःस्वरोम् ॥
गणादिं पूर्वमुच्चार्य वर्णादिं तदनंतरं, अनुस्वारः परतरः,
अर्धेन्दुलसितम्, तारेण ऋद्धम्, एतत्तव मनुस्वरूपम्, गकारः पूर्वरूपम्,
अकारो मध्यमरूपम्, अनुस्वारश्चान्त्यरूपम्, बिन्दुरुत्तररूपम्,
नादः संधानम्, संहिता संधिः, सैषा गणेशविद्या, गणकऋषिः,
निचृद गायत्रीच्छंदः, गणपतिर्देवता, ॐ गँ गणपतये नमः ॥

एक दंताये विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ॥
एकदन्तम् चर्तुहस्तम् पाशमम्कुशधारिणम्,

रदम् च वरदम् हस्तैर्बिभ्राणम् मूषकध्वजम्,
रक्तम् लंबोदरम् शूर्पकर्णकम् रक्तवाससम्,
रक्तगन्धानुलिप्तांगम् रक्तपुष्पै सुपूजितम्,
भक्तानुकंपिनम् देवम् जगत्कारणमच्युतम,
आर्विभूतम् च सृष्ट्यादौ प्रकृतेः पुरूषात्परम्,
एवम् ध्यायति यो नित्यम्, स योगी योगिना वरः॥

नमो व्रातपतये नमो गणपतये,
नमः प्रमथपतये, नमस्तेऽस्तु लम्बोदरायैकदन्ताय,
विध्ननाशिने शिवसुताय श्री वरदमूर्तये नमो नमः॥
साक्षात् श्री आदि शक्ति माताजी श्री निर्मला देवी नमो नमः।

कबीर के दोहे 173

गुरू गोविन्द दोहु खड़े, काके लागूँ पाय।
बलिहारी गुरू आपने, गोविन्द दियो बताय।

साँच बराबर तप नहीं, झूँठ बराबर पाप।
जाके हिरदे साँच है, ताके हृदय आप।

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाये।
सार सार को गाहि रहे, थोथा देय उड़ाये।।

साँई इतना दीजिए, जामें कुटुम्ब समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु ना भूखा जाय।।

वृक्ष कबहुँ फल नहीं खात है, नदी न संचे नीर।
परमारथ के कारणे, साधु धरा शरीर।।

मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।
सन्नवन द्वार है संचरे, सालै सकल सरीर।।

बोली एक अनमोल है, जो कोई बोली जानि।
हिये तराजू तोल के, तब मुख बाहिर आनि।।

कबीरा संगत साधु की, हरे और की व्याधि।
संगत बुरी असाधु की, आठों पहर उपाधि।।

गुरू कुम्हार कुम्भ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट।
अन्तर हाथ सहार दे, बाहर बाहे चोट।।

पीया चाहे प्रेम रस, राखा चाहे मान।
एक म्यान में दो खड्ग, देखा सुना ना कान।।

रहीम के दोहे 174

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चिटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ पड़ जाय।।

पोथी पढ़ पढ़ जग मुआ, पंड़ित भया न कोय।
ढ़ाई आख़र प्रेम का, पढ़े सो पंड़ित होय।।

कांकर पाथर जोड़ के, मसजिद लेई चुनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय।।

कनक कनक ते सौ गुना, मादकता अधिकाय।
वो खाये बौरावत है, ये खाय बौराय।।

माला तो कर में फिरे, जीभ फिरे मुख माय।
मनुवा तो चहुँ ओर फिरे, ये तो सुमिरन नाहिं।।

दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करे ना कोय।
जो सुख में सुमिरन करे, तो दुख काहे को होय।।

रात गंवाई सोय के, दिवस गंवाया खाय।
हीरा जनम अनमोल है, कौड़ी बदले जाय।।

तरूवर फल नहीं खात है, सरवर पिये ना पान।
काहे रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।

ऐसी वाणी बोलिये, मन का आपा खोये।
औरन को शीतल करे, आपहुँ शीतल होय।।

पाथर पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते को चाकी भली, पीस खाये संसार।।

आवन को हरस नहीं, नैनन नहीं स्नेह।
तुलसी तहाँ न जाइये, कंचन बरसे मेह।।

विजयी निर्मल शारदे 175

विजयी निर्मल शारदे, विजयी निर्मल शारदे ...2
सकल विद्या स्वामिनी तुम, सर्व शास्त्र विशारदे ...2, विजयी निर्मल शारदे ..4

डुलत कुंडल श्रुती युगल में, शुभ्र मौक्तीक माल गल में ...2
शीश रत्न कीरीट राजित, निखिल जग उजियार दे ...2,

देवी भगवती स्वामिनी तुम, जागृत करो कुण्डलिनी ...2
नाश कर अज्ञान माते, शुद्ध बुद्धि विचार दे ...2, विजयी निर्मल शारदे ...4

दिगदिगंत वसंत जागृत, हृदय कानन आज मुकूलीत ...2
प्रेम ममता कर सुझंकृत, जननी मोह निवार दे ...2,

विजयी निर्मल शारदे, विजयी निर्मल शारदे ...2, विजयी निर्मल 4
सकल विद्या स्वामिनी तुम, सर्व शास्त्र विशारदे ...2, विजयी निर्मल शारदे..4

आदि शक्ति माताजी तेरे चरणों में आया हूँ मैं 175

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

तू आदि शक्ति सहस्त्रार विराजे ..., हाथों में वीणा मुकुट सर पे साजे ...3
आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,

शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...
तू ही भवानी तू महामाया ..., तुझमें ही सारा विश्व समाया ...3,

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

तू ही सदा शिव अन्तरयामी ...3, देवी देवों की तुम ही हो स्वामी ...3,
आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेर गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

आदि शक्ति माताजी, तेरे चरणों में आया हूँ मैं ...,
शाम सवेरे गुण तेरे गाऊँ, तेरा ही जाया हूँ मैं, ''श्री माँ तेरा ही जाया हूँ मैं ...

निर्मल नाम तू ले मनवा 176

निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ की शरण में हो ले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

''अहंकार से भरा पूरा है, धन दौलत से मान बढ़ा है ...,
अभिमान और स्वाभिमान से, यहाँ वहाँ तू पड़ा है ...'' ...2,
ये सब कुछ है माया पगले ...2, निर्मल नाम तू जपले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

ओ ''अपनी सुन्दरता की मूरत, यहाँ वहाँ ले फिरता ...,
कोई नहीं कहे तेरे बारे में, अपने ही गुण तू गाता ...'' ...2,
अब ये कुछ ना सोच रे मनवा ...2, सच्चाई को अपनाले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,

हो ''कैसे कैसे माँ खेल रचाये, इस धरती पर आकर ...,
कोई कहे माँ है तू लक्ष्मी, कोई कहे तोहे पालक ...2,
माँ की महिमा, माँ ही जाने ...2, निर्मल ध्यान तू करले ...,

निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...2,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा ...2, माँ के शरण में हो ले ...,
निर्मल नाम तू ले ले मनवा, निर्मल नाम तू ले ले ...3,

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई है 176

भवानी माँ निर्मला हृदय में समाई है...4,
ज्योति नूरानी दमक रही ...2, माथे पे बिंदिया चमक रही ...2,
सजी है माँ ...2, निर्मला आँखों में बसाई है ..., ''भवानी माँ ...2,

दुनिया तेरे चरण पखारती ...2, माँ तेरी उतारें आरती ...2,
शिवानी माँ ...2, निर्मला जग लेता बलाई है ..., ''भवानी माँ ...2,

माँ अजर अमर निराकार तू ही ...2, माँ कुण्डलिनी साकार तू ही ...2,
तेरे ही रंग ...2, निर्मला माँ चुनरी रंगाई है ..., ''भवानी माँ ...2,

माँ जिसने तेरा नाम लिया ...2, भवसागर हम को पार किया ...2,
तू ही तो माँ ...2, निर्मला देवों ने मनाई है ..., ''भवानी माँ ...2,

जय जय गणेश मंगलकारी 177

जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारो पूजन में ...2
तुम आओ कारज सिद्ध करो रघुनन्दन ...2
तुम आओ कारज सिद्ध करो शिव नन्दन ...2
सबसे पहले गणनाथ तुम्हारा वंदन ...2
पहनाऊं सुरभित माल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में, पधारो पूजन में ...2

तुम दया करो तो पाप मिटे तत्क्षण में ...2
तुम कृपा करो तो शत्रु विजय हो रण में ...2
तुम काल के भी हो काल पधारो पूजन में ...2
हे पार्वती के लाल पधारो पूजन में ...2
जय गणपति दीन दयाल पधारो पूजन में ...2
जय जय गणेश मंगलकारी, जय सिद्ध सदन जय असुरारी ...4

तन मन धन सब अर्पण होगा 177

तन मन धन सब अर्पण होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा ...2
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सब अर्पण होगा ...2

श्री माँ जी के पैरों में महावर लगायेंगे, श्री माँ जी के पैरो में,
ओ sss, श्री माँ जी के पैरो में महावर लगायेंगे,
महावर लगाके फिर पायल पहनायेंगे ...2

पायल से सुन्दर बिछुआ होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा, तन मन धन सब अर्पण होगा

श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेंगे, श्री माँ जी के हाथों में ,
ओSSS, श्री माँ जी के हाथों में मेहंदी लगायेंगे,
मेहंदी लगाके फिर चुड़ियाँ पहनायेंगे ...2
चूड़ी से सुन्दर कंगना होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

श्री माँ जी के गले में हार पहनायेंगे, श्री माँ जी के गले में,
ओSSS, श्री माँ जी के गले में हार पहनायेंगे
हार पहनाके फिर नथनी पहनायेंगे ...2
नथनी से सुन्दर झुमका होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

श्री माँ जी को मिलकर साड़ी पहनायेंगे, श्री माँ जी को मिलकर,
ओSSS, श्री माँ जी को मिलकर साड़ी पहनायेंगे
साड़ी पहनाके फिर चुनरी उढ़ायेंगे ...2
चुनरी से सुन्दर गोटा होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

श्री माँ जी की अंखियों में काजल लगायेंगे, श्री माँ जी की अंखियों में,
ओSSS, श्री माँ जी की अंखियों में काजल लगायेंगे
काजल लगाके फिर बिन्दिया लगायेंगे ...2, माथे पे सुन्दर मुकुट होगा,

चारों तरफ फिर चेतन होगा, चारों तरफ फैला आनन्द होगा
ऐसा सुन्दर सपना सबका पूरा होगा
तन मन धन सब अर्पण होगा, आज के दिन माँ का पूजन होगा

ओम् महालक्ष्मी तुम्हें प्रणाम 178

"ओम् महालक्ष्मी नमो नमः, विष्णु प्रियायि नमो नमः
अलभ्य❁ प्रदाय नमो नम, विश्व जनंने नमो नमः" ...2 ❁**कनक/धन्य**
अरूण कमल परिधान अरूण हे अरूण कमल परिधान ❁**आनन्द/अलब्यधाये**
अरूण कमल परिधान अरूण हे महालक्ष्मी तुमको प्रणाम
महालक्ष्मी तुमको प्रणाम, रूप लक्ष्मी तुमको प्रणाम
शुभ लक्ष्मी तुमको प्रणाम, सिद्ध लक्ष्मी तुमको प्रणाम
अरूण कमल परिधान अरूण हे महालक्ष्मी तुमको प्रणाम ...2
ओ महालक्ष्मी नमो नमः, विष्णु प्रियायि नमो नमः

स्वर्ण कमल की पंखुड़ियाँ पद चिन्ह तुम्हारे ...2
वैभव कीर्ति मिले उसको जो आये तेरे द्वारे ...2
वैभव कीर्ति मिले उसे जो आये द्वारे
रिद्धि सिद्धि सब छाया तेरी ...2, राज लक्ष्मी तुमको प्रणाम
"ओम् महालक्ष्मी नमो नमः, विष्णु प्रियाय नमो नमः
अलभ्य❁ प्रदाय नमो नमः, विश्व जननी नमो नमः... "
अरूण कमल परिधान, अरूण हे महालक्ष्मी तुमको प्रणाम

तेरी कृपा से राजा राज सिंहासन राजे ...2
मंगल दीप जले स्वस्तिक, श्री चरण विराजे ...3
जग में जय हो ...2, शत्रु विजय हो, विजय लक्ष्मी तुमको प्रणाम,
जग में जय हो, रण में विजय हो, विजय लक्ष्मी तुमको प्रणाम
महालक्ष्मी तुमको प्रणाम, रूप लक्ष्मी तुमको प्रणाम,
शुभ लक्ष्मी तुमको प्रणाम, सिद्धलक्ष्मी तुमको प्रणाम
अरूण कमल परिधान अरूण हे महालक्ष्मी तुमको प्रणाम

"ओम् महालक्ष्मी नमो नमः, विष्णु प्रियाय नमो नमः ...4
कनक/धन्य प्रदाय नमो नमः, विश्व जननी नमो नमः" ...3

सदगुरू है मेरी माँ, मोपे सहज रंग डारा 179

सद्गुरू है मेरी माँ, मोपे सहज रंग डारा

दर तो बहुत से देखे हमने ...2, तेरा दरबार है न्यारा ...2
ज्ञान की ज्योत जलाई तूने ...2, मिट गया सब अंधियारा ...2

शरण में तेरी जो भी आया ...2, भव से पार कराया ...2
कुण्डलिनी माँ तुमने जगाई ...2, गौरी को शिव से मिलाया ...2
कलयुग में अवतार तुम्ही हो ...2, कल्की का अवतार तुम्ही हो ...2

पूजे ये जग सारा ...2
जबसे प्यार माँ तेरा मिला है ...2, बदली जीवन धारा ...
तुम ही हो माँ सहारा ...2, सद्गुरू है मेरी माँ ..., मोपे सहज रंग डारा ...

तेरी चैतन्य लहरों का कोई पार ना पाया है 180

तेरी चैतन्य लहरों का, कोई पार न पाया है।
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महा माया है ...2, तू ही महा माया है ...2

तेरी शेर सवारी माँ, तेरा दिल भी शेरों सा
तेरे दिल में ममता का भण्डार है ढेरों सा, भण्डार माँ ढेरों सा...
जिसने जितना मांगा, मिला उससे सवाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महा माया है ...2

त्रिभुवन तेरी बिंदिया में, तेरा मुकुट हिमालय है
तेरे चरणों में गिरजे मस्जिद और शिवालय है, मस्जिद और शिवालय है ...
इस त्रिपुर सुन्दरी को, चंदा भी लज्जाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महा माया है ...2

संगीत के अनहद से, चैतन्य बयार चली ...2
तन मन शीतल करती कुण्डलिनी पार चली ...2, कुण्डलिनी पार चली
प्यासी माँ गौरी को, सदा शिव से मिलाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

जन्मों के पापों को इक पल में मिटाती है
पत्थर के टुकड़े हम, पारस माँ बनाती है ...2, पारस माँ बनाती है ...2
दिया नाम सहज योगी, गुरू पद पे बैठाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

खुश किस्मत जीव है वो चरणों में जो आये है
जन्मों के पुण्यों से तेरे दर्शन पाये हैं, ...2, तेरे दर्शन पाये हैं
बने सच्चे सहज योगी, ये संकल्प उठाया है ...2
हे आदिशक्ति माँऽऽ तू ही महामाया है ...2

माँ हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ 181

माँ हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ...2,
सहस्त्रार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हें ...2, वन्दन करते सब योगीजन,
सहस्त्रार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हें, वन्दन करते सब योगीजन...2
दो कर जोड़े तव चरणन में ...2, करे समर्पित तन और मन ...
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

सहस्त्रार का किया विभेदन, ये हम पर उपकार है भारी ...2
माँ निर्मल हो भर दो हममें ...2 अपनी ये निर्मलता सारी...
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

तेरे ही आँचल के साये में, नव जन्म मिला, पले बढ़े है ...2
तेरा ही दर है सबसे सुन्दर ...2, तेरे ही दर पे आन खड़े हैं ...
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

आत्म ज्ञान मिला तव कृपा से, प्रेम की प्रतिमा हो तुम माता ...2
आदिशक्ति तुम, हे महादेवी ...2, मंगल करनी शुभ वरदानी ...
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

मन्त्र मुग्ध किया, तेरे प्रेम ने, तेरा प्रेम ही लक्ष्य हमारा ...2
तेरे प्रेम से सब जग महके ...2, यही सुन्दर स्वप्न हमारा ...,
माँ हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

विनती है माँ तव चरणन में, भक्ति का दान हमें दो माता ...2
रंग दो अपनी भक्ति के रंग में ...2, दूजा कोई रंग ना भाता ...,
माँ हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2,

सहस्त्रार स्वामिनी माँ निर्मल तुम्हें ...2, वन्दन करते सब योगीजन
दो कर जोड़े तव चरणन में ...2, करे समर्पित तन और मन
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2
माँ, हे माँ सहस्त्रार स्वामिनी माँ ...2

सहस्त्र कमल उजागर माँ 182

सहस्त्र कमल उजागर है माँ...2, सहस्त्र पंखुड़ियाँ प्लावित करना
निर्मला माँ, निर्मला माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे, सहस्त्र कमल उजागर है ...माँ

सहस्त्र कमल उजागर, सहस्त्र पंखुड़ियाँ प्लावित करना
निर्मला माँ, निर्मला माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे ...,निर्मला माँ दिल में आना रेSSS,
हृदय कमल खिलाना रे ..., ओ ओ निर्मला माँ दिल में आना रे ...2

शिवपुरी की स्वामिनी तू माँ, "आत्मा सहस्त्रार ले आना ...2" ...2
सहस्त्र शक्ति प्रज्जवलित करके ..., चक्रों में मेरे समग्रता लाना ...
निर्मला माँ, निर्मला माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे

सहजियों की शुद्ध कामना ..., "आत्मा अद्वैत बन जाना ...2" 2,
माया का परदा माँ तू हटा के ...2, निरानन्द की गंगा बहाना ....
निर्मला माँ, निर्मला माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे, सहस्त्र कमल उजागर है ... माँ

सहस्त्र कमल उजागर , सहस्त्र पंखुड़ियाँ प्लावित करना ...,
निर्मला माँ, निर्मला माँ दिल में आना रे, मैया आना रे ...2
हृदय कमल खिलाना रे, मैया आना रे
निर्मल माँ दिल में आना रेSSS, हृदय कमल खिलाना रे..., ओ ओ
निर्मल माँ दिल में आना रेSSS, निर्मल माँ दिल में आना रे